Established 1865

पायनियर

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-29 | नई दिल्ली, सोमवार, 1 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

मन की बात में पीएम मोदी ने अंतरिक्ष निर्माण से लेकर कृषि क्षेत्रों तक की चर्चा

युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरिक्ष निर्माण से लेकर कृषि तक विभिन्न क्षेत्रों में हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस ने अंतरिक्ष परिवेशी तंत्र को नई उड़ान दी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक मन की बात रेडियो संबोधन में नवंबर माह की प्रेरणादायक घटनाओं में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने, सेंट्रल हॉल में संविधान दिवस समारोह और अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण को सूचीबद्ध किया। उन्होंने इसके साथ ही हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ इकाई का उद्घाटन और आईएनएस माहे को भारतीय नौसेना में शामिल किये जाने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम की 128वीं कड़ी में कहा, पिछले सप्ताह ही, स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस ने भारत के अंतरिक्ष परिवेशी तंत्र को एक नयी उड़ान दी।

काशी-तमिल संगमम का हिस्सा जरूर बनें : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागरिकों से वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी-तमिल संगमम में भाग लेने और तमिल भाषा सीखने के अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया। मोदी ने अपने मासिक मन की बात संबोधन में कहा कि काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण दो दिसंबर को वाराणसी के नमो घाट पर शुरू होगा। मोदी ने कहा, इस बार के काशी-तमिल संगमम का विषय बहुत ही रोचक है :तमिल सीखें - तमिल करकलम। उन्होंने इस आयोजन को विश्व की सबसे प्राचीन भाषा और विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में से एक का संगम बताया।

पुलिस के प्रति जन धारणा को बदलने की आवश्यकता : पीएम

एजेंसी। रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें प्रवर्तन, पुनर्वास और सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप को एकीकृत किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक धारणा, विशेषकर युवाओं में, पुलिस के प्रति नजरिये में बदलाव की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके लिए पेशेवर दक्षता और संवेदनशीलता बढ़ाने तथा शहरी और पर्यटन पुलिसिंग को सशक्त करने की जरूरत है। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों के समग्र विकास और तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नवीन मॉडलों को अपनाने का आह्वान किया।

सम्मेलन में अमित शाह और अजीत डोभाल भी हुए शामिल

सार संक्षेप

तमिलनाडु में दो बसों की की टक्कर में 11 की मौत

शिवगंगा। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में रविवार को दो सरकारी बसों की आमने-सामने की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के बताया कि यह दुर्घटना कराईकुडी से लगभग 15 किलोमीटर दूर हुई और 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में आठ महिलाएं, दो पुरुष और एक बच्चा शामिल है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह आमने-सामने की टक्कर थी, कारण स्पष्ट नहीं है, हम इसकी जांच कर रहे हैं।

श्रीलंका में चक्रवात से अब तक 200 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका ने चक्रवात दित्वा के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार दोपहर 12 बजे जारी किए गए ताजे आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार से अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है और 228 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 9,68,304 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

चक्रवात दित्वा से भारी बारिश के आसार

अमरावती। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित चक्रवात दित्वा के कारण आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। पिछले छह घंटों के दौरान यह चक्रवात उत्तर की ओर बढ़ा और उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास 11.4 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 80.6 डिग्री पूर्वी देशांतर पर केंद्रित है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि चक्रवाती तूफान दित्वा, जो वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है, से आंध्र प्रदेश के कई जिलों में और बारिश होने की संभावना है।

नेपाल में भूकंप से कांपी धरती

काठमांडू। नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बझांग जिले में रविवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार अपराह्न 12:09 बजे आए भूकंप का केंद्र बझांग जिले में साइपाल पर्वत था। एनईएमआरसी ने बताया कि भूकंप के झटके पश्चिमी प्रांत के बाजुरा सहित पड़ोसी जिलों में रहने वाले लोगों ने भी महसूस किए। नेपाल सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र चार और पांच) में स्थित है, जिसके कारण यह भूकंप के प्रति अत्यंत संवेदनशील है, तथा यहां प्रत्येक वर्ष कई भूकंप आते हैं।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई

12 राज्यों में 11 दिसंबर तक चलेगा वोटर वेरिफिकेशन

एजेंसी। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के पूरे कार्यक्रम को रविवार को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। आयोग ने यह कदम विपक्षी दलों के इन आरोपों के बीच उठाया कि कम समय-सीमा लोगों और जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों के लिए समस्याएं पैदा कर रही है। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि गणना प्रपत्र वितरण अब चार दिसंबर के बजाय 11 दिसंबर तक जारी रहेगा। मसौदा मतदाता सूची अब नौ दिसंबर की जगह 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी के स्थान पर 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को होगी जारी

अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ आंतरिक चर्चा के आधार पर एसआईआर के सभी चरणों की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है जहां यह प्रक्रिया जारी है। विपक्षी दलों ने एसआईआर के दौरान कम से कम 40 बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौत होने का दावा करते हुए, मतदाता सूची में संशोधन किये जाने के समय पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया किया इनमें से ज्यादातार ने कम समय सीमा होने के कारण तनाव में आकर आत्महत्या की। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। एसआईआर कार्यक्रम में संशोधन के निर्वाचन आयोग के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि निर्वाचन आयोग को पता था कि समय-सीमा व्यावहारिक नहीं थी।

अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई

मतदाता सूची का पिछला एसआईआर 2002 और 2004 के बीच किया था, और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए पिछले एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग लगभग पूरी कर ली है। मतदाताओं की मैपिंग में उनकी पिछली प्रविष्टियों से जोड़ने, पते का सत्यापन करने तथा बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन के माध्यम से विसंगतियों को ठीक करने की प्रक्रिया से है। एसआईआर का मुख्य उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्मस्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर करना है।

बीएलओ का बढ़ा मानदेय तुरंत जारी करें : आयोग

भारत के चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार को ब्लॉक लेवल ऑफिसर का बढ़ा हुआ मानदेय जारी न करने के लिए फटकार लगाई है। चुनाव आयोग ने कहा कि देरी 'बहुत अजीब' है और यह राशि तत्काल जारी की जानी चाहिए। 28 नवंबर को एआईटीसी डेलिगेशन के साथ हुई बैठक के दौरान चुनाव आयोग ने यह बात कही। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों के बीएलओ के मानदेय में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की थी। राज्य सरकार द्वारा यह मानदेय अभी तक जारी नहीं किया गया है।

कुछ भारतीय अपनी भाषाएं भी नहीं जानते : संघ प्रमुख

एजेंसी। नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के कम होते इस्तेमाल पर चिंता जताई और कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि कुछ भारतीय लोग अपनी ही भाषाएं नहीं जानते। नागपुर में भागवत ने संत ज्ञानेश्वरी द्वारा मूल रूप से मराठी में लिखी पुस्तक श्री ज्ञानेश्वरी के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन कार्यक्रम में समाज से भाषाई विरासत के लुप्त होने पर आत्मचिंतन करने की अपील की।

घर में भारतीय भाषाएं बोलने में हिचकिचाहट से बिगड़ रहे हालात

एक समय था जब सारा संचार, संवाद, रोज का काम संस्कृत में होता था। अब कुछ अमेरिकी प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज कई बच्चे कुछ बहुत ही सरल और बुनियादी शब्द भी नहीं जानते और अक्सर घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी मिश्रित भाषा बोलते हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कुछ भारतीय लोग अपनी ही भाषाएं नहीं जानते हैं।

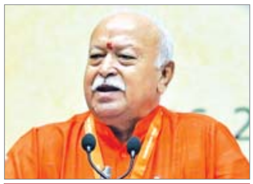

आस्था के बिना ज्ञान रावण जैसा

भागवत ने कहा कि इस बात पर बहस होती है कि भगवद गीता ज्ञान पर जोर देती है या कर्म पर, लेकिन इसमें इसके समग्र दृष्टिकोण को नजरअंदाज किया जाता है। जैसे कोई पक्षी बिना पंखों के उड़ नहीं सकता, वैसे ही हमें दो पंखों की जरूरत है - ज्ञान और कर्म - और यह पक्षी आपकी आस्था है। आस्था के बिना ज्ञान रावण जैसा है। भगवद गीता में दुनिया के भूत, वर्तमान और भविष्य का सच, ज्ञान और सारांश है।

सोनिया-राहुल पर नई एफआईआर

नेशनल हेराल्ड मामला

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई एजेंसी की धन शोधन जांच का हिस्सा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने तीन अक्टूबर को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सात अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। पुलिस ने प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 120बी, धारा 403, धारा 406 और धारा 420 के तहत आरोप लगाए हैं, जिसमें गांधी परिवार, कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा के अलावा यंग इंडियन (वाईआई) और डोटेक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठानों, डोटेक्स के प्रवर्तक सुनील भंडारी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और अन्य अज्ञात लोगों के नाम शामिल हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

विपक्ष ने उठाई एसआईआर पर चर्चा की मांग

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग उठाई और इस बात का संकेत दिया कि यदि सरकार उनकी मांग पर सहमत नहीं हुई तो दोनों सदनों में गतिरोध की स्थिति बन सकती है। हालांकि, सरकार ने कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने चुटीले अंदाज में यह भी कहा कि यह शीतकालीन सत्र है और इसमें सबको ठंडे दिमाग से काम करना चाहिए।

सरकार ने संसद अच्छी तरह चलाने पर दिया जोर

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक में एसआईआर के साथ ही दिल्ली विस्फोट की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही, उन्होंने वायु प्रदूषण, विदेश नीति, किसानों की स्थिति, महंगाई, बेरोजगारी और कुछ अन्य विषयों पर सत्र के दौरान चर्चा कराने का आग्रह किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक महज एक औपचारिकता थी।

सर्वदलीय बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने संवाददाताओं से कहा, ऐसा लगता है कि भाजपा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नीत सरकार लोकतंत्र, संसदीय परंपरा और मयार्दा को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार खुद संसद को डिरेल करने की कोशिश कर रही है। हमने कहा है कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है। दिल्ली में विस्फोट कानून व्यवस्था और गृह मंत्रालय की विफलता का सबूत है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सरकार इस पर किसी अल्पकालिक चर्चा के लिए तैयार है। सरकार के समक्ष वायु प्रदूषण, विदेश नीति, किसानों की स्थिति और प्राकृतिक आपदा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की मांग की गई है। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यदि सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार नहीं होती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह संसद नहीं चलने देना चाहती। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि यदि एसआईआर पर चर्चा नहीं कराई गई तो संसद में गतिरोध होगा।

रीजीजू ने बैठक को बताया सकारात्मक

किरेन रीजीजू ने सर्वदलीय बैठक को सकारात्मक करार देते हुए कहा, बैठक में जो भी सुझाव आए हैं, उनको विचार के बाद बीएसी में रखा जाएगा। कुल मिलाकर 36 दलों के 50 नेता शामिल हुए। सरकार की तरफ से आश्वासन देता हूं कि संसद का शीतकालीन सत्र अच्छी तरह से चलाने के लिए विपक्ष के साथ बातचीत करते रहेंगे। विपक्ष नेताओं से अनुरोध है कि संसद को अच्छी तरह से चलाने में सहयोग करें। रीजीजू का कहना था, लोकतंत्र, विशेष रूप से संसदीय लोकतंत्र में गतिरोध होतो है, राजनीतिक दलों में मतभेद होते हैं। इसके बावजूद हम सब तय करें कि सदन में गतिरोध पैदा नहीं करना है और अपनी बात रखकर विरोध दर्ज कराना है, तो सदन चलेगा। उन्होंने एसआईआर के मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर कहा, विपक्षी दलों में कई नेता है जो संसद चलाना और मुद्दे उठाना चाहते हैं।

दंतेवाड़ा में 37 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी। दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 27 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने यह जानकारी दी। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव राय ने बताया कि 12 महिलाओं समेत इन नक्सलियों ने पूना मारगेम (पुनर्वास से सामाजिक एकीकरण तक) पहल के तहत पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि बस्तर रेंज के पुलिस द्वारा शुरू की गई यह पहल बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए एक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में उभर रही है।

इसमें 27 नक्सलियों पर था 65 लाख रुपये का इनाम

आत्मसमर्पण करने वालों में कुमाली उर्फ अनीता मंडावी, गीता उर्फ लक्ष्मी मड़कम, रंजन उर्फ सोमा मंडावी और भीमा उर्फ जहाज कलमू शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि इन सभी पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50,000 रुपये की तत्काल सहायता के साथ-साथ कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि समेत अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

वजीरपुर में आयोजित रसोई गैस वितरण समारोह में बोलीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

ढाई लाख परिवारों को मिली धुएं से मुक्त रसोई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वजीरपुर क्षेत्र में आयोजित रसोई गैस वितरण समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को रसोई गैस कनेक्शन वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए केवल सुविधा नहीं बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का आधार है, जिसने महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित भविष्य को सशक्त बनाया है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना ने दिल्ली के लगभग ढाई लाख परिवारों को प्रदूषण-मुक्त रसोई का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल ईंधन का नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन स्तर, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परंपरागत रूप से लकड़ी, कोयला और उपलों पर आधारित चूल्हों के स्थान पर रसोई गैस अपनाने से घर-घर में स्वच्छ और सुरक्षित रसोई का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि घरों में लकड़ी और कोयले के दहन से होने वाले प्रदूषण को समाप्त करने के लिए सरकार तेजी से रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रही है, ताकि राजधानी को स्वच्छ वायु और प्रदूषण-मुक्त भविष्य प्रदान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार केवल रसोई गैस कनेक्शन ही नहीं दे रही, बल्कि राजधानी के सुरक्षाकर्मियों को शीत ऋतु में ईंधन के दहन को रोकने हेतु विद्युत-हीटर उपलब्ध करा रही है। इसके अतिरिक्त कपड़े प्रेस करने में प्रयुक्त कोयला-आधारित उपकरणों के स्थान पर गैस अथवा बिजली-आधारित सुरक्षित उपकरणों को अपनाने के लिए जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को समाप्त किया जा सके। वजीरपुर क्षेत्र के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित रहीं। कई लाभार्थी महिलाओं ने बताया कि उज्ज्वला योजना ने उनकी दैनिक दिनचर्या को आसान बनाया है, साथ ही रसोई में लगने वाला समय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में भी उल्लेखनीय कमी आई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंत में कहा कि उज्ज्वला योजना समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने का माध्यम है और दिल्ली सरकार इस दिशा में पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करती रहेगी।

> घरों में लकड़ी और कोयले के दहन से होने वाले प्रदूषण को समाप्त करने के लिए सरकार तेजी से रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रही है, ताकि राजधानी को स्वच्छ वायु और प्रदूषण-मुक्त भविष्य प्रदान किया जा सके।
> **रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री**

रेड लाइन कॉरिडोर के नीचे मेट्रो सुरंग का काम पूरा

नई दिल्ली। पुल बंगश के पास वर्तमान रेड लाइन (रिठाला-शहीद स्थल नया बस अड्डा गाजियाबाद) के एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर के पिलर के नीचे मेट्रो सुरंग का निर्माण पूरा हो गया है। यह भूमिगत कॉरिडोर फेज चार के जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर का हिस्सा होगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि रेड लाइन पर मेट्रो का परिचालन एक दिन भी बंद किए बगैर फेज चार के भूमिगत कॉरिडोर के लिए पुल बंगश से सदर बाजार तक सुरंग का निर्माण पूरा किया गया। डीएमआरसी का कहना है कि यह काम बेहद कठिन था। इसके निर्माण के दौरान रेड लाइन पर एक भी दिन मेट्रो का परिचालन नहीं रुका। एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) से बेहद सतर्कता के साथ मेट्रो की सुरंग का निर्माण किया गया। इस जगह पर रेड लाइन के एलिवेटेड वायाडक्ट के पिलरों की नींव है। ऐसे में पिलर के नीचे सुरंग बनाने के लिए टीवीएम से खुदाई पर मेट्रो का पिलर में कंपन होने का खतरा था। ऐसे में तीस हजारी से बुल बंगश के बीच रेड लाइन के एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रभावित होने का डर था।

एएमआर नैक्स्ट 2025 सम्मेलन में विशेषज्ञों ने नशे से निपटने का किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अमृता हॉस्पिटल में ए.एम.आर नैक्स्ट 2025 दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य भारत में बढ़ते एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (ए.एम.आर) के खतरे से निपटने की रणनीतियाँ तैयार करना है। इस सम्मेलन में ग्लोबल हेल्थ लीडर्स, नीति निमार्ता, वैज्ञानिक और इनोवेटर्स ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में वन हेल्थ फ्रेमवर्क के तहत मानव, जीव-जंतुओं और पर्यावरण के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समाधान पर चर्चा हुई।

आईसीएमआर के आंकड़ों के अनुसार, भारत में ई.कोली, क्लेबसियेला, स्टेफीलोकोकस ऑरियस और एसिनेटोबैक्टर बॉमानी जैसे बैक्टीरिया में चिंताजनक रेजिस्टेंस देखने को मिला है। विशेषज्ञों ने ए.एम.आर बढ़ने के कारणों में अत्यधिक और अनुचित एंटीबायोटिक उपयोग, ओटीसी उपलब्धता, अपर्याप्त डायग्नोस्टिक निगरानी और पर्यावरण प्रदूषण को बताया। यदि यह बढ़ता रहा, तो मरीजों की हॉस्पिटल में रुकावट, इलाज की लागत और उत्पादकता पर भारी असर पड़ेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारत में ए.एम.आर से निपटने के लिए नेशनल एक्शन प्लान लागू किया गया है और लैब नेटवर्क को मजबूत किया गया है। डॉ. संजीव सिंह ने चेताया कि अकेले कोई देश इस चुनौती से नहीं निपट सकता। सम्मेलन में प्रोफेसर एलिसन होम्स और डेविड प्राइस ने वैश्विक सहयोग और इनोवेटिव रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य सत्रों में डायग्नोस्टिक, एंटीमाइक्रोबियल सुपरविजन, नई थेरेपी, पर्यावरणीय पहलुओं और नीति तालमेल पर चर्चा हुई।

> भारत में ए.एम.आर से निपटने के लिए नेशनल एक्शन प्लान लागू किया गया है और लैब नेटवर्क को मजबूत किया गया है।
> **अनुप्रिया पटेल**
> केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य

मन की बात स्वयं का प्रचार है, आमजन को सरोकार नहीं: सुखबीर तंवर

- अब जनता की बात नहीं रह गई है मन की बात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर ने कहा कि यह विफल कवायद है। जनता का भाजपा से मोह भंग है। आमजनता इन कार्यक्रमों से दूरी बना रही है।

भाजपा द्वारा फर्रुखनगर खंड के प्रमुख केंद्र स्थल बिरहेड़ा मोड़ पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी के बावजूद स्थानीय जनता की अनुपस्थिति पर सुखबीर तंवर ने कहा कि इससे साफ संदेश है कि जनता अब भाजपा के खोखले भाषणों और प्रचार-प्रसार की राजनीति से पूरी तरह ऊब चुकी है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद, भाजपा की केंद्रीय संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य सुधा यादव स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। इसके बावजूद स्थानीय कार्यकताओं, पन्ना प्रमुखों और बूथ स्तर की टीमों का कार्यक्रम से दूर रहना भाजपा संगठनात्मक नेटवर्क के बिखराव और आंतरिक असंतोष को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि जब शीर्ष नेता भी जनता को आकर्षित न कर पाये तो यह स्पष्ट प्रमाण है कि भाजपा का जनसमर्थन अब ढह चुका है। मन की बात अब जनता की बात नहीं रह गई है। जनता साफ महसूस कर रही है कि यह कार्यक्रम सिर्फ एकतरफा प्रचार का माध्यम बन गया है। लोगों की वास्तविक समस्याओं महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली पर कोई चर्चा नहीं होती। क्षेत्र में सडकों की खस्ता हालत से जनता आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में बात करने से देश की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसमें भाजपा की सरकार विफल हो चुकी है।

दिल्ली पुलिस ने नवीन खाती गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जमीन हड़पने के मामले में वांछित नवीन खाती गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी वरुण भारद्वाज उर्फ मन्नू पंडित (39) डाबरी थाने में दर्ज जमीन हड़पने के बड़े मामले में वांछित था और उसके खिलाफ दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि तिलक विहार में सीआरपीएफ स्कूल के निकट आरोपी को रोका।

उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान उसके पास से देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने कहा कि 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई कर चुका भारद्वाज हत्या के मामले में सात साल जेल में रह चुका है और 2021 में रिहाई के बाद वह फिर से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो गया।

गीता जयंती महोत्सव में संस्कृति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में नगर निगम मेयर प्रवीण जोशी ने रविवार को सेक्टर-12 कन्वेंशन सेंटर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव युवा पीढ़ी को संस्कृति, अध्यात्म और ज्ञान परंपरा से जोड़ता है। मुख्य अतिथि ने सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई श्रीमद्भगवद गीता पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें गीता के अठारह अध्यायों का सार, महाभारत के प्रमुख प्रसंग, भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश और आधुनिक जीवन में गीता के संदेश को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया।

मेयर ने कहा कि हमारा अधिकार केवल कर्म पर है, फल परमात्मा के हाथ में है। उन्होंने बच्चों को गीता, रामायण और भारतीय दर्शन से परिचित कराना आवश्यक बताया। उन्होंने 'अहम् ब्रह्मास्मिइ और 'तत्त्वमसिइ जैसे सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हम सभी में ईश्वर का अंश देखते हैं, तो जीवन में द्वेष, क्रोध और अहंकार की गुंजाइश नहीं रहती। बड़खल एसडीएम त्रिलोक चंद ने कुरुक्षेत्र के धार्मिक महत्व और गीता के ज्ञान को समझने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने महोत्सव को और जीवंत बना दिया। राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एनआईटी-5 की छात्राओं ने द्रोपदी चीरहरण का प्रभावशाली मंचन किया, जबकि गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एकलव्य-द्रोणाचार्य प्रसंग का दमदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा, राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-55 की छात्राओं ने श्रीकृष्ण लीला पर आधारित मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया। मेयर ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों को बधाई दी और जनकल्याणकारी स्टॉलों का निरीक्षण कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर मनोनीत पार्षद जसवंत सैनी, नगर निगम सचिव, जिला शिक्षा अधिकारी, डीआईपीआरओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

एमसीडी उपचुनाव: चांदनी महल वार्ड में त्रिकोणीय मुकाबला

- स्थानीय मुद्दों पर टिका चुनाव
- स्कूल, अस्पताल और सफाई के नाम पर मतदाताओं ने किया वोट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चांदनी महल वार्ड में रविवार को हुए एमसीडी उप-चुनाव में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। वार्ड से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार मुद्दसिर उस्मान कुरैशी, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सुनील शर्मा और कांग्रेस के कुंवर शहजाद अहमद मैदान में उतरे। शेर चुनाव चिह्न के साथ निर्दलीय उम्मीदवार इमरान चौधरी भी मैदान में हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इमरान चौधरी इस आप और कांग्रेस के साथ त्रिकोणीय मुकाबले के अहम किरदार साबित होंगे। चुनाव में हार जीत का अंतर भी बहुत अधिक न होने की संभावना लोगों ने जताई। यहां पर हर बूथ पर लोगों की लंबी कतारें 11 बजे के बाद से देखी गई। इस इलाके हर वार्ड में सफल मतदान हुआ। यहां पर सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम थे। हर मतदान केंद्र पर मोबाइल रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। स्थानीय निवासी हनीफ ने बताया कि इससे काफी सहूलियत हो गई। विधानसभा चुनाव में मोबाइल रखने की कोई व्यवस्था नहीं थी। यहां बातचीत में मतदाताओं ने गंदगी,बरसात में जलभराव, टूटे रास्ते, स्ट्रीट लाइटों की खराबी और अनियमित सफाई जैसी स्थानीय समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बताया।

चित्रकला प्रतियोगिता में 8067 छात्रों ने भाग लेकर दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

समाजसेवी संस्था मिशन जागृति द्वारा आयोजित आठवीं वार्षिक चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कार्यालय, ओपन एयर थिएटर रोड पर संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में लगभग 8067 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर निगम फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ न केवल कला के प्रति रुचि बढ़ाती हैं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर सकारात्मक सोच को विकसित करने में भी मदद करती हैं। विशिष्ट अतिथि, फरीदाबाद महानगर भाजपा के जिला महामंत्री श्री कवींद्र चौधरी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत विषयों जैसे जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत और डिजिटल इंडिया पर आधारित चित्रों की सराहना की। संस्था के संस्थापक प्रवेश मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षा समूहों के लिए निर्धारित विषयों पर बच्चों ने उत्कृष्ट कलाकृतियां बनाई। ग्रुप-ए से ग्रुप-एफ तक विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अपने विषयों पर संदेशात्मक चित्र प्रस्तुत किए, जबकि ग्रुप-जी में ओपन विषय सतत भविष्य-हरित ऊर्जा भारत पर रचनात्मक प्रयास किए गए। प्रतियोगिता के परिणाम 21 दिसंबर 2025 को घोषित किए जाएंगे, जिसमें स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन, जिला पुलिस, नगर निगम, अस्पताल, सेवा संस्थाएं और मिशन जागृति की टीमों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंच संचालन युवा प्रवक्ता हिमांशु भट्ट भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम ने बच्चों में सामाजिक जागरूकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ फरीदाबाद में कला और संस्कृति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित की।

डिफाइनेज को मिला नया निवेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नवीन ट्रेडिंग टूल्स और इन्वेस्टर-एजुकेशन इकोसिस्टम के लिए मशहूर पुणे स्थित फिनटेक और ब्रोकरेज कंपनी डिफाइनेज सिक्योरिटीज ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (डिफाइनेज) ने अपनी पहली संस्थागत फंडिंग का पड़ाव सफलतापूर्वक पार कर लिया है। इस निवेश का नेतृत्व उद्योग के दिग्गजों और एंजेल निवेशकों के एक प्रतिष्ठित समूह ने किया, जिनमें हेमंत लूथरा, अजय श्रीवास्तव, डी. प्रसाद, नितिन अग्रवाल और मधुसूदन एन. सरडा (अन्य लोगों के साथ) शामिल हैं। हालांकि, निवेश की राशि सार्वजनिक नहीं की गई है, फिर भी निवेशकों की प्रतिष्ठा कंपनी के नेतृत्व, दृष्टिकोण और भविष्य की योजना पर गहरा भरोसा दशार्ती है। प्रशांत शाह और राजेश बड़िये द्वारा स्थापित कंपनी डिफाइनेज की शुरूआत एक शोध-आधारित निवेश शिक्षा मंच के रूप में शुरू हुई थी, जिसके बाद यह पूर्ण-सेवा ब्रोकिंग में विस्तारित हुई। कंपनी ने मजबूत एनालिटिकल टूल्स और सरल, व्यावहारिक शिक्षा के जरिए ट्रेडर्स और निवेशकों का भरोसा जीता है। इसके प्रमुख प्रोडक्ट ऑप्स्ट्रा (फ्लैगशिप ऑप्शंस एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म) और सालाना ट्रेडिंग-इन्वेस्टिंग सम्मेलन काफी लोकप्रिय हैं। आज डिफाइनेज तकनीकी विश्लेषण, फंडामेंटल एनालिसिस, ऑप्शंस स्ट्रेटेजी, म्यूचुअल फंड्स, मोमेंटम इन्वेस्टिंग और एल्गो-ट्रेडिंग जैसे क्षेत्रों में एकीकृत इन-हाउस टूल्स का पूरा सेट प्रदान करता है।

मन की बात कार्यक्रम में बार-बार हरियाणा की बात करते हैं पीएम: सुंदर लाल यादव

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य की धरोहरों की बात करना सम्मान की बात : सरपंच

- अयोध्या धर्मध्वजा आरोहण, हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन की मिली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 128वें एपिसोड को भाजपा के वरिष्ठ नेता सरपंच सुंदर लाल यादव ने निज कार्यालय बूथ नंबर-137 पर साथियों व कार्यकर्ताओं के साथ सुना। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री बार-बार हरियाणा की भी बात करते हैं, जो हमारे लिए सम्मान की बात है।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने बताया कि मन की बात-128वां एपिसोड-7 कुरुक्षेत्र का गौरव इस कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र (हरियाणा) का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इसी महीने ज्योतिसर कुरुक्षेत्र में बने नए भव्य पंचजन्य मेमोरियल का लोकार्पण किया गया है। यह स्मारक महाभारत-अनुभव केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरोहर को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम, वंदेमातरम के 150 वर्ष होने पर पूरे देश में होने वाले कायक्रमों, अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर धर्मध्वजा का आरोहण, हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ फेसिलिटी का उद्घाटन, भारतीय नौसेना की उपलब्धियों, कृषि क्षेत्र में देश की बड़ी उपलब्धियों, कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी, इसरो की अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता, चंद्रयान-3 की सफलता, रामबन सुलाई हनी को जीआई टैग, भारत के हनी प्रोडक्शन में नये रिकार्ड, हरियाणा के कुरूक्षेत्र में महाभारत अनुभव केन्द्र, यूरोप के लातविया में यादगार गीता महोत्सव, गुजरात के नवानगर के जाम साहब महाराजा दिग्विजय सिंह के महान कार्य, नेच्युरल फार्मिंग, दक्षिण भारत में नेच्युरल फार्मिंग, काशी तमिल संगम, आईएनएस माहे को भारतीय नौसेना में शामिल करना, नौसेना से जुड़े टूरिज्म, भारतीय महिला टीम की आईसीसी महिला विश्व कप में जीत, टोकियो में डीफ-ओलिंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, महिला खिलाडिड्रों की कबड्डी वर्ल्ड कप में जीत, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में भारतीय खिलाडियों का प्रदर्शन, महिला टीम की ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप में जीत, इन्ड्यूरेंस स्पोर्ट्स की नई खेल संस्कृति और फिट इंडिया संडेस ऑन साइकिल आदि का प्रमुखता से उल्लेख किया।

राजधानी की 35 सड़कों पर है सबसे ज्यादा धूल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की 35 सड़कों पर सबसे ज्यादा धूल मौजूद है। वाहनों की गति के साथ यह धूल उड़ती है और दिल्ली में प्रदूषण स्तर को बढ़ा देती है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा गठित उड़नदस्ते ने 321 सड़कों के निरीक्षण के बाद इन धूल वाली सड़कों की अलग से पहचान की है। आयोग के मुताबिक इनमें से ज्यादा सड़कें दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आती हैं। दिल्ली में सड़कों पर उड़ने वाली धूल एक बड़ी समस्या है। सड़क के किनारे धूल की बड़ी मात्रा एकत्रित हो जाती है। सड़कों के बीच स्थित सेंट्रल वर्ज के पक्का या हरियाली भरा नहीं होने पर भी वहां से भी धूल उड़ती है। टूटे फुटपाथ और गड्ढेवाली सड़कों पर भी धूल जमा हो जाती है। यह धूल वाहनों के पहिए के साथ लिपटकर उड़ती है और पूरे वातावरण में भर जाती है। धूल प्रदूषण में कमी लाने के लिए हाल ही में आयोग ने ऑपरेशन क्लीन एयर की शुरूआत की थी। इस अभियान में आयोग द्वारा तैनात उड़नदस्तों ने कुल मिलाकर 321 सड़कों का निरीक्षण किया। इनमें से 35 सड़कें ऐसी पाई गई हैं, जहां पर धूल की अधिकता है। आयोग के मुताबिक एनडीएमसी और सीपीडब्लूडी द्वारा संचालित सड़कों का रखरखाव तुलनात्मक रूप से बेहतर पाया गया है। दिल्ली नगर निगम को अपनी सड़कों पर धूल नियंत्रण प्रयासों को प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है।

चलाया था निरीक्षण अभियान: आयोग के मुताबिक, धूल नियंत्रण के उपायों की जमीनी निगरानी के लिए 26 उड़नदस्तों ने 29 नवंबर को यह अभियान चलाया था। इसके अंतर्गत एमसीडी, एनडीएमसी और सीपीडब्लूडी द्वारा सड़कों की सफाई, झाड़ू लगाने और धूल नियंत्रण के उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। नगर निगम के अंतर्गत आने वाली कुल 182 सड़कों का निरीक्षण किया गया।

फैमिली कोर्ट जज को न्यायिक प्रशिक्षण के लिए भेजा

नई दिल्ली। न्यायिक प्रक्रिया में कानून की सही व्याख्या और अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक कड़ा और असामान्य कदम उठाया है। एक वैवाहिक विवाद में कानून का दुरुपयोग करने और स्पष्ट विधिक प्रावधानों की अनदेखी करने पर हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के एक न्यायाधीश को पुनः प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) के लिए भेजने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित न्यायाधीश को वैवाहिक मामलों की सुनवाई से पहले दिल्ली ज्यूडिशियल एकेडमी से उचित प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

सार्वजनिक सूचना
... 05.02.2018 ... +91012-04499711, ई-मेल accounts@lvnorth.in

कोर्ट नोटिस
... दिनांक 28.11.2025
... 215/2024 ...
(प्रतिवादी क्रमांक - 06)
-//0000//-
... 16.12.2025 ...
... दिनांक 28.11.2025 ...
SEAL

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 1 दिसंबर 2025

कार की टक्कर से एक की मौत, दो घायल

■ वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने मर्सिडीज ड्राइवर को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में एंबियंस मॉल के पास रविवार तड़के एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने कार ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने बताया कि रविवार तड़के करीब 2:30 बजे वसंत कुंज नॉर्थ थाने को रोड एक्सीडेंट के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस स्टाफ तुरंत घटनास्थल वसंत विहार में नेल्सन मंडेला मार्ग पर एंबियंस मॉल के सामने पहुंचा। पुलिस टीम को वहां हिमाचल नंबर एचपी 11डी 0060 की एक मर्सिडीज जी63 कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली। इसके साथ ही तीन लोग मौके पर घायल पड़े मिले। इनमें से दो लोगों की उम्र 23 साल और एक की उम्र 35 साल है। सभी एंबियंस मॉल के एक रेस्टोरेंट के कर्मचारी हैं। तीनों घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान उत्तराखंड के चमोली जिले के रहने वाले 23 साल के रोहित को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य का अब भी इलाज चल रहा है।

मर्सिडीज कार के ड्राइवर की पहचान दिल्ली के करोल बाग निवासी 29 वर्षीय शिवम के तौर पर हुई है। घटना के समय वह अपनी पत्नी और बड़े भाई के साथ गाड़ी चला रहा था। पुलिस शुरूआती जांच के मुताबिक, गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया, जिससे कार एक खंभे से टकरा गई, जहां तीनों पीड़ित एक ऑटो स्टैंड पर खड़े थे। बताया जा रहा है कि आरोपी एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था। कार अभिषेक की है, जो शिवम का दोस्त है। कानून के मुताबिक जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत, पांच गंभीर रूप से घायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी जिले के नरेला-बवाना रोड स्थित घोगा क्रॉसिंग के पास रविवार तड़के सड़क हादसे में एक 21 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तड़के करीब 5:14 बजे हुआ, जब कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। पुलिस के मुताबिक, एक राहगीर संजीव ने दुर्घटना की जानकारी दी। घायलों को तुरंत सरोज अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान ज्योति (21) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान खरखौदा निवासी प्रशांत, नरेला निवासी अमित, एक महिला, एक छह साल बच्चा और अज्ञात महिला के रूप में हुई है। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

प्रदूषण के स्तर में आया मामूली सुधार

एक्यूआई खराब श्रेणी में दर्ज, असुरक्षित बनी हुई है हवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में रविवार को धुंध और प्रदूषण का माहौल रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 6 बजे शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 270 तक पहुंच गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी खराब श्रेणी में आ गई। हालांकि यह पिछले कई दिनों में देखी गई बहुत खराब और गंभीर स्थितियों से थोड़ा बेहतर है, लेकिन हवा लंबे समय तक बाहर रहने के लिए असुरक्षित बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को सतह पर हवा की बेहतर चाल ने जमा हुए कुछ प्रदूषकों को फैलाने में मदद की, जिससे कुल एक्यूआई कम हो गया।

हालांकि, इस मामूली राहत से कई इलाकों की जमीनी हकीकत में ज्यादा बदलाव नहीं आया, जहां हवा की क्वालिटी बहुत खराब सीमा के करीब बनी रही। शहर के कई इलाकों में शहर के औसत से काफी ज्यादा प्रदूषण का स्तर दर्ज किया गया। शादीपुर सुबह 336 के एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित जगह रही, इसके बाद आरके पुरम 308 पर रहा, दोनों ही बहुत खराब कैटेगरी में आते हैं।

ये रीडिंग बताती हैं कि स्वस्थ लोगों में भी सांस लेने में तकलीफ होने की संभावना ज्यादा है। दूसरे जाने-माने हॉटस्पॉट जैसे बुराड़ी (283), बवाना (295), सिरीफोर्ट (295), वजीरपुर (282), चांदनी चौक (281), आनंद विहार (281), नरेला (279), पंजाबी बाग (266) और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम (269) भी खराब बैंड में ही रहे, जिससे राजधानी में बहुत ज्यादा प्रदूषण दिखा। कुछ इलाकों का हाल तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा। मंदिर मार्ग, जिसका एक्यूआई 157 था, मॉडरेट कैटेगरी में अकेला इलाका रहा।

वहीं, आया नगर (225), इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (227), एनएसआईटी द्वारका (228), लोधी रोड (251), अलीपुर (247), नजफगढ़ (242) और नॉर्थ कैंपस (240) खराब रेंज में रहे। एनसीआर में, गुरुग्राम का एक्यूआई 233 और नोएडा का 267 रहा, दोनों को खराब कैटेगरी में रखा गया। फरीदाबाद में 178 दर्ज किया गया, जो इसे मॉडरेट सेगमेंट में रखता है, जबकि गाजियाबाद में 262 का खराब एक्यूआई रिपोर्ट किया गया। भारत के नेशनल एक्यूआई स्केल के अनुसार, 201 और 300 के बीच के लेवल को खराब माना जाता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है, खासकर लंबे समय तक मेहनत करने पर।

प्रदूषण को लेकर जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर- के राष्ट्रीय राजधानी में खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है और विशेष रूप से सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर बहुत खराब, गंभीर और खतरनाक श्रेणियों में पहुंच जाता है। इसमें कहा गया है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पहले से बीमार लोगों सहित निवासियों में लगातार गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। यह याचिका ग्रेटर कैलाश-2 वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। इसमें अदालत से शहर के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक, दोनों तरह के प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय करने का आदेश देने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है कि वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट के बावजूद प्राधिकारी वस्तुतः निष्क्रिय बने हुए हैं, तथा उन्होंने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के उपाय तभी लागू किये गए जब एक्यूआई अपने गंभीर स्तर को पार कर गया। इसमें आरोप लगाया गया कि सरकार ने वास्तविक कार्यान्वयन सुनिश्चित किए बिना केवल कागज पर उपाय निर्धारित करने तक खुद को सीमित रखा है।

आईएसआई से जुड़े तीन आतंकी गिरफ्तार, पाकिस्तान से जुड़े तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक खतरनाक टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पाकिस्तान में बैठे कुख्यात गैंगस्टर-शहजाद भट्टी के सीधे संपर्क में थे। सभी गिरफ्तार आरोपी उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि आतंकी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों में बड़े आतंकी हमले की फिराक में थे। इनके निशाने पर खास तौर पर दिल्ली में बड़े धार्मिक स्थल, भीड़भाड़ वाले बाजार और वीआईपी इलाके थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है और आगे की जांच जारी है। इससे पहले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी का नाम हाल ही में अनमोल बिश्नोई मामले में सामने आया था। दरअसल, अनमोल बिश्नोई ने भट्टी से खुद को जान का खतरा बताया था और सरकार से सुरक्षा की मांग की थी। शनिवार को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने एनआईए कोर्ट में शहजाद भट्टी से खुद की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा मांगी। अनमोल ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर बताया कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से उसकी जान को बड़ा खतरा है। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में अनमोल और उसके परिवार को खुलेआम हत्या की धमकी दी गई थी। अनमोल की ओर से कहा गया कि यह पहली बार नहीं है जब इस गैंगस्टर ने ऐसी धमकी दी हो। मार्च 2025 में भी जालंधर में एक यूट्यूबर के घर ग्रेनेड हमला इसी गैंगस्टर की वीडियो धमकियों के बाद हुआ था। धमकी देने वाले गैंगस्टर ने उस हमले की जिम्मेदारी भी ली थी, इसलिए यह खतरा मजाक नहीं, बल्कि असली और गंभीर माना जा रहा है।

लाहौरी गेट में नकली सिगरेट का बड़ा भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ 3.50 लाख से अधिक सिगरेट स्टिक बरामद, दो गिरफ्तार

■ पुलिस ने कुचा शिव मंदिर, नया बांस स्थित दो घरों में पर छापा मारा

उत्तरी जिले के लाहौरी गेट इलाके में जिले की डीआईयू टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ठिकानों से करीब 3.50 लाख नकली सिगरेट स्टिक बरामद की हैं। पुलिस टीम ने इस संबंध में दो आरोपित रामजीत उर्फ विजय और अंकित को मौके से ही गिरफ्तार किया। यह लोग नामी ब्रांड–गोल्ड फ्लेक, मार्लबोरो, मैनचेस्टर, बेंसन एंड हेजेस, फोर स्क्वॉयर, कैवेंडर्स और अमेरिकन टोबैको की नकली सिगरेट को असली बताकर बेच रहे थे। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने रविवार सुबह बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसआई देवेंद्र अंटिल और एसआई प्रभास कुमार की टीम ने कई दिनों तक सादी वर्दी में रेकी कर पुख्ता जानकारी जुटाई। खुफिया जानकारी की पुष्टि के बाद पुलिस ने कुचा शिव मंदिर, नया बांस स्थित दो घरों में पर छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध स्टॉक जब्त किया। पुलिस ने मौके से 10 से अधिक बोरियों में पैक हजारों स्टिक बरामद कीं। जिनमें गोल्ड फ्लेक की 24,800, मार्लबोरो की 1,02,000 और मैनचेस्टर यू.के. की 70,000 स्टिक शामिल हैं। छापेमारी के दौरान फोर स्क्वॉयर, बेंसन एंड हेजेस, कैवेंडर्स, ऐसा लाइट, पेरिस, विन, मोंड एप्पल, डीजे रम ब्लैक, पाइन और गोदाम ग्राम जैसी ब्रांडिंग वाले नकली पैकेट भी पुलिस को मिले।

मानसरोवर पार्क थाने के पास नाबालिग की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ मृतक की पहचान साहिल (17) के रूप में हुई

दिल्ली में शाहदरा के मानसरोवर पार्क थाने के पास स्थित समुदाय भवन के बाहर शनिवार रात एक नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात एक शादी समारोह से जुड़ी हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान साहिल (17) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार साहिल शादी समारोह में या तो खाना खाने पहुंचा था या फिर घुड़चढ़ी के दौरान रुपए लूटने की नीयत से पहुंचा था, लेकिन उसी दौरान उसे गोली मार दी गई। फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने साहिल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने साहिल को मृत घोषित कर दिया। शव को गुरु तेग बहादुर अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। पुलिस ने इलाके के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। घटना की हर एंगल से गहनता से जांच की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने पत्रकारों को बताया, गोली लगने की सूचना पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची। नाबालिग को गोली मारी गई है, जिसकी उम्र 17 साल है। लड़के की मौत हो गई। गोली मारने की वजहों की अभी पूरी जानकारी नहीं मिली है। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक शादी समारोह में कुछ लोग आए हुए थे, जिनका लड़के के साथ कुछ झगड़ा हुआ। इस दौरान ही लड़के को गोली मारी गई है।

चाकू मारने के आरोप में पुलिस ने चार को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर इलाके में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के आरोप में 18 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 27 नवंबर को हुई, जब चार हमलावरों ने व्यक्तिगत विवाद के बाद पीड़ित पर हमला किया। उन्होंने बताया कि घायल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी पीठ के निचले हिस्से और हाथ पर चाकू के घाव पाए। उन्होंने बताया कि पीड़ित के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के एक दल ने शनिवार रात मुख्य आरोपी सनी उर्फ तनिश को गिरफ्तार कर लिया और हमले में शामिल तीन किशोरों को भी पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस के मुताबिक, यह हमला पीड़ित और आरोपी समूह के बीच आपसी विवाद व पुरानी रंजिश के चलते हुआ है।

दिल्ली पुलिस ने 350 से अधिक अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 350 से अधिक अधिकारियों को विभिन्न राष्ट्रीय और आंतरिक तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में शनिवार को आयोजित यह सत्र पुलिस प्रमुख सतीश गोलचा की देखरेख में आयोजित किया गया। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुलिस बल की विभिन्न इकाइयों से कुल 310 निरीक्षकों और 41 सहायक पुलिस आयुक्तों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य पुलिस बल की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना है, ताकि अधिकारियों को जांच, निगरानी और डेटा-संचालित कार्यों के लिए उन्नत तकनीक के उपयोग में व्यावहारिक कौशल से लैस किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान, अधिकारियों को अपराध कुंडली, अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस), राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर), राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (एनएटीग्रिड), मानस पोर्टल और कई अन्य तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जटिल, अंतर-राज्यीय और साइबर-अपराधों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग आवश्यक होता जा रहा है।

आली विहार में पीठ में चाकू घोंपने वाला शातिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आली विहार के कुख्यात अपराधी विजय शर्मा उर्फ बॉबी पंडित (23) को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। बॉबी पिछले दो महीने से फरार था। उस पर 28-29 सितंबर 2025 की रात सरिता विहार थाना क्षेत्र के आली विहार में रामलीला देखकर लौट रहे युवक आदित्य सिंह की पीठ में चाकू घोंपने का आरोप है। घटना उस वक्त हुई जब रामलीला मंचन के दौरान स्टेज पर झगड़ा हो गया था।

बाद में आदित्य घर लौट रहा था तभी बॉबी ने शक के आधार पर पीछे से आकर उसकी पीठ के निचले हिस्से में चाकू मारा। गंभीर रूप से घायल आदित्य का इलाज हुआ और सरिता विहार थाने में एफआईआर नंबर 719/2025 धारा 126(2)/118(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। हमला करने के तुरंत बाद बॉबी फरार हो गया था। क्राइम ब्रांच की आरके पुरम यूनिट को जब यह केस सौंपा गया तो इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व में एसआई प्रमोद, अमित, हेमंत कुमार, मुकेश सिंह और अन्य अधिकारियों की टीम ने लगातार सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर 28 नवंबर को आली विहार में दबिश देकर उसे दबोच लिया। पूछताछ में बॉबी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

चौंकाने वाली बात यह है कि 23 साल का यह ग्रेजुएट युवक, जो एक सर्विस स्टेशन में नौकरी करता है, पहले से ही दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ लूट, चोरी और घर में घुसकर डकैती के कुल 11 मामले दर्ज हैं, जिनमें ज्यादातर सरिता विहार थाने के ही हैं। कुछ मामले तो इस साल के ही हैं। आरोपी की गिरफ्तारी पर डीसीपी क्राइम पंकज कुमार ने बताया कि क्राइम ब्रांच लगातार वांटेड और खतरनाक अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। बॉबी जैसे आदतन अपराधियों की गिरफ्तारी से इलाके में राहत की लहर है। पुलिस ने बताया कि बॉबी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाना बदलता था और मोबाइल भी बंद रखता था। फिलहाल उसे कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जा रहा है।

घर से बाहर गए थे लोग, वरना पूरा परिवार चढ़ जाता आग की भेंट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ अज्ञात शव जूते खरीदने/देखने के लिए दुकान में आए लोगों के थे

तिगड़ी एक्सटेंशन की शांत गली में शनिवार शाम चार मंजिला मकान के भूतल पर स्थित जूते की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में दुकान मालिक 38 वर्षीय सत्येंद्र उर्फ जिम्मी, 40 वर्षीय अनीता और दो अज्ञात खरीदारों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ममता बुरी तरह से झुलस गई है। वह अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। दुर्घटना के समय घर में मौजूद अधिकांश सदस्य किसी न किसी काम से बाहर गए हुए थे, वरना हादसा और ज्यादा भयानक हो सकता था।

मृतक सत्येंद्र की पत्नी प्रियंका बच्चों को ट्यूशन से लेने निकली थीं, जबकि उनकी मां मिथिलेस घर के बाहर बैठी थीं। भाई जितेंद्र किसी काम से मोहल्ले में निकला था। अनीता के दोनों बच्चे भी ट्यूशन गए हुए थे। इससे केवल दुकान में मौजूद तीन लोग और दूसरे तल पर मौजूद अनीता व ममता ही आग की चपेट में आईं। सत्येंद्र उर्फ जिम्मी पिछले 30 साल से तिगड़ी एक्सटेंशन में परिवार के साथ रह रहे थे। उनके परिवार में पत्नी प्रियंका, दो छोटे बच्चे, मां मिथिलेस और भाई जितेंद्र हैं। ये लोग प्रथम तल पर रहते हैं और भूतल पर इनकी दुकान है। दूसरे तल पर अनीता अपने दो बच्चों के साथ किराए पर रहती हैं। पारिवारिक विवाद के चलते उनका पति यहां नहीं रहता है। हादसे में उनकी बहन ममता गंभीर रूप से घायल हो गईं जो आगरा से घूमने आई थीं। पुलिस फिलहाल इमारत की संरचना, दुकान की सुरक्षा व्यवस्था और आग के फैलने के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। दो अज्ञात खरीदारों की पहचान भी बड़ी चुनौती है। अवैध पेट्रोल रखे होने की बात सिर्फ अफवाह मृतक सत्येंद्र के मौसा मनीष ने बताया कि अवैध पेट्रोल रखे होने की बात पूरी तरह से अफवाह है। आग की शुरूआत भूतल पर रखे पुराने रेफ्रिजरेटर में हुए शॉर्ट सर्किट से हुई। दुकान में बड़ी मात्रा में जूते, चमड़े और प्लास्टिक का सामान रखा था। आग लगते ही ज्वलनशील सामग्री ने लपटों को और भड़का दिया। कुछ ही मिनटों में धुआं ऊपर के तलों तक पहुंच गया। हादसे के वक्त दुकान में मौजूद सत्येंद्र दोनों ग्राहकों को जूते दिखा रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली कि तीनों अंदर ही फंस गए और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा। दूसरी ओर, दूसरे तल पर मौजूद अनीता की बहन ममता बाहर निकलने की कोशिश में गंभीर रूप से झुलस गईं।

रैपिडो ड्राइवर को चाकू की नोक पर लूटने वाला दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर -पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना क्षेत्र में शनिवार को डिलीवरी पर निकले एक रैपिडो ड्राइवर को चाकू की नोक पर रोककर लूटने की वारदात को पुलिस ने सुलझा लिया। जानकारी के मुताबिक गली नंबर 6, सुभाष पार्क में हुई इस घटना में बाइक सवार दो बदमाशों ने ड्राइवर को धमकाकर उसका मोबाइल फोन लूट लिया था।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने मौके से तकनीकी और स्थानीय सुराग जुटाए। जांच बढ़ने पर टीम ने एक आरोपी बाबू उर्फ इंतजार (33) को जनता मजदूर कॉलोनी से दबिश देकर गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने वारदात स्वीकारते हुए अपने साथी के बारे में भी जानकारी दी है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी पहले भी लूट, चोरी और झपटमारी के मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल, उसके फरार साथी की तलाश जारी है और टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एमसीडी उपचुनावः सीएम रेखा गुप्ता ने किया मतदान, सभी 12 सीटें जीतने का दावा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों में हो रहे उपचुनाव में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत भाजपा के कई नेताओं ने मतदान किया। वेस्ट दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत और द्वारका-बी वार्ड से भाजपा उम्मीदवार मनीषा राजपाल सहरावत ने पोलिंग बूथ पर जाकर अपना वोट डाला। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने पति मनीष गुप्ता और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ शालीमार बाग क्षेत्र में एक पोलिंग बूथ पर जाकर अपना वोट डाला।

शालीमार बाग से भाजपा उम्मीदवार अनीता जैन ने कहा, शालीमार बाग पारंपरिक रूप से पार्टी का गढ़ रहा है, इसलिए जीत पक्की है। हालांकि, हम जीत का अंतर बढ़ाना चाहते हैं। यहां ज्यादा दिक्कतें नहीं हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इलाके में बहुत काम कर रही हैं। सांसद कमलजीत सहरावत ने द्वारका-बी वार्ड इलाके में मतदान के बाद कहा, मैं दिल्ली के लोगों से अपील करती हूं कि वे अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें और ऐसे उम्मीदवारों को सपोर्ट करें जो लोकल मुद्दों को उठा सकें। साथ ही साथ, अपने इलाके और शहर के विकास में असरदार तरीके से योगदान दे सकें। मतदान के बीच भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने वेस्ट विनोद नगर इलाके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य सभी 12 सीटें जीतकर एक रिकॉर्ड बनाना है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, मैं विनोद नगर में हूं और पार्टी कार्यकर्ताओं का जोश देख सकता हूं। लोग भारतीय जनता पार्टी को अपना पूरा आशीर्वाद दे रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस उपचुनाव में भाजपा बेशक शानदार जीत दर्ज करेगी। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह जेल में रहने के बाद बाहर आई हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने उपचुनावों पर कहा, इस समय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास और विरासत का लगातार विकास हो रहा है। पूर्वी दिल्ली के लोग चाहते हैं कि सभी काम सही तरीके से हों। उन्होंने कहा, ईस्ट दिल्ली के विनोद नगर में उपचुनाव हो रहा है। सरला चौधरी हमारी उम्मीदवार हैं। जब मैं मेयर था, तो उन्होंने मेरे साथ मिलकर काम किया। वह बहुत काबिल, मेहनती और ईमानदार महिला हैं। वह हमेशा जनता की भलाई को ध्यान में रखती हैं। उनके पिछले व्यवहार और उनके काम को देखते हुए, मुझे लगता है कि विनोदनगर के लोगों ने उन्हें पूरे दिल से स्वीकार किया है। यह बहुत अच्छा चुनाव होने वाला है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सभी 12 सीटों पर जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चल रहे उपचुनावों में सभी सीटें जीत रही है, जो पार्टी और दिल्ली के लोगों दोनों के लिए बहुत जरूरी हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 1 दिसबंर 2025

संक्षिप्त खबरें

पीएम की मन की बात देश को एक सूत्र में बांधती है : गोल्डी अरोड़ा

फरीदाबाद। भाजपा जिला उपाध्यक्ष गोल्डी अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से देशवासियों में राष्ट्र सेवा का जज्बा और जागरूकता पैदा होती है। गोल्डी अरोड़ा ने बताया कि यह कार्यक्रम आम जनमानस से संवाद स्थापित करता है और छोटी-छोटी मगर महत्वपूर्ण बातों को प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है। गोल्डी अरोड़ा अपने सेक्टर 81 स्थित कार्यालय में प्रधानमंत्री द्वारा प्रसारित 128वें मन की बात कार्यक्रम को साथियों के साथ उत्साहपूर्वक सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के खिलाड़ी, सीमा पर तैनात जवान, किसान और युवा प्रेरित होते हैं। यह कार्यक्रम न केवल सरकार और जनता के बीच संवाद का पुल है, बल्कि समाज की प्रेरणादायक घटनाओं और व्यक्तियों को राष्ट्रीय मंच पर लाने का कार्य करता है। इस मौके पर मनीष बत्रा, विकास शर्मा, मनीष चौधरी, आशीष माटा, रोहित भाटिया, सागर दुआ, अशोक गेरा, दीपांकर आहुजा सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे और कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुनते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

देश की जनता की मन की बात समझते हैं पीएम मोदी: धर्मवीर भड़ाना

फरीदाबाद। भाजपा जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की जनता की आवश्यकताओं और भावनाओं को समझते हैं। धर्मवीर भड़ाना ने अपने दफ्तर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रवीण चौधरी के साथ 128वें एपिसोड को सुना। कार्यक्रम के बाद धर्मवीर भड़ाना ने बताया कि पीएम मोदी ने विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात कही, जो पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों की रोजी-रोटी सुनिश्चित करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि सर्दियों में पर्यटन बढ़ाने से लाखों लोगों का कामकाज चलता रहेगा और रोजगार सुरक्षित रहेगा। पीएम ने महिला खिलाड़ियों का भी उत्साह बढ़ाया, जिन्होंने हाल ही में विश्व कप जीता। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि इस एपिसोड में पीएम मोदी ने स्वदेशी अपनाने और 'देश में बना वही खरीदो, वही बेचोइ का संदेश दिया। उन्होंने व्यापारियों और आम जनता से अपील की कि वे देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दें, ताकि भारत जल्द ही पूर्ण रूप से विकसित देश बन सके। इस अवसर पर गजराज भड़ाना, $फज्जर, श्यामवीर भड़ाना, विनोद भड़ाना, सागर, सोनू और गौतम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सराय ख्वाजा छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुति

फरीदाबाद। हुड्डा कन्वेंशन सेंटर सेक्टर 12 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सराय ख्वाजा की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के निर्देशन में जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड की छात्राओं नीतू, चांदनी, वंदना, राखी, भूमि, विनीता और करिश्मा ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं ने श्रीमद्भागवतगीता के महत्व को गीत और नृत्य के माध्यम से दशार्ते हुए कर्म की प्रधानता और निस्वार्थ भाव से कर्म करते रहने का संदेश दिया। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि गीता का अध्ययन आदर्श जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है और समस्याओं के समाधान सुलभ कराता है। नृत्य की तैयारी शिक्षिका ज्योति ने करवाई। उन्होंने सभी शिक्षकों और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

अध्यापक पात्रता परीक्षा से छूट के लिए ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ और स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर को आरटीई अधिनियम 2009 में संशोधन हेतु ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान मुकेश गर्ग ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने सिविल अपील संख्या 1385/2025 के निर्णय (1 सितंबर 2025) में 23 अगस्त 2010 से पहले

नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है। इससे पहले एनसीटीई ने इस अवधि के शिक्षकों को पूरी छूट दी थी। नए निर्णय के अनुसार, अब सेवा अवधि 5 वर्ष से अधिक शेष शिक्षकों को निर्धारित समय में टीईटी उत्तीर्ण करना होगा, अन्यथा उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है या पदोन्नति से वंचित किया जा सकता है। संघ ने कहा कि नई योग्यता लागू करने से वरिष्ठ शिक्षकों में मानसिक पीड़ा, नौकरी छूटने का डर और कठिनाई उत्पन्न हो रही है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यदि आवश्यक हो तो सर्वोच्च न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की जाए। ज्ञापन जिला पलवल और फरीदाबाद में संयुक्त रूप से दिया गया। इस अवसर पर फरीदाबाद खंड प्रधान मायाराम नागर, खंड बल्लभगढ़ प्रधान उपकार फोगाट, संगठन सचिव युद्धवीर चाहर, सह सचिव विकास शर्मा, पलवल जिला प्रधान थान सिंह शर्मा, जिला सचिव हुकमचंद, खंड हथीन सचिव सुनील कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवत गीता जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शन : राव नरबीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

गीता जयंती महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को कार्यक्रम की शुरूआत शंखनाद एवं हवन के साथ की गई। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह द्वारा गीता जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि रहे। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग व जिला प्रशासन गुरुग्राम की संयुक्त भागीदारी के साथ आयोजित किए जा रहे गीता जयंती महोत्सव में सांस्कृतिक मंच का शुभारंभ गीता के श्लोक व मंत्रोचारण के साथ किया गया। इस दौरान उन्होंने भव्य शोभा यात्रा को भी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गीता महोत्सव के नोडल अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित कुमार तथा डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि राव नरबीर सिंह व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने गीता जयंती महोत्सव में लगाई गई स्टाल का अवलोकन करते हुए स्टाल संचालकों से उनकी स्टाल के बारे में जानकारी प्राप्त की। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गीता महोत्सव

के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवत गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि गीता के उपदेश हर युग में प्रासंगिक हैं और मनुष्य को धैर्य, संयम, कर्तव्यनिष्ठा तथा सत्कर्मों की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। राव नरबीर सिंह ने कहा कि जब जीवन में कोई चुनौती या भ्रम सामने आता है, तब गीता हमें स्पष्टता और साहस प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गीता का छोटा-सा सार भी व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा जगाकर हर संशय दूर कर देता है। राव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने राज्य में आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक वातावरण को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

समय रहते पहचान से बच रही जिंदगियां

कविता। फरीदाबाद

आधुनिकता के इस दौर में जहां लोग खुद को तकनीकी रूप से आगे बढ़ा हुआ बताते हैं, वहीं शादी से पहले कुंडली मिलान जैसे रूढ़िवादी चलन अभी भी आम हैं। लेकिन एचआईवी जैसी गंभीर बीमारी को लेकर जागरूकता की जरूरत आज भी उतनी ही है जितनी दो दशक पहले थी। सरकार और सामाजिक संगठनों द्वारा बार-बार समझाया जाता है कि कुंडली से ज्यादा जरूरी होने वाले दंपत्ति का एचआईवी टेस्ट है। फिर भी बड़ी संख्या में लोग इस गंभीर जांच को नजरअंदाज कर देते हैं।

जरूरी है जागरूकता

बीके अस्पताल की काउंसलर कविता और प्रीति बताती हैं कि लोग अब भी एचआईवी को लेकर झिझकते हैं, जबकि समय रहते पहचान और उपचार से सामान्य जीवन संभव है। उन्होंने कहा कि इस बार वर्ल्ड एड्स डे का संदेश है, टेस्ट कराएं, जागरूक बनें, दूसरों को भी बचाएं।

23 वर्षों में 6,000 पॉजिटिव : जिले के आईसीटीसी (इंटीग्रेटेड काउंसलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर) के पिछले 22 साल के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2002 से 2023 तक कुल लगभग 5,000 से अधिक एचआईवी पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। 2002 में सिर्फ 10 मरीज सामने आए थे। 2010 तक यह संख्या बढ़कर 186 वार्षिक मरीजों तक पहुंच गई। 2022 में यह आंकड़ा 634 तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक था। वहीं 2023 में 505 नए मरीज मिले। लगातार जांचों में वृद्धि से अब हर साल सैकड़ों लोग समय रहते पहचान लिए जाते हैं, जिसके कारण उपचार और रोकथाम दोनों आसान हो गए हैं। 2024 और 2025 में भी तेजी से जांच की गई। इसमें एचआईवी टेस्टिंग सेंटरों पर लोगों की संख्या लगातार बढ़ी। वर्ष 2024 में 64,434 लोगों की जांच हुई, जिसमें 315 पॉजिटिव केस पाए गए। 2025 में अब तक 48,469 जांचें हो चुकी हैं और 118 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। यह सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जागरूकता बढ़ने के साथ लोग टेस्ट कराने आगे आ रहे हैं, जिससे समय रहते बीमारी का पता लगाना संभव हो रहा है।

हजारों मरीज एआरटी पर रजिस्टर : जिला स्वास्थ्य अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ हरजिन्दर ने कहा कि फरीदाबाद के एआरटी (एंटी रेट्रो वायरल थैरेपी) सेंटर पर अब तक 3661 मरीज पंजीकृत हैं। सभी मरीजों को मुफ्त दवाइयां, नियमित काउंसलिंग और स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाती है। एचआईवी पॉजिटिव होने से न केवल स्वास्थ्य बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी दबाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा एचआईवी मरीजों को मासिक पेंशन देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में अब तक 668 मरीज पेंशन के पात्र घोषित किए जा चुके हैं।

अनदेखी का खामियाजा : काउंसलरों ने बताया कि कई दंपति एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। महिलाओं की गर्भावस्था जांच के दौरान उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के पूरे परिवार की जांच कराई जाती है। बाद में पतियों की जांच होती है, तो वह भी संक्रमित पाए जाते है। कई बार तो शादी के बाद इसका पता चलता है। ऐसे में यदि शादी से पहले जांच करा ली जाए, तो यह स्थिति टल सकती थी। यह घटनाएं समाज को फिर याद दिलाती है, शादी से पहले एचआईवी टेस्ट अनिवार्य है।

कादरपुर गांव के देवा पहलवान बनें जिला केसरी

गुरुग्राम। यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित जिला केसरी गेम्स की कुश्ती प्रतियोगिता में देवा पहलवान ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी पहलवानी के मैदान में चर्चे रहे। बेहतरीन कुश्ती दिखाते हुए उसने जीत हासिल की। जिला केसरी बनने पर उन्हें गदा भेंट करके सम्मानित किया गया।

कादरपुर गांव के रहने वाले बादशाहपुर रामअवतार अखाड़े के देवा पहलवान पुत्र श्रीपाल ने 92 किलो वर्ग में कुश्ती लड़ी। अपने प्रतिद्वंदी पहलवान पर वे शुरू से ही भारी रहे। उत्साहवर्धन के बीच देवा ने अपनी पहलवानी का मैदान में लोहा मनवाया। उन्होंने ग्रामीणों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए प्रतिद्वंदी पहलवान को चित्त करके मैदान और कुश्ती ही नहीं, बल्कि लोगों का दिल जीता।

डिजिटल अरेस्ट का मामला : गुजरात का रहने वाला वीजा कंसलटेंट गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में गुजरात के रहने वाले वीजा कंसलटेंट को गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने अपने भाई के माध्यम से साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराया था। उसी बैंक खाते के माध्यम से साइबर ठगों ने 39 लाख रुपये की साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार चार दिसंबर 2024 को एक महिला ने पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व गुरुग्राम में एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि उसके बेटे के पास एक व्हाट्सएप कर ऑडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके बेटे के आधार कार्ड का प्रयोग हवाला के काम में हुआ है। महिला ने ऐसा होने से इंकार किया तो फर्जी पुलिस अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराने का डर दिखाया। फिर उन्होंने एक सीबीआई अफसर से वीडियो कॉल

- आरोपी ने अपने भाई के माध्यम से बैंक खाता साइबर ठगों को दिया
- अपराधियों ने बैंक खाते से 39 लाख रुपये की ठगी

करके उनको डिजिटल अरेस्ट करने की बात कही। उनके नाम हवाला के केस शामिल होने का डर दिखाते हुए उनसे अलग-अलग बैंक खातों में दो करोड़ 92 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। इस शिकायत पर पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व में केस दर्ज किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध गुरुग्राम प्रियांशु दीवान के नेतृत्व में थाना साइबर अपराध पूर्व प्रबंधक की पुलिस टीम ने इस वारदात को अंजाम देने में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आशीषभाई रमनलाल राणा (36) निवासी तापी, गुजरात के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय से दो दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया गया। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि वह 2021 से दुबई में वीजा कंसलटेंट के रूप में काम करता है। माह मई-2025 में यह दुबई से भारत आया था। इस केस में ठगी गई राशि दो करोड़ 92 लाख रुपये उसके अन्य साथी आरोपियों द्वारा अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए थे। जिनमें से 39 लाख उसके (आरोपी आशीषभाई रमनलाल राणा) द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। यह बैंक खाता उसके भाई (मितेश भाई) ने उपलब्ध कराया था। इसने (आरोपी अशीषभाई रमनलाल राणा) वही बैंक खाता अपने आगे अपने साथी साइबर ठगों दिया। उसके भाई मितेश भाई खाता उपलब्ध कराने के बदले 12.80 लाख लिए थे।

गर्दन में तेजधार हथियार घुसाकर की हत्या, शव नाले में फेंका

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

यहां एक व्यक्ति की गर्दन में तेजधार हथियार घुसाकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को नाले में फेंक दिया। व्यक्ति के मुंह पर कपड़ा भी बांध दिया गया। नाले में शव की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। शव नाले में होने की वजह से काफी फूल गया था। खेडकी दौला थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण ने रविवार को बताया कि व्यक्ति की गर्दन पर तेजधार हथियार के निशान हैं।

नाले में हत्या करके फेंका गया शव जब फूलकर ऊपर की तरफ आया और उससे उठती दुर्गंध के कारण क्षेत्र में लोग परेशान थे। लोगों ने नाले में देखा तो शव पड़ा हुआ था। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। शव नाले से बाहर निकालकर पंचनामा किया गया। किसी तरह की कोई पहचान मौके पर नहीं मिल सकी। माना जा रहा है कि व्यक्ति की

- व्यक्ति के मुंह पर बंधा हुआ था कपड़ा
- तेजधार हथियार के मिले निशान

हत्या 48 से 72 घंटे पहले की गई है। हत्या का शव किसी पहचान वाले पर ही है। पुलिस ने शव के बारे में काफी पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

खेडकी दौला थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण ने रविवार को कि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। क्षेत्र के सभी पुलिस थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट पता की जा रही है। गांवों और बस्तियों में फोटो दिखाकर पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

रेगालिया-2025 में बच्चों की प्रतिभा का हर कोई हुआ कायल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- 38वां वार्षिक समारोह रेगालिया 2025 उत्कृष्टता की खोज में प्रतिभा का निर्माण

रोटरी पब्लिक स्कूल सेक्टर-22 का 38वां वार्षिक समारोह, रेगालिया-2025 धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर टी. एन. सुब्रमण्यन, विशिष्ट अतिथि डी.एल.जे.एम. ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन श्रीपाल जैन, स्कूल प्रबंध समिति के चेयरमैन अनिल जैन, विशिष्ट सदस्य, रोटरी क्लब के रोटेरियन, विशेष आमंत्रित अतिथि, पूर्व छात्र और अभिभावक उपस्थित थे। स्कूल बैंड ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम की धुनों पर बांसुरी वादन और स्कूल बैंड बीट ब्रिगेड के ढोल और गूंजते बैगपाइप की गडगड़ाहट के साथ हुई। रोटरी क्रॉनिकल्स की वार्षिक रिपोर्ट प्रधानाचार्या डायरेक्टर संदीपा राय ने प्रस्तुत की। पूर्व छात्रों को समारोह में सम्मानित किया गया। सी.बी.एस.ई. 2024-25 स्कूल के टॉपर विशेष शर्मा (नॉन-मेडिकल), राज मिश्रा (मेडिकल), नूपुर बिष्ट (कॉमर्स) और हर्षिता यादव (मानविकी) को शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सी.बी.एस.ई. परीक्षा 2024-25 में विभिन्न विषयों में 100 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जूनियर स्कूल की रेशिका गौर को स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया। सीनियर वर्ग में, हेड बॉय शौर्य ठाकुर को स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला।

'हनी ट्रैपिंग जैसे मुद्दों पर भी नाटक तैयार करें कलाकार'

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहानी से कानून प्रोजेक्ट के पहले कार्यक्रम में यहां शिरकत की। यह कार्यक्रम कला, शिक्षा और कानून को जोडकर सामाजिक मुद्दों पर संवाद बढ़ाने की नई पहल के रूप में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नियोफ्यूजन संस्था के किशोर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत संगीतमय कठपुतली नाटक ए स्ट्रिंगिंग ऑफ लव, पावर एंड पेन था। जिसमें महिलाओं के प्रति भावनात्मक चोट, नियंत्रक व्यवहार और पितृसत्तात्मक समाज में मानसिक शोषण को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से दशार्या गया। रेनू भाटिया ने प्रस्तुति की गहराई और संदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक बड़े मंचों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में बाइपोलर बिहेवियर और

हनी ट्रैपिंग जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी नाटक तैयार किए जाएं और साथ ही पूरे सहयोग का आश्वासन दिया।

कानूनी जागरुकता और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए कार्रपत रीत फाउंडेशन की संस्थापक एडवोकेट रितु कपूर ने भी अपनी संस्था की ओर से यहां प्रस्तुति दी। नियोफ्यूजन डॉ. अनुभूति के नेतृत्व में वंचित वर्ग के किशोरों के साथ शिक्षा और कला के माध्यम से परिवर्तन लाने का काम करता है। नाटक का निर्देशन पंकज गुप्ता और कोरियोग्राफी अविनाश कुमार ने की। नियोफ्यूजन की विजुअल आर्ट मेंटर सुदीप्ता के मार्गदर्शन में बच्चों ने सुंदर पेंटिंग इंस्टॉलेशन भी प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों का भरपूर ध्यान आकर्षित किया।

विशिष्ट अतिथि एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु देवान कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के ऐसे प्रयास सामाजिक जागरूकता को आगे बढ़ाते हैं। विशेष अतिथि बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन कोच दीपक बजाज ने बच्चों की परिपक्वता और वर्षों में आए बदलाव की तारीफ करते हुए कहा कि नियोफ्यूजन के कलाकार हर बार उम्मीद से बढकर प्रदर्शन करते हैं। विशेष अतिथि

- मुख्य अतिथि रेनू भाटिया ने नाटक ए स्ट्रिंगिंग ऑफ लव, पावर एंड पेन की सराहना की

एडवोकेट विनोद कटारिया पूर्व अध्यक्ष एवं सचिव जिला बार एसोसिएशन गुरुग्राम ने कहा कि ऐसे नाटक समाज की वास्तविक समस्याओं को सामने लाते हैं, जिन्हें अदालतों में रोजाना देखा जाता है। एडवोकेट रितु कपूर और डॉ. अनुभूति ने बताया कि कहानी से कानून का उद्देश्य कला, शिक्षा और कानून को एक प्लेटफॉर्म पर लाकर समाज के गंभीर मुद्दों पर संवाद बढ़ाना और समुदायों में जागरुकता स्थापित करना है। एडवोकेट रितु कपूर ने कहा कि कानूनी जागरूकता न्याय की पहली सीढ़ी है। यह प्रोजेक्ट लोगों तक कानून को सरल रूप में पहुंचाने का प्रयास है।

हरियाणा के सभी रेडक्रॉस कर्मचारियों की उचित समस्याओं का होगा समाधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारतीय रैडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी की अध्यक्षता में रेडक्रॉस भवन सेक्टर-12 फरीदाबाद में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए कर्मचारियों ने भाग लिया।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव बिजेंद्र सोरोत ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं का निवारण करना है। उन्होंने सभी कर्मचारियों का उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया

कि हर उचित समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों से रेडक्रॉस की कल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

डॉ. एम.पी. सिंह, आजीवन सदस्य, ने कर्मचारियों को ईमानदारी और मेहनत से कार्य करने का संदेश दिया। संरक्षक विमल खंडेलवाल ने कहा कि वे आपदाओं और सामाजिक कठिनाइयों में मानवता के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पिता के आदर्शों पर पुत्र नन्द किशोर का जीवन समाज को समर्पित

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जीना तो है उसी का जिसने ये राजा जाना-है काम आदमी का औरों के काम आना...। फिल्म अधिकार के इस गीत को साकार करने का काम कर गए संत ह्दय बाबू राम भजन अग्रवाल। हर किसी की पीड़ा को समझना, निःस्वार्थ उनकी मदद करना, संतों की सेवा करना और समाज को सदैव कुछ देने की ना केवल सोच रखना बल्कि समाज के लिए समर्पित रहना ही उनके जीवन का ध्येय रहा। आज उनके ही नक्शे कदम पर चलते हुए उनके पुत्र नन्द किशोर अग्रवाल भी सादगी भरा जीवन जीते हुए समाज को ही समर्पित हैं।

उनके निजी में झांककर देखें तो वे भी पिता की तरह से कोमल ह्दय के स्वामी हैं। नन्द किशोर अग्रवाल दुनियावी आडम्बरों से दूर रहकर वे बेहद ही सादगी और शील स्वभाव से जीवन जी रहे हैं। हर किसी की मदद के लिए खड़े रहने को उन्होंने पिता की विरासत के रूप में अपने जीवन में ढाल लिया। जिस दौर में संपत्ति को लेकर हर कोई भागदौड़ करता नजर आता है, उस दौर में नन्द किशोर तन, मन, धन

- श्री राम प्रसाद रामेश्वर दास धर्मार्थ ट्रस्ट में सर्व समाज की सेवा को समर्पित

से सेवा करने को ही प्राथमिकता देते हैं। आजादी से डेढ़ साल पहले यानी एक जनवरी 1946 को जन्में नन्द किशोर अग्रवाल ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही लेने के बाद माध्यमिक शिक्षा गांव बास से व मैट्रिक रोहतक से की। इसके बाद वे डीसीएम मिल दिल्ली में नौकरी करने लगे।

रेडिमेड गारमेंट की दुकान से वस्त्र उद्योग का सफर : नन्द किशोर अग्रवाल बताते हैं कि वर्ष 1964 में शहर के किरोड़ी मल मंदिर के पास दिल्ली गारमेंट नाम से रेडिमेड कपड़ों की दुकान चलाने वाले उनके पिता ने चिनार सिन्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो आज भी संचालित है। श्री राम भजन अग्रवाल के पुत्र नन्द किशोर अग्रवाल, पुरुषोत्तम दास, पौत्र नरेश अग्रवाल (मीनू), संजय अग्रवाल, उज्जवल अग्रवाल पिता की इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। नन्द किशोर अग्रवाल के मुताबिक उनके पिता द्वारा शहर में अनेक स्थानों पर प्याऊ स्थापित कराई गई हैं, जिनको आज भी ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जा रहा है। भिवानी शहर में कभी किराये के मकान में रहे बाबू रामभजन अग्रवाल जी ने शहर के हांसी गेट पर चित्रकूट नाम से एक प्रतिष्ठान स्थापित किया। यह परिसर उन्होंने श्री राम प्रसाद रामेश्वर दास धर्मार्थ ट्रस्ट के अंतर्गत बनाया। ट्रस्ट की ओर से श्री रामकुंज सत्संग धाम भी बनाया गया है।

सत्संग धाम में सर्व धर्म संगम का अनोखा संगम : समाज और संतों की सेवा को समर्पित रहे बाबू रामभजन अग्रवाल ने इस सत्संग धाम में सर्व धर्म संगम का अनोखा काम किया। शहर में आने वाले हर संत का उन्होंने श्री रामकुंज सत्संग धाम में विशेष अनुरोध से पदार्पण कराया। स्वामी रामसुखदास जी, आचार्य तुलसी जी, आचार्य महाप्रज्ञ जी, संत महाश्रमण जी, स्वामी रामदास जी बाराबंकी, डेरा सच्चा सौदा से शाह मस्ताना बिलोचिस्तानी जी समेत अनेक उच्चकोटि के संतों ने यहां प्रवचन फरमाए हैं।

पानी भरने के कारण नगर कीर्तन को लौटना पड़ा

फोटो : ओमप्रकाश पांचाल

फरीदाबाद। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर एनएच-5 डी ब्लॉक स्थित पंचायती गुरूद्वारे से भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। यह नगर कीर्तन एनएच-5 मार्ग से होकर एक नबर जाने वाला था। नगर कीर्तन में ऊंट, ढोल, बैंड और अन्य वाहन शामिल थे, जो श्रद्धालुओं के साथ भव्य उत्सव का दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। वहीं बच्चों का गतका प्रदर्शन इसमें विशेष महत्व दे रहा था। लेकिन जब नगर कीर्तन नेहरू ग्राउंड स्थित आर्य समाज रोड पर पहुंचा, तो नाथी चौक पर लग रहे ट्यूवैल के कारण रास्ते में पानी भर गया। इसके चलते नगर कीर्तन को आगे नहीं बढ़ाया जा सका और उसे उसी स्थान से वापस लौटना पड़ा। इस स्थिति के कारण ऊंट, ढोल और अन्य वाहनों की कतार को वापस मोड़ने में काफी कठिनाई हुई, जिससे इलाके में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार , 1 दिसंबर 2025

संक्षिप्त खबरें

युवक पर पत्नी और बच्चों के अपहरण का आरोप

नोएडा। सेक्टर-53 में रहने वाले व्यक्ति ने एक युवक पर अपनी पत्नी और दो बच्चों का अपहरण करने और फिरौती मांगने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने युवक के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया कि उसका विवाह पांच साल पहले हुआ था। उसका एक बेटा और बेटी है। आरोप है कि पिछले दिनों उनकी पत्नी की दोस्ती सेक्टर-44 के रहने वाले युवक वीरेंद्र से हो गई। वीरेंद्र ने उनकी पत्नी को प्रेम जाल में फंसा लिया। उनकी पत्नी ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं होने के कारण आरोपी के झांसे में आ गई। पीड़ित ने इस प्रेम प्रसंग का विरोध किया और पत्नी के परिजनों को जानकारी देकर अक्तूबर 2025 में थाने में शिकायत की। इस पर महिला ने पति के साथ रहने और आरोपी पर परेशान करने का आरोप लगाया। आरोप है कि इसके बाद उनकी पत्नी और बच्चे लापता हो गए। घर से गहने और एक लाख रुपये भी गायब हैं। पीड़ित ने थाने में शिकायत की तो आरोपी ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर पत्नी और बच्चों के बारे में जानकारी दी। इसके एवज में पांच लाख रुपये की फिरौती देने की मांग की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर वीरेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात सुनी

ट्रांस हिंडन। शक्तिखंड-1 में पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला के भाजपा कार्यालय पर रविवार को सांसद अतुल गर्ग ने कार्यकर्ताओं के संग प्रधानमंत्री

के संबोधन को सुना। कार्यक्रम का संयोजन अनिल मेहंदीरत्ता ने किया। कार्यकर्ताओं ने संगठन मजबूती का संकल्प भी दोहराया। इस दौरान मनोज डागा, शिक्षक प्रकोष्ठ की संयोजक कविता सिंह, पारुल सिंह, पार्षद राधेश्याम त्यागी, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरमीत, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सतीश कसाना समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के कई अन्य जगह पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना।

किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाले व्यक्ति की 17 वर्षीय बेटी 30 सितंबर को घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। उन्होंने बेटी को आसपास तलाश किया और रिश्तेदारों से उसके बारे में जानकारी की, लेकिन वह नहीं मिली। परिजन को अंदेशा है कि एक युवक बहला फुसलाकर ले गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

कंप्यूटर कोर्स में आवेदन की अंतिम तिथि आज

गाजियाबाद। कंप्यूटर कोर्स के लिए युवा आज (सोमवार) तक आवेदन कर सकते हैं। जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी पीयूष चंद्र राय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कंप्यूटर कोर्स ओ लेवल और सीसीसी के लिए आवेदन किए जा रहे हैं। युवाओं का चयन इंटरमीडिएट के अंकों के आधार पर किया जाना है। आवेदन की अंतिम तिथि सोमवार है। छात्र विभाग की वेबसाइट पर जाकर या विभाग में आकर अपना आवेदन कर सकते हैं।

करियर अवसरों में प्रवेश की दी गई जानकारी

गाजियाबाद। एनएच-9 स्थित गुरुकुल द स्कूल में करियर एक्सपो का आयोजन किया गया। इसमें 60 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने 700 से अधिक छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को करियर अवसरों, प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताया। साथ ही प्रोफाइल को प्रभावी बनाने की जानकारी दी। छात्र-छात्राओं ने प्रश्न पूछकर भी उनसे जाना कि अपने भविष्य को सुनहरा बनाने के लिए किस क्षेत्र में जाना बेहतर रहेगा। एक्सपो का उद्घाटन स्कूल के प्रिंसिपल गौरव बेदी ने किया।

एसी आउटडोर से तांबे का पाइप चोरी

ट्रांस हिंडन। खादी ग्रामोद्योग भवन के संचालक रमेश कुमार के अनुसार उनकी दुकान में पिछले कई दिनों से चोरी का प्रयास किया जा रहा है। 25 नवंबर को चोरों ने दुकान के ताले तोड़े, लेकिन चौकीदार के शोर मचाने पर भाग गए। इसके बाद गुरुवार को चोर दुकान के बाहर लगा बल्ब चोरी कर ले गए। शुक्रवार को चोर दुकान के बाहर एसी आउटडोर से तांबे का पाइप चोरी कर ले गए। आरोप है कि तीनों बार दो लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में सभी वारदात कैद हो गई।

उधार दिए पैसे मांगने पर मारपीट

दादरी। जारचा कोतवाली क्षेत्र के जारचा में उधार दिए 50 हजार रुपये की मांग करने पर एक व्यक्ति के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की गई। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि जारचा गांव में अनीश परिवार के साथ रहते हैं। खगोड़ा गांव के रहने वाले अजीमुद्दीन व उसके बेटा इकरामुद्दीन ने 50 हजार रुपये कुछ समय पहले उधार लिए थे। 29 नवंबर को जब वह अपने उधार दिए पैसे दोनों बाप बेटे से मांगने गए तो आरोपी गाली गलौज करने लगे। जब गाली देने से मना किया तो दोनों ने मिलकर मारपीट कर दी। जिससे अनीश गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने अजीमुद्दीन व इकरामुद्दीन के खिलाफ कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पति ने पत्नी के साथ की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

दादरी। जारचा कोतवाली क्षेत्र के प्यावली जैतवारपुर गांव में महिला के साथ पति और उसकी दूसरी पत्नी ने गाली गलौज कर मारपीट की। घटना की रिपोर्ट महिला ने पति व उसकी दूसरी पत्नी के खिलाफ दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि प्यावली जैतवार पुर गांव में महिला प्रवीन परिवार के साथ रहती हैं। उसके पति शाहिद ने दूसरी शादी रिजवाना से कर रखी है। शुक्रवार की रात में वह घर पर थी। तभी उसका पति शाहिद व दूसरी पत्नी रिजवाना घर पर आए। गाली गलौज करने लगे। जब गाली देने से मना किया तो दोनों ने मिलकर बुरी तरह मारपीट कर गाली घायल कर दिया। महिला प्रवीन ने अपने पति शाहिद व दूसरी पत्नी रिजवाना के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसआईआर: आज और कल लगेंगे 500 से अधिक शिविर

- श्रमिक एरिया, इंडस्ट्री, सोसाइटी और संस्थानों में लगेंगे स्पेशल कैंप
- हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का होगा प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

जिला प्रशासन की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को व्यापक रूप देते हुए सोमवार और मंगलवार को जिले में 500 से अधिक विशेष शिविर लगाए जाएंगे। श्रमिक एरिया, इंडस्ट्री, सोसाइटी समेत संस्थानों और मीडिया हाउस में स्पेशल कैंप लगेंगे। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ऑडिटोरियम में आयोजित बैठक में विभिन्न संस्थानों, उद्योगों, आरडब्ल्यूए, एओए, स्वयंसेवकों, श्रम संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित नहीं रहे। नाम जोड़ने, संशोधन कराने और आवश्यक प्रपत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल व सुलभ बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार और मंगलवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक लेबर कम्युनिटी क्षेत्रों में 50 स्पेशल कैंप और औद्योगिक इकाइयों में लगभग 50 शिविर आयोजित होंगे।

इसके साथ ही 35 प्रमुख शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों में भी कैंप लगाए जाएंगे। जिससे छात्र, कर्मचारी व आमजन आसानी से अपने नाम जोड़ या संशोधित करा सकें। इसके अलावा नोएडा व ग्रेटर नोएडा के 1868 बूथों, हाई-राइज सोसाइटियों, आवासीय सेक्टरों, उद्योगों, संस्थानों, फिल्म सिटी और मीडिया हाउसों सहित प्रमुख स्थलों पर कुल 500 शिविर लगाए जाएंगे। मीडिया कम्युनिटी के लिए 16 अलग-अलग लोकेशन पर विशेष शिविर होंगे।

सभी शिविर लंच ब्रेक के बाद नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दोपहर 12 बजे से ही प्रारंभ होंगे। इन कैंपों में फॉर्म-6, फॉर्म-8 सहित सभी एन्यूमरेशन फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी बूथ का फॉर्म किसी भी शिविर में जमा किया जा सकेगा। बीएलओ और प्रशिक्षित प्रशासनिक टीम त्वरित सत्यापन और ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। पुराने पते से नए पते पर स्थानांतरित हुए नागरिकों के लिए तत्काल समन्वय कर अवगत कराया जाएगा। लक्ष्य यह है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे। प्रत्येक की सूचना सही दर्ज की जा सके।

इंडस्ट्री सेक्टर में सैमसंग, एलजी, डिक्सन, वीवो, ओप्पो, यूफ्लेक्स, मदरसन, शीला फोम सहित प्रमुख प्रतिष्ठानों में शिविर लगाए जाएंगे। वहीं एमिटी यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय सहित प्रमुख शिक्षण संस्थानों में भी कैंप आयोजित होंगे। सभी प्रमुख मीडिया हाउसों में भी शिविर लगाए जाएंगे। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सभी बूथों पर चला महाअभियान

यमुना सिटी। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जेवर में रविवार को सभी बूथों पर महाअभियान चलाया गया। इस दौरान पात्र नागरिकों को अपना नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन कराने का अवसर दिया गया। अभियान के बीच पुनरीक्षण कार्य की अंतिम तिथि 4 दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी है। इससे बीएलओ को राहत मिली है। जेवर क्षेत्र के अंतर्गत जेवर, रबूपरा व अन्य क्षेत्रों में रविवार को मतदाता गहन पुनरीक्षण का महाअभियान चलाया गया। बीएलओ ने जगह-जगह पर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाए। वहीं, मतदाताओं को आने वाली परेशानियों को भी दूर किया। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की तिथि बढ़ने से बीएलओ ने राहत की सांस ली है। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग अभी भी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन नहीं कर पाए हैं, जिसके चलते समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बीएलओ और सुपरवाइजरों को निर्देशित किया गया है कि बढ़ाई गई अवधि के दौरान घर-घर जाकर पात्र नागरिकों से फॉर्म प्राप्त किए जाएं।

नोएडा विधानसभा क्षेत्र में 55 फीसदी फॉर्म अपलोड

नोएडा। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नोएडा विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म अपलोड करने की प्रक्रिया तेजी पकड़ रही है। रविवार तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की ओर से लगभग 55 फीसदी फॉर्म ऑनलाइन अपलोड किए जा चुके हैं। अभियान के तहत कुल 7.71 लाख से अधिक नागरिकों से फॉर्म भरवाकर उन्हें सिस्टम पर अपलोड किया जाना है। विधानसभा क्षेत्र में कुल 752 बीएलओ तैनात हैं, जो घर-घर जाकर फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। नागरिक फॉर्म भरकर दोबारा बीएलओ को सौंप रहे हैं जिसके बाद इन्हें ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड किया जा रहा है। प्रक्रिया को सुचारू और तेज बनाने के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी सहयोग लिया जा रहा है जिससे टीमों तक क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और लोगों तक पहुंच बनाना आसान हो रहा है।

ममूरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में तैनात बीएलओ दीपा अरोड़ा ने बताया कि कई ऐसे किरायेदार हैं जो मकान छोड़कर जा चुके हैं और अब उनके दिए पते पर उपलब्ध नहीं हो पा रहे। ऐसे मामलों में मकान मालिक स्वयं आगे बढ़कर बीएलओ की मदद कर रहे हैं। किरायेदारों का पता लगाने की कोशिश में सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों का सहयोग अभियान की सफलता के लिए अहम साबित हो रहा है।

एसडीएम अनुज नेहरा के अनुसार सुबह 8 बजे तक लगभग 53 प्रतिशत फॉर्म अपलोड किए जा चुके थे जिसके बाद बीएलओ लगातार अपलोडिंग कार्य कर रहे हैं। दिन बढ़ने के साथ यह संख्या 55 प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सौ फीसदी फॉर्म अपलोड सुनिश्चित करने के लिए सभी टीमें लगातार क्षेत्र में काम कर रही हैं। उम्मीद है कि नागरिकों के सहयोग और फील्ड टीमों की सक्रियता के चलते यह अभियान समय पर पूरा हो जाएगा।

जुर्माने से बचने के लिए कुत्तों का पंजीकरण कराएं

गाजियाबाद। नगर निगम ने पालतू कुत्तों के पंजीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। निगम कर्मचारी सोसाइटी और कॉलोनियों में जा रहे हैं। दस हजार रुपये के जुर्माने से बचने के लिए पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने की अपील की जा रही है। निगम में वर्ष 2018 से पहले कुत्तों के पंजीकरण की व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद पंजीकरण ऑनलाइन शुरू हुआ।

निगम ने पहले पांच हजार रुपये फीस तय की, लेकिन विरोध के बाद फीस एक हजार रुपये, फिर 500 रुपये की गई। इसके बावजूद लोगों ने पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने में दिलचस्पी नहीं ली। फीस घटाकर 200 रुपये की है। निगम के पशु पालन विभाग का मानना है कि शहर में 20 हजार कुत्ते पाले जा रहे हैं। वर्ष 2020 से अभी तक करीब साढ़े सात हजार कुत्तों का पंजीकरण हुआ है।

बकायेदारों से 240 करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीडीए के छह हजार बकायेदारों से 240 करोड़ रुपये वसूली होगी। इसकी योजना तैयार हो रही है। प्रथम चरण में बकायेदारों को नोटिस भेजा जाएगा, फिर भी बकाया जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जीडीए के सभी जोन में करीब छह हजार बकायेदार हैं। इसमें बिल्डर पर 114 करोड़ रुपये और आवंटी पर 125 करोड़ का बकाया है। प्राधिकरण इन्हें नोटिस भेजेगा।

हालांकि, बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजे भी गए हैं। सभी को नोटिस भेजने के बाद जोन के सुपरवाइजर बकायेदारों के दरवाजों पर वसूली के लिए जाएंगे। यदि कोई इसके बाद भी रकम जमा नहीं करता है, तो उसका आवंटन निरस्त करने पर विचार किया जाएगा। इस संबंध में जीडीए उपाध्यक्ष ने संबंधित जोन प्रभारियों को निर्देश दिया है। जीडीए अधिकारियों को उम्मीद है कि बकायेदारों से बकाया मिल जाता है, तो कई योजनाएं परवान चढ़ सकती हैं। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि जीडीए के छोटे बड़े बकायेदारों से वसूली की जाने की योजना बनाई है।

गृहकर जमा करने पर 20 फीसदी छूट एक माह के लिए बढ़ाई

गाजियाबाद। नगर निगम ने शहर के लोगों को राहत देने के लिए गृहकर जमा करने पर 20 फीसदी छूट एक माह के लिए और बढ़ा दी है। यह छूट रविवार यानी 30 नवंबर को खत्म हो गई थी। छूट आगे बढ़ाई जाएगी या नहीं इस बारे में बाद में निर्णय होगा। वहीं, निगम ने करदाताओं से छूट का लाभ लेने के लिए समय पर गृहकर जमा करने की अपील की है।

बिजली बिल का भुगतान करने पर मिलने लगी छूट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद में विद्युत बिल के बकायेदारों को रविवार से एक मुश्त योजना का लाभ मिलना शुरू हो गया। तीन माह तक तीन चरणों में बकाया बिलों में 15 से 25 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। जनपद के एक लाख से ज्यादा उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकेंगे। पहले दिन बहुत कम लोगों ने योजना का लाभ उठाया। विद्युत निगम जोन-एक के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत दो किलोवाट लोड वाले घरेलू और एक किलोवाट लोड वाले वाणिज्यिक उपभोक्ता जिन पर 31 मार्च 2025 से पहले का बड़ा बकाया है, उन्हें राहत दी जाएगी।

योजना एक दिसंबर से 28 फरवरी 2026 यानी तीन चरणों में लागू की गई है। इसका पहला चरण

रविवार से शुरू हो गया। इस दौरान बिल भुगतान करने वालों को 25 फीसदी की छूट का लाभ दिया जा रहा है। योजना का दूसरा चरण जनवरी में शुरू होगा। उस दौरान बिल भुगतान करने वालों को 20 फीसदी छूट का लाभ मिलेगा। तीसरा चरण फरवरी से शुरू होगा और इसमें 15 फीसदी की छूट दी जाएगी।

किस्तों में भी जमा कर सकेंगे बिल: अधिकारियों ने बताया उपभोक्ताओं को हर माह के बिल के साथ 700 रुपये का बकाया पुराना बिल भुगतान करना होगा। विद्युत निगम बकाया बिल की राशि में मिलने वाली छूट को घटाकर बाकी के बिल को किस्तों में लेंगे। जिससे उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में आसानी होगी। साथ ही बताया कि किस्त छूटने पर लाभ नहीं मिल सकेगा।

> विद्युत निगम जोन एक के मुख्य अभियंता पवन कुमार अग्रवाल ने बताया योजना का उद्देश्य बिजली विभाग और उपभोक्ताओं को लाभ देना है। इससे विद्युत उपभोक्ता की डिफॉल्टर संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है। योजना का लाभ शहर के उन सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा जिन पर 31 मार्च 2025 से पहले का बिल बकाया होगा।

मुनाफे का झांसा देकर 49 लाख रुपये ठगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साइबर ठगों ने वैशाली में रहने वाले एक व्यक्ति को झांसा देकर 49 लाख रुपये ठग लिए। इस दौरान ठगों ने उनसे चार खातों में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वैशाली सेक्टर-4 में रहने वाले अभिषेक चौधरी ने बताया कि 18 सितंबर को उन्हें निहारिका सिंह नाम की एक लड़की का नंबर शादी डॉटकॉम साइट के माध्यम से मिला। 20 सितंबर को निहारिका ने बताया कि उनका परिवार जालंधर, पंजाब और दिल्ली एनसीआर में रीयल एस्टेट का कारोबार करता है। फिर 23 सितंबर को युवती ने अभिषेक को विदेशी मुद्रा में व्यापार करने के लिए जोर दिया और व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा। पीड़ित ने व्हाट्सऐप पर भेजे गए लिंक पर पंजीकरण कराया। फिर कुछ जानकारी मांगी गई। ठगों ने पीड़ित से तीन अक्तूबर से दो नवंबर तक पांच बार में रकम ट्रांसफर कराई। इन सभी प्रक्रिया के बाद जब पीड़ित ने रुपये निकालने की कोशिश की तो ठगों ने उन्हें 30 प्रतिशत टैक्स जमा करने को कहा। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। एडीसीपी पीयूष सिंह का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जिन खातों में रकम गई है, उनका भी पता लगाया जा रहा है ताकि ट्रांसफर हुई रकम फ्रीज कराई जा सके।

साइबर ठगों ने दो बैंकों से उड़ाए 1.94 लाख

ग्रेटर नोएडा। गौर सिटी-2 स्थित रक्षा अडेला सोसायटी में रहने वाला एक व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो गया। ठगों ने खुद को एचएसबीसी बैंक का कर्मचारी बताकर 1.93 लाख रुपये की ठगी कर ली। आदित्य महेश्वरी ने बिसरख कोतवाली को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 19 नवंबर को क्रेडिट कार्ड जारी न होने की शिकायत एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर की थी। इसी शिकायत का फायदा उठाते हुए साइबर ठगों ने 29 नवंबर को से कॉल कर खुद को एचएसबीसी बैंक का कर्मचारी बताया। कॉलर ने गलती सुधारने के नाम पर आदित्य से दोबारा क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने को कहा और एक लिंक ईमेल पर भेज दिया। पीड़ित ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया। उनका मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके बाद उनके एचएसबीसी क्रेडिट कार्ड से 97,528 रुपये और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक खाते से 96,329 रुपये निकाल लिए गए। कॉल कट होते ही आदित्य के फोन पर ट्रांजेक्शन के संदेश आने शुरू हो गए, तब उन्हें ठगी का पता चली। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खरीदारी के दौरान खाते से 59 हजार निकाले

ट्रांस हिंडन। विक्रम एन्क्लेव में रहने वाले चंदन सिंह के अनुसार उन्होंने एक डिपार्टमेंटल स्टोर से 812 रुपये की खरीदारी की थी। भुगतान के लिए अपना डेबिट कार्ड प्रयोग किया। डेबिट कार्ड मशीन में लगने के बाद उनके खाते से 59 हजार रुपये कट गए। इस पर उन्होंने पहले साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। शालीमार गार्डन पुलिस ने साइबर फ्रॉड का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह के अनुसार मामले की जांच की जा रही है और खातों के फ्रीज करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

ऐप डाउनलोड कराकर महिला के खाते से रकम निकाली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम स्थित ऑरेंज काउंटी सोसाइटी में रहने वाली एक महिला से 9.93 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने खुद को आईजीएल कंपनी का कर्मचारी बताकर महिला से दो ऐप डाउनलोड कराए और फिर मोबाइल हैक कर खाते से रकम निकाल ली। पीड़िता ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ऑरेंज काउंटी सोसाइटी निवासी मोनिका अग्रवाल ने बताया कि 27 नवंबर को उनके पास एक व्हाट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) का कर्मचारी बताया। झांसे में लेकर फोन करने वाले व्यक्ति ने आईजीएल गैस बिल अपडेट और टाटा पावर बिल अपडेट नाम की दो एपीके फाइल मोनिका से डाउनलोड कराया। फिर उनसे एपीके फाइल खोलने को कहा। इसके बाद स्क्रीन और एप्लिकेशन के लिए सभी अनुमति देने के लिए सेटिंग्स एप्स में जाने को कहा। अनुमति देते ही जालसाज ने एपीके के माध्यम से मोनिका की डिवाइस हैक कर ली। फिर नेट बैंकिंग एप्लिकेशन से उसी दिन सुबह में करीब साढ़े दस बजे 4,95,000 रुपये निकाल लिए। कुछ देर बाद ही दोबारा खाते से 4,98,000 रुपये और निकाले गए। एडीसीपी पीयूष सिंह का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अलग-अगल जगहों पर हुये हादसों में बाइक सवार दो युवकों की गई जान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मसूरी थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक टकराने से युवक की मौत हो गई। युवक के भाई ने मसूरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हापुड़ में रहने वाले अनिल कुमार ने बताया कि 22 नवंबर को उनका भाई चंचल कुमार बाइक से किसी जरूरी काम से हापुड़ से गाजियाबाद गया था। रास्ते में मसूरी थाना क्षेत्र में भगवती कॉलेज के पास सड़क पर खड़े ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। ट्रक चालक ने किसी प्रकार का अवरोधक चिह्न नहीं लगाया था, जिसके चलते हादसा हुआ। टक्कर इतनी भयंकर थी कि चंचल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र अंतर्गत हल्दौनी मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। परिजन की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव हल्दौनी निवासी कन्हैया झा ने तहरीर में बताया कि उनके पिता राधेश्याम झा सेक्टर-45 नोएडा में गौरव भाटिया के यहां ड्राइवर के रूप में काम करते थे। 28 नवंबर की रात लगभग 9 बजे ड्यूटी समाप्त कर वे घर लौट रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक के चालक अनिल सिंह ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक पीड़ित को बाइक समेत करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

गौड़ सिटी-1 के निवासी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से लेकर प्रशासन तक से मदद की गुहार लगा चुके

रोड, पार्किंग और जाम की समस्या से जूझ रहे निवासी

- गौड़ सिटी-1 में बिल्डर को टाउनशिप का मेंटेनेंस देने के बाद भी नहीं मिल रही सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

टाउनशिप में बसाकर निवासियों के साथ बिल्डर की ओर से छल किया गया है। गौड़ सिटी-1 में आने वाली सोसाइटी के निवासियों को सड़क, स्ट्रीट लाइट, ओवरफ्लो हो रहे नाले की समस्या से जूझना पड़ रहा है। रविवार को गौड़ सिटी-1 फर्स्ट एवेन्यू के निवासियों ने अमर उजाला संवाद के दौरान इन तमाम समस्याओं का मुद्दा उठाया।

निवासियों का आरोप है कि बिल्डर की ओर से टाउनशिप चार्ज लिया जा रहा है। उसके बाद भी उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल रही है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। निवासी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से लेकर प्रशासन तक से मदद की गुहार लगा चुके है। उसके बाद भी अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

निवासियों ने बताया कि आए दिन जाम की समस्या उन्हें जूझना पड़ता है। यदि मेट्रो की सुविधा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोगों को मिल जाए तो जाम से राहत मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि सोसाइटी के बाहर की सड़क पर 50 से 60 प्राइवेट गाड़ी खड़ी रहती हैं। जिससे काफी जाम लगता है। पुलिस से भी कई बार शिकायत की जा चुकी है। उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जब घर लिया गया था तो काफी सपने दिखाए गए थे कि क्लब हाउस होगा। उसके साथ कई अन्य सुविधाएं मिलेगी,लेकिन कुछ भी नहीं मिला। क्लब हाउस की जगह पर होटल बना दिया गया। बच्चों के खेलने तक के लिए भी कोई सुविधा नहीं है। मेंटेनेंस के नाम पर हर माह तीन से चार हजार रुपये देने के बाद भी कोई सुविधा नहीं मिल रही है।

सार्वजनिक पार्कों में लगा दी पाबंदी: निवासियों ने बताया कि सोसाइटी के पास तीन पार्क है,लेकिन बिल्डर प्रबंधन की ओर से सार्वजनिक पार्क पर भी पाबंदी लगा दी गई है। उसे शाम को साढ़े सात बजे बंद कर दिया जाता है। जबकि पार्कों को साढ़े सात बजे नहीं बंद किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा की दृष्टि से पार्क बंद किए गए तो रात दस के बाद पार्कों को बंद किया जाए।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 1 दिसंबर 2025

कर्नाटक की सियासी सूरत

फिर कांग्रेस की फजीहत

कर्नाटक की सियासी सूरत अब साफ नजर आने लगी है। यहां सत्ता की लड़ाई में उलझी कांग्रेस को बिहार की दुर्दशा के बाद कर्नाटक में अपने ही लोगों से कई मोर्चों पर बगावत से दो चार होना पड़ रहा है। कर्नाटक में चल रही खींचतान से कांग्रेस में अंदरखाने चल रही अनुशासनहीनता अब सड़क पर आ चुकी है और इसके चलते संकटकाल से गुजर रही इस प्राचीनतम पार्टी की रही-सही साख भी दांव पर है। कर्नाटक की कहानी कुछ ऐसी है कि यहां पार्टी के दो गुटों में खुलकर सत्ता संघर्ष चल रहा है। यहां सत्ता का खेल अब फर्स्ट और सेकंड हाफ को लेकर रोमांचक दौर में है। शिवकुमार गुट राज्य में सरकार बनाने के समय तय फार्मूले पर अमल की रट लगा रहा है। गुट के बागी तेवर कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है। क्योंकि अगर शिवकुमार गुट की शर्तें नहीं मानी गईं तो तय मानिए यहां पार्टी को दो धड़ों में बंटने से कोई रोक नहीं सकता। राजनीतिक गलियारों में इसको लेकर अब खुलेआम चर्चा भी शुरू हो गई है। शिवकुमार गुट का कहना है कि सरकार गठन के दौरान जो फार्मूला तय हुआ था उसके मुताबिक अब सत्ता की चाभी उनके पास होनी चाहिए। वैसे भी कांग्रेस का बिखराव और टूट का अपना ही इतिहास है। ऐसे में कर्नाटक के हालात पार्टी में फिर किसी बड़े भूचाल के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस में टूट और बगावतों का एक लंबा चौड़ा इतिहास रहा है। कांग्रेस का इतिहास ऐसी ढेरों घटनाओं से भरा हुआ है, जब कांग्रेस की सत्ता को लेकर हुई टूट से किरकिरी हुई है। मोतीलाल नेहरू और सुभाष से लेकर गुलाम नबी आजाद तक, कांग्रेस में विद्रोह और टूटने का इतिहास रहा है। याद रहे मोदी के केंद्र में आने के बाद से कांग्रेस के दुर्दिन शुरू हो गए थे। दो चार मौकों पर कुछ हद तक सियासी जंग में रंग जमाने वाली कांग्रेस को पिछले कई सालों से घोर हताशा और निराशा के दौर से गुजरना पड़ रहा है। आज आलम यह है कि कभी देशव्यापी सियासी साम्राज्य वाली कांग्रेस की हैसियत और मिल्कियत सिमट कर सन्नाटे की जद में आ चुकी है।

इधर, कांग्रेस एक बार फिर कर्नाटक में मुश्किलों से जूझ रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार के बीच लीडरशिप का संकट और खुली दुश्मनी बढ़ रही है। पार्टी हाईकमान जाति के समीकरणों, क्लास अपील और मुकाबले वाले राजनीतिक आधारों में टकराव के बीच वफादारी को बैलेंस करने और फूट को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह कहानी 2023 की विधानसभा जीत से शुरू हुई है, जब पार्टी सिद्धारमैया के नेतृत्व में सत्ता में आई थी, और साथ ही शिवकुमार की अहमियत को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने एक सेकंड लाइन भी खींच दी थी। कर्नाटक में सरकार गठन के समय फार्मूला यह तय हुआ था कि सिद्धारमैया सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे समय के लिए मुख्यमंत्री के तौर पर काम करेंगे, और उसके बाद शिवकुमार बाकी ढाई साल के कार्यकाल के लिए सीएम होंगे। अब, जब सिद्धारमैया नवंबर 2025 में आधा कार्यकाल पार कर चुके हैं, तो शिवकुमार का खेमा फार्मूले पर अमल को लेकर अड़ा हुआ है। इस बीच, दूसरी तरफ़, सत्ता मोह में फांसा सिद्धारमैया खेमा कथित तौर पर पूरे पांच साल का समय पूरा करने पर ज़ोर दे रहा है।

चिंता लोकतंत्र की या वोट बैंक की

एसआईआर का विरोध

ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र आज जिस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, वहां उसकी विश्वसनीयता और मजबूती का सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। चुनावों की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुचिता और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से मतदाता पहचान की सत्यता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का मूल तत्व है। विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई वह अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची में मौजूद संदिग्ध, दोहरे या अवैध प्रविष्टियों की पहचान और सत्यापन किया जा सके। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कार्य को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक कदम माना जाना चाहिए, उसे कुछ विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के चश्मे से देख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में जिस प्रकार के उतावले, भावनात्मक और अक्सर तथ्यहीन तर्क प्रस्तुत किए गए, उससे यही प्रतीत होता है कि यह विरोध किसी तर्क या सिद्धांत का नहीं, बल्कि वोट-बैंक की चिंता का परिणाम है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर बेतूका राष्ट्र-विरोधही अड़ंगा लगाने वालों को आईना ही दिखाया कि बिहार में तो एक भी व्यक्ति यह शिकायत करने नहीं आया कि उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार में एसआईआर के समय कुछ खास लोगों के वोट काटे जाने का आरोप उछालने वाले भी ऐसे कथित पीड़ित लोगों के उदाहरण का साक्ष्य नहीं दे सके थे। हालांकि बिहार में एसआईआर पर विपक्षी दलों को मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वे बाज नहीं आ रहे हैं और अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़े हैं।

यह तब है, जब एसआईआर वाले राज्यों में करीब 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका मतलब है कि लोग इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं। एसआईआर होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि मतदाता सूचियों में भारी त्रुटियां एवं विसंगतियां है, बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है या फिर जो अन्यत्र चले गए हैं। इसके अलावा ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास दोहरे

मतदाता पहचान पत्र हैं। चुनाव आयोग एसआईआर के जरिये इन्हीं विसंगतियों को दूर कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों को पता नहीं क्यों यह रास नहीं आ रहा है। वे मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआईआर भी नहीं होने देना चाहते है। लोकतंत्र की जड़ों में सबसे बड़ा विष तब घुलता है जब मतदाता सूची अवैध हस्तक्षेपों, बाहरी घुसपैठियों और राजनीतिक संरक्षण के सहारे खड़ी प्रविष्टियों से दूषित होने लगती है। भारत लंबे समय से विदेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। राज्यों के बीच असंतुलित प्रवासन, सीमावर्ती क्षेत्रों में बेतरतीब आबादी का फैलाव, राजनीतिक शरण और संरक्षण के नाम पर अवैध बसेरों का निर्माण-ये सब ऐसी वास्तविकताएं हैं जिन्हें अनदेखा करना राष्ट्रहित से खिलवाड़ है।

एसआईआर की प्रक्रिया इसीलिए आरंभ की गई कि मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध, विश्वसनीय, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित बनाया जा सके। यह प्रक्रिया किसी समुदाय, क्षेत्र या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पहचान के सत्यापन पर आधारित है। यह समान रूप से हर उस मतदाता की जांच करती है जो कानूनन इस प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अधिकारों पर हमला, राजनीतिक भेदभाव या अविश्वास की राजनीति से जोड़ना केवल दुष्प्रचार एवं भोलेभाले लोगों को गुमराह करना है। यह सवाल इसलिए उठता है कि जब प्रक्रिया सबके लिए समान है, सभी क्षेत्रों पर लागू है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में संचालित हो रही है, तो किस आधार पर इसे लोकतंत्र विरोधी कहा जा सकता है? वास्तव में विपक्ष इस प्रश्न का ठोस, तथ्यपूर्ण उत्तर देने में असफल रहा है। यह आशंका निराधार नहीं कि बंगाल जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मतदाता बन बैठे हैं। उनके बांग्लादेश लौटने से इसकी पुष्टि भी होती है। यह ठीक है कि पहचान पत्र के रूप में आधार भी मान्य है, लेकिन उसे भी फर्जी तरीके से बनवाया गया हो सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को दस्तावेजों के सत्यापन का अधिकार मिलना ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत विपक्षी तर्कों का विश्लेषण करें, तो उनमें वास्तविक तथ्यों एवं आंकड़ों का अभाव है। भावनात्मक अपीलें, आशंकाओं का जानबूझकर सृजन, प्रशासनिक प्रक्रिया को अविश्वसनीय बताने का प्रयास, और तथ्यों से अधिक आरोपों का शोर-ये सब इस बात की ओर संकेत करते हैं कि उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन को बचाना है। यदि मतदाता सूची वास्तव में त्रुटिरहित है, यदि घुसपैठियों का प्रश्न बिना आधार का है, यदि किसी वर्ग की वैधता पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं, तो फिर सत्यापन से भय क्यों? सत्यापन तो वही व्यक्ति या समूह टालेगा, जो स्वयं को संदेह के घेरे में पाता हो। जो स्वच्छ, वैध और तथ्यपूर्ण हैं उन्हें कभी डर नहीं होता कि जांच उनके लिए समस्या बन जाएगी। इसलिए यह विरोध लोकतंत्र की चिंता नहीं बल्कि लोकतंत्र का उपयोग करके अपने हित साधने की कोशिश प्रतीत होता है। भारत की चुनाव प्रणाली में वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियां, मृत व्यक्तियों के नाम, काल्पनिक मतदाता और बाहरी लोगों की अवैध प्रविष्टियां बढ़ती जा रही हैं। इनमें से अधिकांश समस्याएं प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा ऐसे राजनीतिक हितों का भी है जो ऐसी प्रविष्टियों को बनाए रखने में खुद को लाभान्वित देखते हैं।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत के अनेक राज्यों में स्थानीय राजनीतिक तंत्र विदेशी घुसपैठियों के लिए न केवल छत्रछाया प्रदान करता रहा है, बल्कि उन्हें वोट-आधारित पहचान और सुविधाओं तक पहुंच भी दिलाता रहा है। इन परिस्थितियों में एसआईआर जैसी प्रक्रिया न केवल उचित है, बल्कि अत्यंत आवश्यक है। यह प्रक्रिया जितनी देर से लागू होगी, लोकतंत्र पर उतना ही खतरा बढ़ेगा। एसआईआर के विरोध का एक और पक्ष भी है, और वह है विपक्ष का यह डर कि यदि मतदाता सूची शुद्ध कर दी गई, तो उनका चुनावी गणित प्रभावित होगा। यह राजनीति का वह पक्ष है जिसमें आदर्शवाद के लिए बहुत कम जगह है। राजनीतिक दल अक्सर यह मानकर चलते हैं कि जहां संख्या उनके पक्ष में है, वहां सुधार का कोई हस्तक्षेप उनकी स्थिति को कमजोर कर सकता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है, क्योंकि लोकतंत्र केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि नागरिक विश्वास और संवैधानिक मूल्यों का संरक्षक है।

एसआईआर का उद्देश्य किसी को मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मताधिकार का उपयोग वही करे जो इसके योग्य है, जो देश का वैध नागरिक है, और जिसका नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज है। भारत का भविष्य उन सुधारों पर निर्भर करता है जो चुनावों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाएं। जब तक मतदाता सूची शुद्ध नहीं होगी, तब तक चुनाव परिणामों पर संदेह रहेगा और लोकतंत्र की साख कमजोर होती जाएगी। एसआईआर इस दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जिसे किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव या भ्रम फैलाने वाले अभियानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में यह प्रक्रिया और अधिक निष्पक्ष और संरक्षित होती है, इसलिए विरोध के ये प्रयास और भी आधारहीन प्रतीत होते हैं।

लोकतंत्र की मरम्मत और मजबूती का यह अवसर खोना राष्ट्रहित के विरुद्ध होगा। जो दल इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, वे भले ही इसे जनता के हित का मुद्दा बताने का प्रयास करें, परंतु वस्तुतः वे अपने संकीर्ण हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत को ऐसी राजनीति की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जो सत्य को प्राथमिकता दे, सत्ता से अधिक संविधान को महत्व दे, और मतदाता सूची को राजनीतिक हथियार नहीं बल्कि लोकतंत्र की पवित्र सूची माने। एसआईआर की गति और दायरा इसलिए न केवल बनाए रखना चाहिए, बल्कि उसे और भी तेज, निर्णायक और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भारत का लोकतंत्र अवैध प्रभावों से मुक्त होकर एक मजबूत, पारदर्शी और विश्वसनीय भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

भारत की ताज़ा जीडीपी उछाल: 'मृत अर्थव्यवस्था' क्लब को मिला शांत लेकिन करारा जवाब

हाल के बजटों में सार्वजनिक पूँजीगत व्यय में 30% से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है, और इसके स्पष्ट परिणाम अब ज़मीन पर दिखाई दे रहे हैं

वैभव डांगे
संस्थापक एवं निर्देशक,
बिल्ड इंडिया फ़ाउंडेशन
(लोकनीति विशेषज्ञ)

भारत के नवीनतम तिमाही जीडीपी आंकड़े–सरकारी अनुमानों के अनुसार 7% से अधिक–ने एक बार फिर वैश्विक निराशावादियों को विनम्र लेकिन ठोस संदेश दिया है: भारत की अर्थव्यवस्था की मृत्यु की अफवाहें काफी बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई थीं। जब विकसित अर्थव्यवस्थाएँ मंदी से जूझ रही हैं और उभरते बाज़ार भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं में फँसे हुए हैं, भारत ने न केवल अपनी विकास गति बनाए रखी है बल्कि उसमें थोड़ा 'टर्बोचार्ज' भी जोड़ दिया है।

इस गति के केंद्र में है सरकार का अविरल इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस। हाल के बजटों में सार्वजनिक पूँजीगत व्यय में 30% से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है, और इसके स्पष्ट परिणाम अब ज़मीन पर दिखाई दे रहे हैं। राज्यों को जोड़ते नए हाईवे, आधुनिक हवाईअड्डे, रेलवे का रिकॉर्ड आधुनिकीकरण, बंदरगाह विस्तार, और समर्पित माल कॉरिडोर–इन सबने निर्माण, लॉजिस्टिक्स और सहायक क्षेत्रों में नई जान फूँक दी है। वैश्विक सप्लाई चेन आजकल कुछ ऐसे बर्ताव कर रही हैं जैसे मूडी किशोर–अनिश्चित, भावुक और ज़रा-सी बात में टूट जाने वाली। ऐसे माहौल में भारत का घरेलू कैपेक्स चक्र अर्थव्यवस्था के समझदार वयस्क की तरह स्थिरता देता दिख रहा है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने भी इस तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो और फ़ार्मा जैसे क्षेत्रों के सहारे विनिर्माण सीवीए में मजबूत वृद्धि रही। 2 लाख करोड़ से अधिक की ढछक योजनाओं ने कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, और वैश्विक सप्लाई-चेन विविधीकरण भारत के पक्ष में हवा बना रहा है। फैक्टरियों में अब केवल मंत्री-निरीक्षण के दौरान ही चहल-पहल नहीं होती–वास्तव में काम हो रहा है। क्षमता उपयोग 74% से ऊपर पहुँच गया है और कमोडिटी कीमतों में नरमी ने

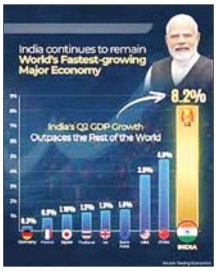

उद्योगों को राहत दी है।

और फिर आती है जीएसटी सुधारों की भूमिका। कभी जीएसटी को भारत की अर्थव्यवस्था पर ''घातक'' बताने वाले आलोचक अब थोड़ा असहज महसूस कर रहे हैं, क्योंकि हाल में की गई जीएसटी दर-कटौतियों–खासकर आवश्यक और व्यापक उपभोग वाली वस्तुओं पर–ने महँगाई के दबाव के बीच उपभोग को समर्थन दिया है। आज मासिक संग्रह 1.6झ1.7 लाख करोड़ के औसत पर मज़बूती से खड़ा है। चुनिंदा वस्तुओं पर कम दरों ने अनुपालन बढ़ाया, कर-आधार को चौड़ा किया और उपभोक्ता भावना सुधारी। कुल मिलाकर: कम टैक्स स्लैब, ज़्यादा टैक्स संग्रह–एक ऐसा समीकरण जिसे कुछ आलोचक अब भी क्वांटम फिज़िक्स जितना जटिल मानते हैं।

इस तिमाही के मजबूत जीडीपी आंकड़े वार्षिक वृद्धि दर को भी ऊपर ले जा सकते हैं। उद्योग और सेवा क्षेत्र दोनों गति में हैं और सरकारी कैपेक्स लगातार बढ़ रहा है, जिससे पूरे वर्ष की वृद्धि 6.8% से 7.2% के दायरे में रहने की उम्मीद है। वैश्विक मानकों में यह प्रदर्शन सिर्फ अच्छा नहीं–लगभग 'एथलेटिक' है। अमेरिका की नई टैरिफ नीतियों के बीच यह मज़बूत आर्थिक स्थिति भारत के लिए रणनीतिक रूप से भी फायदेमंद है। मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था भारत को व्यापार वार्ताओं में आत्मविश्वास देती है। मैन्युफैक्चरिंग की मजबूती भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का विश्वसनीय विकल्प बनाती है–जो अमेरिका भी चाहता है। और मजबूत टैक्स संग्रह यह सुनिश्चित करता है कि भारत कोई निर्बल पक्ष बनकर टैरिफ में रियायत की भीख माँगता नज़र न आए।

जिन आलोचकों ने भारत की अर्थव्यवस्था की ''शोकसभा'' समय से पहले ही आयोजित कर ली थी, उनके लिए सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि ''मरी हुई अर्थव्यवस्था'' आखिर दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में कैसे बनी हुई है? शायद अर्थव्यवस्था ने उनके रिपोर्ट्स पढ़े ही नहीं। शायद वह 'निराशावाद' नाम की भाषा बोलती ही नहीं। कुल मिलाकर, इस तिमाही का जीडीपी सिर्फ वृद्धि नहीं दिखाता–यह आर्थिक परिपक्वता भी दिखाता है। इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ने रीढ़ मजबूत की, विनिर्माण वृद्धि ने शरीर में नई ताकत भरी, जीएसटी सुधारों ने खून का संचार सुधारा और भू-राजनीतिक संतुलन ने पूरी व्यवस्था को फिट रखा।

मासूम चेहरों के पीछे छिपा आतंकवाद, क्रूरता और विध्वंस

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मज़हब के नाम पर गहरा धब्बा हैं। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती हैं। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में ज़हर और नफ़रत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वही दूसरी और युवाओं को रूपये और उनके परिवार का पोषण का जूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है।

अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी : बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका खुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते हैं वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते हैं। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उडाने पड़े। आतंकवादियों को जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमो को मारा है। इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर मैं बस इतना कहूंगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग़ से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती हैं। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी :आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो, कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामान न किया हो। पाकिस्तान मैं बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है। ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे हैं। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फ़ायदा पहुंचा रहे हैं। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशो में बैठे हुए हैं। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आतंकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच : वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही हैं। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है। सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अज़हर की बहन, है और लश्कर-ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अज़हर के निर्देशों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नज़र रखती थी है। आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानो को भी आतंकी बनाया जा रहा हैं।

आप की बात

जहां-तहां वाहन न लगाए

जहां-तहां वाहन लगाने से जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिसे यातायात प्रभावित होती है जिससे तत्काल सेवा एम्बुलेंस, स्कूल बस, कच्ची खाद्य सामग्री कुछ ज्यादा ही प्रभावित होती है जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान होता है क्योंकि यह सभी चीजर जीवन रेखार है होता यह है की मोटरसाइकिल, बड़े वाहन जहां कहां सड़क के किनारे खड़े करके कोई सामान खरीदने फिर अपना सामान खरीदने लगते हैं और गाड़ी को बेपरवाह वहीं छोड़ देते है जिससे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है वही बस और ट्रक लाइन होटल के पास सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं जैसे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है एवं दुर्घटना हो जाती है क्योंकि विपरीत दिशा से आ रही गाड़ी या कोई व्यक्ति को सामने की वस्तु दिखाई नहीं देती है अब तो ठंड का मौसम भी है जिसे कोहरा का प्रकोप बढ़ने की उम्मीद है जिससे सड़क दुर्घटना भी बढ़ जाती है वहीं शहरी की जाम समस्या में बड़े-बड़े दुकान,मॉल जिसमें अधिकांश के पास अपना पार्किंग सुविधा नहीं है जिसके कारण लग्जरी गाड़ी एवं दोपहिया गाड़ी सड़क के किनारे ही लगते हैं ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि जिनके पास पार्किंग की सुविधा नहीं है उन पर कार्रवाई करे आमजन को भी अपनी सुरक्षा की ख्याल रखते यातायात के नियम का पालन करके हेलमेट पहनकर गाड़ी चलानी चाहिए। **एस कुमार चंदवारा, लालगंज, वैशाली**

न्यायिक संस्थाओं का कार्य राजनीतिक प्रशासनिक प्रभाव से मुक्त है'

सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सूर्याकान्त ने कहा कि देश की न्यायिक संस्थाएं राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव से मुक्त होकर अपना कार्य करती हैं. उन्होंने कानून के विद्यार्थियों को भी सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटली युग में डीपफेक, गलत सूचना और डिजिटल गिरफ्तारियों के इस दौर में ईमानदारी केवल आदर्श ही नहीं बल्कि अस्तित्व का एक सहारा है और यही वास्तविक सफलता का एक मात्र शॉर्टकट भी है. सही बात है वर्तमान समय में डिजिटली कारस्तानियां बढ़ती जा रही हैं. सोशल मीडिया ने इसे और अधिक बढ़ा दिया है. तब ये सब आज के समय में कानूनी, सामाजिक और राजनीतिक रूप में चुनौतियां बनती जा रही हैं. जिनका सामना समाज, सरकार, विधिवेत्ता और विद्वानजन मिलकर ही ईमानदारीपूर्वक सरलता से कर सकते हैं. ताकि समाज में फ़ैल रही अनावश्यक भ्रांतिया दूर की जा सके और उनसे होने वाले अनावश्यक नुकसान व परेशानियों से लोगों को बचाया जा सके।

शकुंतला महेश नेनावा
57, गिरधर नगर (तिलक नगर के पास), इंदौर (म..प्र.).

मोदी जी का डीजीपी से आग्रह

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में डीजी आई जी कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदीजी की संवेदनशीलता और पीड़ा उभर कर आयी जब उन्होंने कहा कि जिस तरह अपराधी सरेआम घूम रहे है और जिस तरह महिलाओं के साथ दुष्कर्म, अपराध और वे दहेज प्रताड़नाओं की शिकार हो रही है उनकी सुरक्षा के लिए पुलिसिंग को मजबूत बनाना होगा इसके लिए तकनीकी में सुधार करना होगा जिससे स्मार्ट तकनीकी माध्यम से अपराधियों की धर पकड़ हो सके और महिलाओं की सुरक्षा हो सके।

मोदीजी की इस राय के साथ साथ पुलिसिंग में सुधार के साथ साथ देश की न्याय प्रक्रिया में भी सुधार हो जाए तो सोने में सुहागा हो जाए क्योंकि देखने में यही आ रहा है कि कोर्ट से निर्णय होने में देरी होती है तो गवाह पलट जाते है और एविडेंस के साथ छेड़खानी हो जाती है जिससे अपराधी बिना सजा के बरी हो जाता है,जो कि देश की न्यायिक प्रणाली के लिए एक प्रश्न चिन्ह छोड़ जाती है ।

भगवानदास छारिया
सोमानी नगर इंदौर

प्राथमिकताएं पटरी से उतरीं

होम क्रेडिट इंडिया जैसी एनबीएफसी की ताज़ा रिपोर्ट चौंकाती है–घर, पढ़ाई जैसे बड़े सपनों के लिए ऋण लेने वाले तेज़ी से घटते जा रहे हैं, जबकि स्मार्टफ़ोन के लिए ऋण लेने वालों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। पिछले एक वर्ष में ही फ़ोन ऋण 9% उछला, जबकि गृह ऋण 3% सिमट गया। मानो हमारी प्राथमिकताएँ उलट गई हों। आज का युवा घर की चाबी की ठोस सुरक्षा से अधिक नयी फ़ोल्डेबल स्क्रीन की चमक को भविष्य मान रहा है। ईएमआई पर 80 हजार का फ़ोन लेना ''समझदारी'' लगता है, पर 25-30 लाख का घर ''बोझ''।

यह सिर्फ आँकड़ा नहीं, हमारी सोच का दर्पण है। हम वह समाज बन गए हैं जो दिखावे की चमक को ही सुख मान बैठा है। घर अब निवेश नहीं, बोझ लगता है; और फ़ोन प्रतिष्ठा तथा त्वरित सुख का साधन बन गया। बैंक भी प्रसन्न–छोटे ऋण जल्दी लौटते हैं, जोखिम नगण्य। सच यही है कि हम भविष्य को गिरवी रखकर वर्तमान की चमक किराए पर ले रहे हैं। जिस दिन यह स्क्रीन मद्धिम पड़ेगी, घर का सपना फिर उतना ही दूर दिखेगा–बिना किसी चाबी के।

प्रो. आरके जैन ''अरिजीत'', बड़वानी (मप्र)

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामला : परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र के तीन पन्ने हुए थे आउट

सीबीआई ने बॉबी पंवार को पूछताछ के लिए बुलाया

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पहली गिरफ्तारी करने के बाद अब पूर्व बरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार को तलब किया है। सीबीआई ने पूर्व बरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार को सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। सीबीआई, बॉबी पंवार से यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में पूछताछ करेगी।

बता दें 21 सितंबर को हुई उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा के दौरान एक परीक्षा केंद्र में प्रश्नपत्र के तीन पन्ने आउट होने के बाद सबसे पहले बॉबी पॉवर के पास आए थे। जिसके बाद बॉबी ने मीडिया के सामने पेपर लीक का खुलासा किया था। 21 सितंबर को यूकेएसएसएससी ने स्नातक स्तरीय परीक्षा कराई थी।

परीक्षा के दौरान पेपर का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। बेरोजगार संघ ने आरोप लगाया कि यह पेपर लीक हुआ है। पुलिस ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया। जांच की तो पाया कि यह पेपर हरिद्वार के बहादरपुर जट स्थित सेंटर से बाहर आया था। पेपर को वहां मौजूद एक परीक्षार्थी खालिद ने पहले से केंद्र में छिपाए मोबाइल के माध्यम से अपनी बहन साबिया को भेजा। साबिया ने इसे सहायक प्रोफेसर सुमन चौहान को भेजा। सुमन टिहरी गढ़वाल के शहीद श्रीमति हंसा धनई राजकीय महाविद्यालय में पढ़ाती थी। पुलिस ने 22 सितंबर को सुमन चौहान को हिरासत में लिया।

पूछताछ के बाद खालिद को गिरफ्तार कर लिया गया। प्राथमिक पड़ताल के बाद खालिद की बहन साबिया को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जांच में पाया था कि सुमन इस षड्यंत्र में इरादतन शामिल नहीं हुई थी बल्कि उसे यह पता ही नहीं था कि यह पेपर किसी प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित है। ऐसे में उसे जांच में सहयोग के नाम पर छोड़ दिया गया। जिसके बाद सीबीआई जांच की मांग की गई।

सीबीआई ने 26 अक्टूबर को दर्ज किया था मुकदमा

धरनास्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीबीआई जांच की संस्तुति की। सरकार की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सीबीआई ने 26 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज किया। अब सीबीआई ने प्राथमिक जांच में सुमन चौहान को षड्यंत्र में शामिल पाते हुए शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को शनिवार को स्पेशल जज सीबीआई की अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, अब पूर्व बरोजगार संघ अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा काफी दिनों से सोच रहा था कि सीबीआई जांच शुरू हुए काफी दिन बीत गए पर अभी तक बुलावा नहीं आया, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। सोमवार का बुलावा आया है। उन्होंने बताया सीबीआई की पूछताछ में हमारी तरफ से पूरा सहयोग किया जाएगा। हमने ही इस मामले में सीबीआई की मांग की थी।

देवाल-बेराधार मार्ग पर मिला मासूम का कटा सिर

- चमोली में सनसनी, पुलिस ने तेज की जांच

पायनियर समाचार सेवा। चमोली

उत्तराखंड के देवाल-बेराधार मोटर मार्ग पर सुबह सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक मासूम बच्चे का कटा हुआ सिर पड़ा देखा।

भय और सदमे से घबराए ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे के सिर को कब्जे में लेकर विधि अनुसार पंचनामा भरते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए कर्णप्रयाग भेज दिया। थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया ने बताया कि घटनास्थल से बच्चे का केवल सिर मिला है, जबकि धड़ का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। बच्चे की पहचान भी फिलहाल अज्ञात है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद बच्चे की आयु, परिस्थिति और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी, जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

सूचना ग्राम प्रहरी के माध्यम से देवाल चौकी को मिली थी, जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस हर संभावित पहलू—लापता बच्चे की रिपोर्ट, आसपास के गांवों से मिलान, घटनास्थल के निशान और संदिग्ध गतिविधियों—सब पर बारीकी से छानबीन कर रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना से भय का माहौल है।

रेलवे भूमि अतिक्रमण केस : सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले नैनीताल में अलर्ट

पुलिस-प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के लिए कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। नैनीताल

- बैठक के दूसरे चरण में कप्तान नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पुलिस की रणनीति का खाका सामने रखा

रेलवे भूमि अतिक्रमण से जुड़े मामले में 2 दिसंबर 2025 को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की अहम सुनवाई से पहले पूरा जिला प्रशासन और पुलिस महकमा हाई-अलर्ट पर है। अदालत के किसी भी निर्णय के बाद संभावित तनाव को देखते हुए, जिले में सुरक्षा-व्यवस्थाओं को लेकर पहले ही तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुबह से ही बहुउद्देशीय भवन के सभागार में एक असामान्य हलचल देखी गई।

जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का मकसद था सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर परिस्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्ययोजना तैयार करना। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, बल की तैनाती, लॉजिस्टिक सपोर्ट, और संभावित भीड़-प्रबंधन को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही स्थिति को बिगाड़ सकती है, इसलिए हर विभाग अपनी भूमिका समय से पहले तैयार रखे। बैठक के दूसरे चरण में कप्तान नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पुलिस की रणनीति का खाका सामने रखा। उन्होंने सभी अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था को बाधित करने वालों, सरकारी कार्य में हस्तक्षेप करने वालों या अवैध हथियार/संसाधन जुटाने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

जिले भर में कानून व्यवस्था

- सघन चेकिंग
- तथ्यों का सत्यापन
- निरंतर गश्त
- अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती
- स्टैटिक पिकेट और मोबाइल पेट्रोलिंग

जैसी कार्रवाइयों को तुरंत प्रभाव से तेज करने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया सेल को 24X7 एक्टिव रहने के निर्देश दिए

इतिहास में कई बार अदालतों के संवेदनशील फैसलों के बाद देश के कई राज्यों में विरोध और अव्यवस्था देखी गई है। प्रशासन ने उन्हीं अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार कोई कमी नहीं छोड़ने का निर्णय लिया है। रेलवे भूमि विवाद पहले भी कई बार तनाव का कारण बना है, इसलिए जमीनी स्तर पर सतर्कता आवश्यक मानी जा रही है। इसके अलावा कप्तान ने सोशल मीडिया सेल को 24X7 एक्टिव रहने के निर्देश दिए, ताकि किसी प्रकार की अफवाह, उकसावे वाली पोस्ट या भ्रामक जानकारी को तुरंत चिन्हित किया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि अफवाह फैलाने वालों और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सीधी कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक समाप्त होते-होते यह साफ हो गया कि नैनीताल प्रशासन और पुलिस, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हर विभाग को अपनी भूमिका तय कर दी गई है और जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू भी हो चुकी है।

ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में दरार आने के बाद लिया फैसला

पर्यटक इस वर्ष भी नहीं ले सकेंगे रोपवे का आनंद

पायनियर समाचार सेवा। ज्योतिर्मठ

ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में दरार आने के बाद से ज्योतिर्मठ से औली को जोड़ने वाला पर्यटकों की पहली पसंद रोपवे बंद है, रोपवे बंद होने के कारण यहां पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या घाटी है और इस वर्ष भी पर्यटक औली पहुंचकर रोपवे का आनंद नहीं ले सकेंगे।

नगर क्षेत्र में दरार पढ़ने के कारण रोपवे का टावर क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके बाद से अब तक रोपवे का संचालन शुरू नहीं हो पाया है हालांकि लोगों को उम्मीद थी कि इस वर्ष रोपवे का संचालन शुरू होगा उल्लेखनीय है कि चार धाम यात्रा का भी समापन हो गया है अब पर्यटन से संबंधित व्यापार करने वाले व्यापारियों की निगाहें भी औली में आने वाले पर्यटकों से होने वाली आमदनी पर टिकी हुई है आलम यह है कि इस वर्ष भी रोपवे का संचालन होना मुश्किल है जिस कारण पर्यटकों की संख्या घटती जरूर है उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया की रोपवे का क्षतिग्रस्त टावर नगर के अति संवेदनशील इलाके में होने के कारण उसको दुरुस्त नहीं किया जा सका है जिस कारण इस वर्ष भी रोपवे का संचालन हो पाना मुश्किल है।

> रोपवे का क्षतिग्रस्त टावर नगर के अति संवेदनशील इलाके में होने के कारण उसको दुरुस्त नहीं किया जा सका है जिस कारण इस वर्ष भी रोपवे का संचालन हो पाना मुश्किल है।
>
> -चंद्रशेखर वशिष्ठ, उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ

किलपुरा वन क्षेत्र में फिर हाथी शावक की मौत, एक महीने में दूसरा हादसा

- बच्चे का शव मिलने से वन विभाग में मच गया हड़कंप

पायनियर समाचार सेवा। खटीमा

किलपुरा वन क्षेत्र से एक बार फिर वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जंगल की गहराइयों में मात्र चार वर्ष के नर हाथी के बच्चे का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। चिंता को और बढ़ाने वाली बात यह है कि इसी क्षेत्र में पिछले एक महीने के भीतर यह दूसरी मौत है, जिसने पूरे वन महकमे को चिंता और सदमे में डाल दिया है।

जैसे ही घटना की सूचना मिली, तराई पूर्वी वन प्रभाग के डीएफओ हिमांशु बागड़ी और एसडीओ संचिता वर्मा तत्काल मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृत हाथी के दांत व शरीर पूरी तरह सुरक्षित हैं तथा मृत्यु लगभग दो से चार दिन पुरानी प्रतीत होती है। हालांकि अभी तक मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। वन रेंजर मनोज कुमार पांडे के नेतृत्व में गश्त के दौरान वन कर्मियों को पश्चिमी किलपुराझद्वितीय क्षेत्र में यह शव दिखाई दिया, जिसके बाद तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना भेजी गई और टीम को चौकन्ना कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय मेडिकल टीम – पशु चिकित्साधिकारी राजेंद्र राम, डॉ. राहुल सती और डॉ. हिमांशु – की देखरेख में पोस्टमार्टम कराया। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही हाथी के बच्चे की मौत के पीछे छिपी सच्चाई सामने आ सकेगी। देर शाम वन विभाग ने निर्धारित नियमों के अनुसार शव को दफना दिया।

लगातार कम समय में दो हाथी शावकों की मौत ने वन्यजीव संरक्षण की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञ इसे चिंताजनक संकेत मान रहे हैं।

ड्रोन से चिन्हित अतिक्रमण, सरकारी भूमि पर बनी मस्जिद हुई सील

- पुलिस अधीक्षक और एसडीएम पुलिस बल व विभागीय कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। किच्छा

ग्राम सिरोली क्षेत्र प्रशासनिक सख्ती का केंद्र बना रहा, जब जिला विकास प्राधिकरण की टीम ने एसएसपी की मौजूदगी में सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ अपना विशेष अभियान तेज किया। अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र का ड्रोन की मदद से विस्तृत सर्वेक्षण कर नक्शों से मिलान किया और जमीन पर किए गए कब्जों को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया।

जिला विकास प्राधिकरण के वीसी जयकिशन, एडीएम पंकज उपाध्याय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्र तथा एसडीएम गौरव पांडे भारी पुलिस बल और विभागीय कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने ड्रोन उड़ाकर अवैध निर्माणों, बदलावों और कब्जाई गई सरकारी भूमि का प्रत्यक्ष रूप से निरीक्षण किया। सर्वे के बाद संबंधित अतिक्रमणकारियों को मौके पर ही चेतावनी देते हुए सरकारी जमीन तुरंत खाली करने के निर्देश दिए गए।

अभियान के दौरान एक और महत्वपूर्ण कार्रवाई तब हुई, जब अधिकारियों ने सरकारी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित एक मस्जिद के प्रबंधन से संपर्क करने के लिए बुलावा भेजा। लेकिन निर्धारित समय तक कोई प्रतिनिधि न पहुंचने पर प्रशासन ने मस्जिद परिसर को सील कर दिया। इसके साथ ही मस्जिद में लगे अवैध विद्युत कनेक्शन को गंभीर उल्लंघन मानते हुए अधिकारियों ने बिजली विभाग को तुरंत रपट दर्ज करने के आदेश जारी किए। पूरे अभियान के दौरान क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा, लोग अपने घरों से बाहर निकलकर स्थिति को देख रहे थे।

चमोली जिले में महसूस किये गए भूकंप के झटके

गोपेश्वर। उत्तराखंड के सीमांत जिले चमोली में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रविवार को 10 :27 मिनट पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। ये झटके जिले के अलग-अलग क्षेत्र में महसूस किये गये हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र से के अनुसार भूकंप की तीव्रता 3.7 एवं गहराई 5.00 किमी मापी गई है। भूकंप का केंद्र बिंदु गोपेश्वर और जोशीमठ के मध्य था। भूकंप के झटके से किसी भी प्रकार की कोई हानि नहीं हुई है।

भूकंप की तीव्रता 3.7 एवं गहराई 5.00 किमी मापी गई

चमोली में एक माह पूर्व भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। उत्तराखंड का पूरा क्षेत्र ही हाई सिस्मिक जोन में होना चाहिए। भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान की आशंका भी उत्तराखंड में ही है. यही वजह है कि इस पूरे क्षेत्र को हाई सिस्मिक जोन में रखा गया है।

प्रशासनिक अधिकारी से निवेश के नाम पर 1.18 करोड़ की ठगी

- व्हाट्सएप कॉल से शुरू हुआ था खेल

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रपुर

अल्मोड़ा के एक उच्च प्रशासनिक अधिकारी साइबर अपराधियों के अंतरराज्यीय गिरोह के निशाने पर आ गए और व्हाट्सएप कॉल से शुरू हुई बातचीत गोल्ड माइनिंग तथा फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी में बदल गई। चमकदार मुनाफे का सपना दिखाकर साइबर ठगों ने अधिकारी से कुल 1.18 करोड़ रुपये हड़प लिए। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पंतनगर में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घटना की शुरूआत 4 अगस्त को तब हुई, जब एक अज्ञात महिला ने अधिकारी को व्हाट्सएप कॉल और संदेश भेजकर संपर्क साधा। खुद को मुंबई की रहने वाली बताने वाली इस महिला ने विश्वास दिलाया कि वह 'गोल्डन ब्रिज निवेश' नामक कंपनी से जुड़ी है, जो ऑनलाइन गोल्ड माइनिंग और फॉरेक्स ट्रेडिंग के जरिए भारी मुनाफा कमाने का अवसर प्रदान करती है। महिला ने पीड़ित का ईमेल आईडी लेकर कंपनी की वेबसाइट पर उनका एक निवेश खाता भी बना दिया, जिससे अधिकारी का भरोसा और अधिक मजबूत हो गया। इसके बाद गिरोह ने योजनाबद्ध तरीके से अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी भेजते हुए पहले छोटे फिर बड़े निवेश के लिए प्रेरित किया। तेजी से लाभ का लालच दिखाकर अधिकारी ने 4 अगस्त से 29 सितंबर के बीच कई बार अलग-अलग खाते में बड़ी धनराशि ट्रांसफर कर दी।

उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी के नेतृत्व में जिला प्रशासन की कार्रवाई

सीएसी सेंटर पर जिला प्रशासन ने ताला लगाकर किया सील

- केंद्र में विभिन्न सेवाओं हेतु निर्धारित दर से अधिक शुल्क वसूली
- अग्रिम आदेशों तक केंद्र संचालन किया बंद

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने तहसील परिसर अवस्थित रमन एन्टरप्राईजेज, सीएससी सेंटर में औचक निरीक्षण एवं छापेमारी की कार्रवाई की। यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी कुमकुम जोशी के नेतृत्व में की गई।

जिला प्रशासन द्वारा अनियमितता पाए जाने पर सीएससी सेंटर को सील करते हुए केंद्र पर ताला जड़ दिया है। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर अनियमिताएं पाई गई। जनसेवा केंद्र पर विभिन्न योजनाओं के आवेदन अभिलेख पाए गए जिनमें आवेदकों के हस्ताक्षर नहीं थे। टीम द्वारा अभिलेखों के बारे में पूछे जाने पर सेंटर में मौजूद स्टॉफ जानकारी नहीं दे पाए साथ ही विभिन्न प्रमाण पत्र बनाने हेतु निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करना पाया गया तथा 27 नवंबर 2025 से दैनिक रजिस्टर अद्यतन नही किए जाने व अन्य कई अनियमितताएं पाई गई। जिस पर जिला प्रशासन द्वारा सेन्टर को सील करते हुए अग्रिम आदेशों तक केंद्र का संचालन बंद कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सीएससी सेंटर में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है सीएससी केन्द्रों पर अनियमितता पाए जाने पर ताला लगेगा।

जांच में कई गंभीर त्रुटियां पाई गईं

निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा केंद्र में संचालित विभिन्न सेवाओं, अभिलेखों, लेन-देन विवरणों तथा सेवा शुल्क आदि की गहन जांच की गई। जांच में कई अनियमितताएं, नियमों का अनुपालन न होना एवं सेवा प्रदायगी में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। केंद्र संचालक द्वारा संतोषजनक उत्तर न दिए जाने एवं अनियमितताओं के प्रमाण मिलने पर प्रशासन ने देवभूमि सीएससी सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन-सेवा से जुड़े किसी भी केंद्र पर अनियमितता, उपभोक्ता शोषण या पारदर्शिता का अभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है, और सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु प्रशासन निरंतर सघन निरीक्षण अभियान जारी रखेगा। इस कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक टीम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम विजय बहुगुणा, मंत्री सौरभ बहुगुणा का शक्तिफार्म में अभिनंदन

- कांग्रेस पर जमकर बरसे सौरभ बहुगुणा, विकास में बताया बाधक

पायनियर समाचार सेवा। शक्तिफार्म

शक्तिफार्म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उच्चीकृत किए जाने का जीओ जारी होने पर शक्तिफार्म में आयोजित समारोह में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया।

दुर्गा मंदिर प्रांगण टैगोरनगर के प्रांगण में आयोजित सभा में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा वर्ष 2012 से क्षेत्र में विकास कार्यों को बताते हुए कांग्रेस को विकास में अवरोधक बताया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएम विजय बहुगुणा व कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का सम्मान करते हुए आभार जताया।कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि क्षेत्र के लोगों से उनके पारिवारिक रिश्ते हैं। वे हर दुख, सुख में उनके साथ हैं।

शक्तिफार्म पीएचसी के उच्चीकरण की मांग लम्बे समय से थी। अब शक्तिफार्म सीएचसी में नौ डॉक्टरों समेत 35 स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास रोकने के लिए कार्य करती है। सितारगंज में सौ करोड़ की लागत से एक्वापार्क बन रहा है। जिसमें हजारों को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। क्षेत्र का विकास होगा। तीन वर्ष से लापता कांग्रेस के लोग अचानक एक्वापार्क रोकने के लिए धरने में बैठ गये। 15 दिनों तक धरना देकर गरीबों को मुहरा बनाया। अंत में वहीं निर्णय हुआ जो दो वर्ष पहले उन्होंने आश्वासन दिया था। मंत्री बहुगुणा ने कहा कि सिरसा रोड निर्माण की अवरोधक कांग्रेस बनी।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 1 दिसंबर 2025

एक नजर

दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, केस दर्ज

शामली। जनपद में चलाए जा रहे आपरेशन सवेरा अभियान के तहत झिंझाना पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 4 लाख 40 हजार रुपये कीमत की 40.40 ग्राम अवैध स्मैक भी बरामद की है। पुलिस ने तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जनपद पुलिस द्वारा इस दिनों आपरेशन सवेरा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड की जा रही है। इसी अभियान के तहत झिंझाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गांव ओदरी निवासी जावेद पुत्र रियासत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20.40 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 2 लाख 40 हजार रुपये बतायी गयी है। पुलिस ने तस्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के संबंध में जांच पडताल शुरू कर दी है। इसके अलावा झिंझाना पुलिस ने एक अन्य मादक पदार्थ तस्कर रियासत पुत्र मांगा निवासी गांव केरटू थाना झिंझाना को पकडा। पुलिस ने तस्कर के कब्जे से 20 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत 2 लाख रुपये बतायी गयी है।

फसल अपशिष्ट जलाने पर पांच हजार का जुर्माना

सहारनपुर। उपजिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम पुण्डेन एक किसान लियाकत पुत्र भूरा को खेत में फसल अपशिष्ट जलाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। एस.डी.एम ने बताया कि शासन के स्पष्ट निदेशों के अनुसार फसल अवशेष जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने पर उपजिलाधिकारी ने मौके पर ही किसान पर 5000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। उपजिलाधिकारी सुबोध कुमार ने साफ कहा कि पराली या गन्ने की पत्ती जलाने जैसी गतिविधियाँ पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं और प्रशासन ऐसे मामलों पर लगातार सख्त कार्रवाई करेगा।

अवैध स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अंबेहटा पीर। थाना नकुड़ पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन सवेरा के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को 25 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी नीरज पंवार व पुलिस टीम ने अंबेहटा के मोहल्ला कोटला स्थित ईदगाह कब्रिस्तान के पास घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान इंशार पुत्र ईशा निवासी गांव घाटमपुर, थाना नकुड़, जिला सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 25 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। इस संबंध में थाना नकुड़ पर मु0अ0सं0 554/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर लिया गया है।

किक्की जैन गैंग के खिलाफ फूट रहा गुस्सा

खतौली। कस्बे में लंबे समय से व्यापारियों, स्कूल संचालकों, प्रॉपर्टी डीलरों और आम नागरिकों को ब्लैकमेलिंग व रंगदारी में उलझाने वाले विनय जैन उर्फ किक्की जैन और उसके गैंग के खिलाफ अब जनता का सब्र टूट गया है। रविवार को नगरवासियों ने व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाकर किक्की जैन के अत्याचारों और शातिर तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक किया। अभियान में लोगों का भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना था कि किक्की जैन और उसके गुर्गे भय, दबाव और धमकी के जरिए सम्मानित नागरिकों से अवैध वसूली करते हैं। भीड़ ने बताया कि किक्की का पूरा गैंग उसके घर से संचालित होता है और उसके परिवार के लोग भी इसमें शामिल बताए जाते हैं। इससे पहले शनिवार को कस्बे के सम्मानित नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्कूल-कॉलेज प्रबंधन ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने किक्की जैन पर रंगदारी के मुकदमे दर्ज करने और उसकी जल्द गिरफ्तारी की मांग उठाई। कई लोगों ने खुलकर आरोप लगाया कि उसके आतंक से परेशान होकर कई परिवार पहले ही कस्बा छोड़ चुके हैं, जबकि कुछ पलायन की तैयारी में हैं।

कांग्रेस सेवादल ने किया ध्वजारोहण

सहारनपुर। महानगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अनुज शर्मा द्वारा ध्वज वन्दना का कार्यक्रम सेक्टर 16 नवीन नगर में कांग्रेस महानगर सचिव उपमा संह जी यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राहुल सिंह सेक्टर अध्यक्ष रवि पुंडीर के यहां शिव चौक पर किया गया जिस में ध्वजा रोहन महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनीष त्यागी जी जिला उपाध्यक्ष चंद्रजीत निक्कू जी उपमा सिंह जी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनीष त्यागी ने कहा की चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर हो रही है कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों को इस में शामिल हो कर अपने अपने क्षेत्र में बीएलओ की मदद करें जिस से किसी का वोट खत्म नहीं होगा जिला उपाध्यक्ष चंद्रजीत निक्कू ने कहा की आज देश की हालत बहुत खराब होती जा रही है बीजेपी सरकार ने देश को इतने कर्ज में दवा दिया है की आज देश सी ग्रेड में चला गया है और का रुपया दिन प्रति दिन गिरता जा रहा है देश को बचाना है तो फिर से कांग्रेस की सरकार बनानी होगी। सेवादल अध्यक्ष अनुज शर्मा ने कहा की सेवादल द्वारा ध्वज वन्दना का कार्यक्रम महानगर के सभी सेक्टर मे किया जा रहा है।

अनियंत्रित होकर दीवार से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

मातम में बदली शादी की खुशियां

- भाई की शादी में शामिल होने के लिए कपड़े खरीदने बाजार जा रहे थे दोनों युवक

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

तहसील क्षेत्र के ग्राम नगला झंडा में एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दीवार से टकरा गई। जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

ग्राम चांड़ी का निवासी शोयब पुत्र खुर्शीद बाइक पर सवार होकर बेहट से कपड़े खरीदने के लिए आया था। उसी की बाइक पर एक युवक और सवार था जैसे ही यह दोनों ग्राम नगला झंडा में पहुंचे तो उनकी बाइक अनियंत्रण होकर एक दीवार से टकरा गयी जिसकी वजह से दोनों बाइक से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को बेहट कस्बा स्थित सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दरम्यान पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचित किया। सूचना मिलते ही घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। ग्राम वासियों ने बताया कि मृतक शोएब कपड़े खरीदने के बाद अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते से एक व्यक्ति उसकी बाइक पर बैठ गया।जैसे ही वह दोनो नगला झंडा गांव के पास पहुंचे तो बाइक अन्यत्रित होकर सड़क किनारे दीवार से टकरा गयी।

बाइक पर सवार पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान अनस निवासी ग्राम मुजाहिद पुर थाना फतेहपुर के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद बेहट विधानसभा के विधायक उमर अली खान,कस्बे के नगर पंचायत अध्यक्ष अब्दुल रहमान मौके पर पहुंचे और मृतकों के परिजनों को मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। बताया जा रहा कि मृतक शोयब के चचेरे भाई की बारात आज इतवार को ग्राम दबकौरा जानी थी।

आधार कार्ड पर नए आदेश पर बोले लोग

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

- एक खुली परिचर्चा से निकलती जमीन की आवाजें

उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले कि आधार कार्ड अब जन्मतिथि का प्रमाण नहीं माना जाएगा, ने गाँव से लेकर शहर तक चर्चा छेड़ दी है। पायनियर ने विभिन्न गांव और नगर के क्षेत्रों की जनता से बातचीत की और उनके विचार जाने। किसानों विकास, सुनील, खूबसिह, फूलसिंह, रामलाल, आदि ने कहा कि हमारे यहाँ तो बच्चों का जन्म घर में होता है, कागज कहाँ से लाएँ? हमारे बुजुर्गों का तो कोई रिकॉर्ड ही नहीं। अब प्रमाणपत्र बनवाने के लिए दफ्तर-दर दफ्तर भटकना पड़ेगा। पहले ही एसआईआर ने परेशान कर रखा है, अब ये नया झंझट। ग्रामीणों की झुंझलाहट-उम्र तो पंचायत के रिकॉर्ड में लिखी है, उसे क्यों नहीं माना जाएगा? युवा वर्ग का कहना है कि यह बदलाव अचानक किया गया है। आधार बनाते समय ही सही उम्र पूछी थी, अब कह रहे हैं कि यह अनुमानित है? तो पिछली प्रक्रिया क्या गलत थी? युवाओं ने नाराजगी जताते हुय कहा कि फॉर्म, नौकरी, प्रवेश—हर जगह आधार चल रहा था। अब हाईस्कूल प्रमाणपत्र न होने वालों का क्या होगा? महिलाएँ मीनाक्षी, सोनम, बेबी, कुसुम, ललिता बोली कि जिनका जन्म घर पर हुआ और शादी के बाद गाँव बदला, वे कैसे साबित करें उम्र? हमारे समय में तो जन्म पंजीकरण होता ही नहीं था। अब उम्र साबित करने के लिए कौन से कागज दें।

गैंगस्टर एक्ट के दो मामलों में तीन आरोपी दोषी करार

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

- पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन में हुई प्रभावी और लगातार पैरवी

अपराधियों पर नकेल कसने और मुकदमों में त्वरित सजा सुनिश्चित कराने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान में शामली पुलिस को बड़ा मुकाम हासिल हुआ है। गैंगस्टर एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में अदालत ने तीन अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सख्त सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन में हुई प्रभावी और लगातार पैरवी के चलते यह महत्वपूर्ण सफलता मिली है, जिसे पुलिस प्रशासन एक बड़ी उपलब्धि मान रहा है।

थाना आदर्श मंडी में वर्ष 2009 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में अभियुक्त राहुल पुत्र राधेश्याम निवासी मोहल्ला पंसारियान थाना कोतवाली शामली को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) की अदालत ने दो वर्ष के कारावास और पाँच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास तय किया गया है। यह मामला वर्षों पुराना होने के बावजूद पुलिस ने फाइलों को पुनः सक्रिय कर साक्ष्यों को मजबूत किया, और अदालत में प्रभावी ढंग से पैरवी की। पुलिस की इस तैयारी और साक्ष्यों की मजबूती के चलते अभियुक्त को दोष सिद्ध घोषित किया गया। इसके अलावा वर्ष 2023 में थाना कोतवाली शामली में दर्ज मुकदमे में दो अभियुक्त आकाश उर्फ मिन्टू पुत्र विनोद व गौरव उर्फ अंकित पुत्र प्रेमपाल निवासीगण ग्राम लिलौन को अदालत ने दो वर्ष तीन माह का कारावास और दस-दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

घर में घुसकर हमला करने व बिजली मीटर तोड़ने का आरोप

शामली। आदर्श मंडी क्षेत्र के गांव न्यामतुल्लापुर निवासी एक वृद्ध ने गांव के ही कुछ लोगों पर घर में घुसकर गाली गलौच, मारपीट व बिजली के मीटर को क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाते हुए पांच महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। न्यामतुल्लापुर निवासी जसबीर ने एसपी आफिस पर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 30 अक्तूबर को वह अपनी पत्नी के साथ घर पर मौजूद था, इसी दौरान गांव की ही प्रेमलता पत्नी जगेमर, सुमन पत्नी सत्यवीर, ललिता पत्नी दीपक, अंजली पत्नी सचिन, स्वाति पुत्री सत्यवीर उनके घर में घुस आए तथा गाली गलौच करते हुए मारपीट की। उस समय तो आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच बचाव कराया लेकिन 18 नवम्बर को उक्त लोग उसके घर में फिर से घुस आए तथा एक आरोपित सचिन ने लाठी, डंडों से उसके घर के दरवाजे व बिजली के मीटर को क्षतिग्रस्त कर दिया।

खतौली में सपा का डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान तेज

- वोटर सूची सुधार के लिए भरे गए फॉर्म

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

खतौली विधान सभा क्षेत्र में रविवार को जीटी रोड स्थित कोतवाली के बराबर समाजवादी पार्टी द्वारा एसआईआर जन जागरूकता अभियान चलाया गया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं ब्लॉक प्रभारी श्याम लाल बच्ची सैनी के नेतृत्व में टीम ने घर-घर पहुंचकर लोगों से संवाद किया और आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची में सुधार करवाने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों से आवश्यक दस्तावेज लेकर मौके पर ही फॉर्म भरवाए गए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न छूटे। कार्यकर्ताओं ने युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को नई वोटर आईडी, पते में बदलाव, नाम सुधार और उम्र सत्यापन से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी सरल भाषा में समझाई। श्याम लाल बच्ची सैनी ने कहा कि लोकतंत्र में हर सही वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि किसी भी परेशानी के लिए बेझिझक संपर्क करें, समाजवादी परिवार का लक्ष्य है कि हर सही वोट सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों ने अभियान की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से मतदाताओं में जागरूकता बढ़ती है तथा सरकारी प्रक्रियाओं को समझना आसान हो जाता है। कार्यकर्ताओं ने पर्चे वितरित करते हुए वोटर सूची सुधार की अंतिम तिथियों की जानकारी भी उपलब्ध कराई। पूरे दिन समाजवादी कार्यकर्ता सक्रिय रहे और क्षेत्र में जागरूकता का माहौल बना रहा।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ यातायात नवंबर माह का समापन

- यातायात पुलिसकर्मियों, यातायात माह में सहयोग करने वाले छात्र-छात्राओं व उद्यमियों का हुआ सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। शामली

रविवार को यातायात माह के समापन के मौके पर सिटी ग्रीन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे माह यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने वाले पुलिसकर्मियों, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं व यातायात माह के दौरान सहयोग करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

जानकारी के अनुसार रविवार को दिल्ली रोड स्थित सिटी ग्रीन में यातायात माह के समापन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी एनपी सिंह रहे। उन्होंने कहा कि यातायात माह का आयोजन वाहन चालकों व अन्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया जाता है। इस दौरान यातायात पुलिसकर्मी स्कूल, कालेजों, मुख्य मार्गों, चौराहों पर वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बैल्ट लगाने के लिए प्रेरित करते हैं वहीं तेज गति से वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, ट्रिपल राइडिग न करने के लिए भी जागरूक करते हैं। उन्होंने बताया कि यातायात माह के दौरान 75 स्कूल कालेजों के 11200 बच्चों, 12 स्वयंसेवी संस्थाओं व 1150 रिक्शा, टैंपों व अन्य वाहन चालकों तथा 12150 पैदल यात्रियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की गयी जिनमें 17167 वाहनों के चालान किए गए, इसके अलावा हेलमेट न लगाने वाले 7452 वाहनों के चालान सहित 7 लाख 78 हजार 800 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। कार्यक्रम में सर्वाधिक चालान काटने वाले तथा जागरूकता कार्यक्रम में सर्वाधिक योगदान करने वाले 13 यातायात पुलिसकर्मियों, 22 नागरिक पुलिस, 14 स्कूल व स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीओ सिटी अपेक्षा निम्बाडिया, सीओ कैराना हेमंत कुमार, सीओ भवन जितेन्द्र सिंह यादव, सीओ यातायात श्याम सिंह, सीओ अपराध अमरदीप मौर्य, सीसीटीएनएस डीसी प्रदीप शर्मा, यातायात प्रभारी लाल विराट भारद्वाज, यातायात पुलिसकर्मी सुखविन्दर सिंह, चरणसिंह, सुबोध शर्मा, कुंदन सिंह, अशोक कुमार, राजीव सिरोही, गुलशन चौधरी आदि मौजूद थे।

बकाया भुगतान में उपभोक्ताओं को मिलेगी छूट : उपखण्ड अधिकारी

नकुड़। इस बार उत्तर प्रदेश बिजली विभाग ने विद्युत उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बकाया बिल भुगतान में कई प्रतिशत का छूट देने ऐलान किया है इसे 1 दिसंबर से लागू किया जायेगा। यह जानकारी उपखण्ड अधिकारी पीयूष कुमार ने देते हुए बताया बिजली बिल राहत योजना 2025 के नाम से शुरू की गई इस योजना में 2 किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शन तथा 1 किलो वाट तक का वाणिज्य कनेक्शन शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत लेट पेमेंट सरचार्ज पर शत प्रतिशत छूट दी गई है। योजना का पहला चरण 1 दिसंबर 2025 से शूरू होगी जो तीन चरणों में काम करेगी। इसके लिए उपभोक्ता को 2000 रुपये की राशि का भुगतान करके इन अवधियों के बीच पंजीकरण कराना होगा। पहले चरण के अंतर्गत अगर उपभोक्ता विद्युत बिल की बकाया राशि का एक बार में ही भुगतान करता है तो उसको विद्युत बिल की बकाया राशि पर पच्चीस प्रतिशत की छूट दी जायेगी। इसके अलावा विद्युत विभाग ने इस बार चोरी के प्रकरणों में भी राजस्व निर्धारण में प्रथम चरण में 50% दूसरे चरण में 45% और तीसरे चरण में 40% की छूट देने की घोषणा की है।

पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

- चोरी के सामान सहित एक चोर दबोचा

थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा ट्यूबेल से चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार, कर निशानदेही पर चोरी का सामान, बिजली का केबल, लोहे के पाईप व एक हथोडा बरामद किया है।

29 नवम्बर को वादी अवधेश राणा पुत्र शिवपाल सिह निवासी ग्राम सलेमपुर भूखडी थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात चोर द्वारा ग्राम के बाहर ट्बेल से मोटर व अन्य सामन चोरी कर ले जाने की सूचना के सम्बन्ध मे थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा पंजीकृत किया गया।

एसएसपी के निर्देशन में चोरी आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक सूबे सिह के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में ट्यूबेल से सामन चोरी का घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर अभियुक्त अभियुक्त आर्यन उर्फ कहैया उर्फ घोघड पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम सलेमपुर भूखडी थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर को ग्राम मढ रोड से रजवाह पटरी से 100 कदम की दूरी से गिरफ्तार किया गया।

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी शताब्दी पर निकाली जागृति यात्रा

हिंद की चादर के जयघोष से गूंजा शहर

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

- भव्य वाहन रैली में उमड़ी साध-संगत, हर मोड़ पर मिला स्वागत
- गुरुद्वारे पर लंगर के साथ हुआ समापन

रविवार का दिन शहर में आध्यात्मिकता, भक्ति और एकता के रंगों से सराबोर रहा। सिक्ख धर्म के नौवें गुरु और हिंद की चादर के रूप में विश्वविख्यात गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी के उपलक्ष्य में निकाली गई जागृति यात्रा ने पूरे नगर का माहौल श्रद्धामय बना दिया। भव्य वाहन रैली में सैकड़ों की संख्या में साध-संगत शामिल हुई, जबकि जगह-जगह स्वागत द्वार लगाकर रैली का अभिनंदन किया गया। हर मोड़ पर सवा लाख से एक लड़ाऊँ का संदेश गूंजता रहा।

श्री गुरु सिंह सभा द्वारा आयोजित इस रैली का शुभारंभ रोडवेज बस स्टैंड के निकट स्थित गुरुद्वारे से अरदास के साथ हुआ। वाहे गुरु के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। रैली कोर्ट रोड, झांसी की रानी पार्क, शिव चौक, रूड़की रोड, नावल्टी चौक, अंसारी रोड, मालवीय चौक, भोपा रोड ओवरब्रिज, गौशाला रोड, वकील रोड और लिंक रोड होते हुए गुरुद्वारा गांधी कॉलोनी पहुंची, जहां संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। गुरु सिंह सभा के प्रधान सतपाल सिंह मान ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म और मानवता की रक्षा हेतु 350 वर्ष पूर्व अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। उनके तीन प्रमुख सेवादार भाई मतिदास, भाई सतिदास और भाई दयाला जी भी अत्याचारियों द्वारा शहीद किए गए थे। यह यात्रा उनके अद्वितीय बलिदान और सार्वभौमिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। सभा ने रैली के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया था। प्रतिभागी सफेद परिधान में, बसंती रंग की पगड़ी और चुनरी धारण किए हुए नजर आए। यात्रा ने अनुशासन और स्वच्छता की मिसाल पेश की। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चों ने गुरुबाणी की मधुर प्रस्तुति देकर वातावरण को और अधिक भक्ति से भर दिया। रैली में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने गुरु तेग बहादुर के बलिदान, त्याग और सर्वहित के संदेश को समाज में आगे ले जाने का संकल्प लिया। गुरुद्वारे पर लंगर सेवा के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, लेकिन गुरु साहिब का संदेश लोगों के हृदयों में नई चेतना और प्रेरणा के रूप में गूंजता रहा।

हाई टेंशन लाइन ठीक करते समय करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत

सहारनपुर। फतेहपुर थाना क्षेत्र के फरकपुर निवादा में बिजली लाइन में आई खराबी को दुरुस्त करते समय एक युवक करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई जानकारी के अनुसार, गाँव फरकपुर निवादा निवासी अहसान पुत्र नसीर बिजली की सप्लाई बाधित होने पर शटडाउन लेकर लाइन की मरम्मत कर रहा था जैसे ही उसने कार्य शुरू किया तुरंत विद्युत आपूर्ति चालू हो गई इसको तुरंत बिजली ने अपनी चपेट में ले लिया इसी दौरान गंभीर रूप से झुलस गया आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे सीएससी फतेहपुर लेकर गए जहां डॉक्टरों ने एहसान को मृत घोषित कर दिया खबर सुनते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने घटना के लिए विभागीय लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

एसआईआर के माध्यम से वोट का सत्यापन हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारः सिटी मजिस्ट्रेट

- व्यापारिक समस्याओं के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को भी निभाता रहा है व्यापार मण्डल

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल महानगर इकाई द्वारा आज एसआईआर के सम्बन्ध में एक बैठक का आयोजन किया गाय।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सिटी मजिस्टेज्ट कुलदीप सिंह ने कहा कि सभी लोग गणना प्रपत्र 4 दिसम्बर से पहले भरकर अपने-अपनी बीएलओ को अनिवार्य रूप से जमा कर दें ताकि उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाये यह कार्य 4 दिसम्बर से पहले ही जमा कर दे नहीं तो फिर हमें फार्म जमा करने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा और उनका नाम मतदाता सूची से हट सकता है।

यदि किसी मतदाता का गणना प्रपत्र नहीं आया है या 2025 की सूची में उसका नाम नहीं है तो वह फार्म 6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकता है यदि कोई मतदाता दूसरी जगह रह रहा है और अपना वोट शिफ्ट करवाना चाहता है तो वह फार्म 8 भरकर शिफ्ट करवा सकता है। व्यापार मण्डल के अध्यक्ष विवेक मनोचा व वरिष्ठ महामंत्री स.सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला ने कहा कि व्यापार मण्डल सदा व्यापारिक समस्याओं के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को भी निभाता रहा है। बैठक में व्यापार मण्डल के यशपाल मैनी, अशोक छाबडा, सुधीर मिगलानी, कृष्ण लाल ठक्कर, रामराजीव सिंघल, संजय भसीन, गौतम शंकर सिंघल, गुलशन अनेजा, राजेन्द्र गुप्ता, अशोक नारंग, फरजानउलहक, वी.के.भारती, संजय जुनेजा, सचिन खुराना, नीरज गुप्ता, मोती अली, विशाल, इकबाल, नवीन सिंघल, स.देवन्द्र सिंह, मनोज तनेजा, अनिल चोपड़ा, यशपाल डाबरा, महेश पाहवा आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है योगी सरकार

'सुगम्य भारत अभियान' और 'डिजिटल इंडिया' की साझा लहर से यूपी में दिव्यांग महिलाओं को मिला विकास का सुनहरा अवसर

❖ वर्ष 2026 तक प्रदेश की सभी दिव्यांग महिलाओं को डिजीटली साक्षर करने का सीएम योगी का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में दिव्यांग महिलाओं का सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है। एक ओर तो प्रदेश में केंद्र सरकार की 'सुगम्य भारत अभियान' और डिजिटल इंडिया' की साझा लहर ने दिव्यांगजनों, विशेषकर महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तो वहीं दूसरी ओर योगी सरकार के डिजिटल साक्षरता अभियान और समावेशी अवसरों ने उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से ही राज्य में दिव्यांगों के लिए बढ़े हुए 4 प्रतिशत आरक्षण को लागू किया था। इससे दिव्यांगजनों के लिए 3 लाख से अधिक नौकरियों का मार्ग प्रशस्त किया है, जिसमें दिव्यांग महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले दिव्यांगजनों की स्थिति दयनीय थी। पिछली सरकारों में दिव्यांगजनों के लिए 1995 के अधिनियम के आधार पर मात्र 3 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण ही प्राप्त था। इसकी वजह से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सरकारी नौकरियों में का रास्ता सीमित था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में कार्यभार संभालते ही, प्रदेश में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत 4 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी बनाया, जिससे सरकारी नौकरियों में दिव्यांगजनों,विशेषकर दिव्यांग महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में प्रभावी वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप राज्य में दिव्यांगों के लिए 3 लाख से अधिक सरकारी नौकरियों का सृजन हुआ जो कि एक अपने आप में एक कीर्तिमान है।

पिछली सरकारों में दिव्यांगजनों के लिए एकीकृत और समावेशी योजनाओं पर भी कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता था, जिस कारण समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों में भी दिव्यांग बच्चों का नामांकन बहुत कम संख्या में ही हो पाता था। सीएम योगी के मार्गदर्शन में वर्तमान में प्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए 1403 विशेष स्कूल संचालित हैं, जहां 50 प्रतिशत नामांकन लड़कियों के हैं। ये स्कूल न केवल शिक्षा देते हैं, बल्कि डिजिटल कौशल जैसे- कंप्यूटर, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन लर्निंग का भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। चित्रकूट जिले के एक विशेष स्कूल में दिव्यांग लड़कियां अब ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से आईटी कोर्स कर रही हैं, जो पहले एक सपना मात्र था। दिव्यांगजनों के लिए भवनों की सुगम्यता पर भी ध्यान न्यूनतम था। दिसंबर 2015 में शुरू हुए केंद्र सरकार के सुगम्य भारत अभियान के बावजूद, उत्तर प्रदेश के अधिकांश सरकारी भवन दिव्यांगों के लिए अनुकूल बनाने का कार्य प्रारंभिक चरण में अटका रहा था। सरकारी व प्रशासनिक भवनों में से अधिकांश में रैंप, ब्रेल साइनेज या लिफ्ट जैसी सुविधाओं का अभाव था, जिससे दिव्यांगों को दैनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। योगी सरकार में इस दिशा में तीव्रगति से कार्य किया गया। वर्तमान में राज्य के 278 सरकारी भवनों में से 271 अब पूर्णतः दिव्यांग फ्रेंडली हैं। जो रैंप, व्हीलचेयर एक्सेस, वॉयस-असिस्टेड सिस्टम्स से लैस हैं।

डिजिटल मोर्चे पर प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 44 वेबसाइट्स को डब्लू सीएजी-2.1 स्टैंडर्ड पर रीडिज़ाइन किया है, जिससे दृष्टिबाधित महिलाएं स्क्रीन रीडर्स के जरिए आसानी से सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। दिव्यांग पेंशन पोर्टल अब वॉयस कमांड सपोर्टेड है, जिससे ग्रामीण दिव्यांग महिलाएं भी आसानी से दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर पा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ये प्रयास प्रदेश में दिव्यांगजनों, विशेषकर दिव्यांग महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बना रहे हैं। लखनऊ के एक डिजिटल ट्रेनिंग सेंटर में 200 से अधिक महिलाएं ई-कॉमर्स और फ्रीलांसिंग सीख रही हैं। सरकार का लक्ष्य 2026 तक सभी दिव्यांग महिलाओं को डिजिटल साक्षर बनाना है। प्रदेश में पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक, यह यात्रा समावेशी समाज की नींव रख रही है।

ो जरूरी कदम उठाए जाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान

❖ जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं करीब 200 लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ। गोरखपुर

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इससे पहले शनिवार को भी सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं थीं।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए। गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेदनशीलता से लिया जाए।

29 पुराने श्रम कानूनों का एकीकरण देशभर में लागू हुईं चार संहिताएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 29 पुराने श्रम अधिनियमों को एकीकृत करते हुए मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 तथा उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता 2020 को लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह सुधार देश की श्रम व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाते हुए श्रमिकों को सुरक्षा, सम्मान और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराएंगे। नई संहिताएं 21 नवम्बर 2025 से पूरे देश में प्रभावी हो चुकी हैं।

मंत्री राजभर ने बताया कि इन सुधारों से श्रम कानूनों की जटिलता में ऐतिहासिक रूप से कमी आई है। पहले जहाँ 1228 धाराएँ थीं, अब उनकी संख्या घटाकर 480 की गई है। 1436 नियमों के स्थान पर केवल 351 नियम लागू किए गए हैं। 84 रजिस्टरों की जगह मात्र 8 रजिस्टर और 31 रिटर्न के स्थान पर एकल रिटर्न की व्यवस्था कर दी गई है। इससे नियोक्ताओं का अनुपालन बोझ कम होगा और श्रमिकों के हितों का संरक्षण अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संहिताएँ युवाओं, महिलाओं, गिग वर्कर्स और सभी श्रमिकों के जीवन में स्थिरता व सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी और आर्थिक वृद्धि को नई गति देंगी।

उन्होंने बताया कि पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निरीक्षण व्यवस्था को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। रैंडमाइज्ड निरीक्षण प्रणाली से अब इंस्पेक्टर राज की अवधारणा समाप्त होगी और निरीक्षक की भूमिका सुविधा प्रदाता के रूप में विकसित होगी। किसी भी प्रथम उल्लंघन की स्थिति में नियोक्ता अधिकतम जुर्माने के 50 प्रतिशत का भुगतान कर उपशमन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे अनावश्यक अभियोजन नहीं होगा। इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा और उद्योगों को अनावश्यक विवादों से राहत मिलेगी।

मजदूरी संहिता की चर्चा करते हुए मंत्री राजभर ने कहा कि वेतन की परिभाषा को एकीकृत किया गया है और न्यूनतम वेतन अब सभी संगठित और असंगठित क्षेत्रों पर लागू होगा। वेतन भुगतान की समय-सीमा को अनिवार्य किया गया है और सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर सभी देयक का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। ओवरटाइम के लिए दोगुने वेतन का प्रावधान, वेतन से कटौती की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत, तथा सभी कर्मचारियों को वेज-स्लिप देना अब अनिवार्य किया गया है, जिससे वेतन व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बनेगी। सामाजिक सुरक्षा संहिता की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को वैधानिक रूप से परिभाषित कर सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। इनके कल्याण के लिए कोष का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सरकार के साथ एग्रीगेटर्स भी अपने टर्नओवर का 1झ2 प्रतिशत योगदान करेंगे। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के समान लाभ तथा एक वर्ष की सेवा पर ग्रेच्युटी का अधिकार मिलेगा। श्रमजीवी पत्रकारों के लिए ग्रेच्युटी पात्रता अवधि पाँच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष की गई है। सामान्य नागरिकों को राहत देते हुए निजी आवास निर्माण सीमा को बढ़ाकर 50 लाख किया गया है। औद्योगिक संबंध संहिता के बारे में मंत्री राजभर ने बताया कि इसमें तीन अधिनियमों को मिलाकर एक आधुनिक और स्पष्ट व्यवस्था बनाई गई है। 300 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी या बंदी हेतु राज्य सरकार की अनुमति अनिवार्य होगी। सामूहिक अवकाश को भी हड़ताल की परिभाषा में शामिल कर दिया गया है।

भाजपाई आस्था सिर्फ दिखावटी और चुनावी है: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ दल पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपाई आस्था सिर्फ दिखावटी और चुनावी है।

सपा प्रमुख ने मथुरा में संकर्षण कुंड की बदहाली से जुड़ी खबर को 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, "कहते हैं जहां स्वच्छता होती है, वहां ईश्वर का वास होता है लेकिन भाजपा सरकार ने आस्था के प्रतीकों की उपेक्षा करके उन्हें गंदगी के अंबार के बीच उपेक्षित-अपमानित होने के लिए छोड़ दिया है। यादव ने कहा, दक्षिण भारत के दर्जनों पुजारियों ने वैराग्य और त्याग की प्रतिमूर्ति परम श्रद्धेय संत श्रीमन्नारायण चिन्ना जीयर स्वामीजी की अध्यक्षता में 2018 में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर ब्रज के सबसे विशाल विग्रह संकर्षण (दाऊजी) भगवान की विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की थी, उन्हें 'डबल इंजन' सरकार ने पिछले सात सालों में प्रदूषित पोखर में अपमानित करके छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपाई आस्था सिर्फ दिखावटी और चुनावी है। सपा प्रमुख ने कहा, भगवान दाऊजी के मान-सम्मान का संरक्षण और संवर्द्धन हो, यही हमारी मांग है। यादव ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में जनता को संबोधित करते हुए कहा, "प्रिय लखनऊ व उत्तर प्रदेश वासियों, सावधान! उन्होंने कहा, भाजपा सरकार पैसे के लालच में लखनऊ के 'हरित-हृदय' जनेश्वर मिश्र पार्क को अपनी 'इंवेटबाजी' से दूर रखे। लखनऊ के नागरिकों का स्वच्छ हवा और हरियाली पर पूरा अधिकार है। हम सबको मिलकर एक नागरिक आंदोलन की तरह इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए, यदि हम अकेले ये करेंगे तो इसे राजनीतिक आंदोलन घोषित करके भाजपा सरकार अपना उल्लू सीधा कर लेगी। यादव ने कहा, इसीलिए हमारी हर लखनऊवासी, हर पर्यावरण प्रेमी-कार्यकर्ता, पार्कों का सदुपयोग करने वाले हर बुजुर्ग, हर परिवार वाले और अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग युवाओं से अपील है कि वे आगे आएं और लखनऊ की हरियाली को बचाएं। उन्होंने दावा किया कि दरअसल ये तो भाजपा और उनके सहयोगियों के लालच की शुरुआत है, आज एक पार्क इसका शिकार हो रहा है, कल को लखनऊ और उप्र के हर मोहल्ले-कॉलोनी के पार्क पर भाजपाई ठेकेदारों का कब्जा हो जाएगा। यादव ने आह्वान करते हुए कहा, समय रहते नहीं जागे तो लखनऊवासियों का सांस लेना दूभर हो जाएगा। चेतावनी : भाजपा पार्क को पार्किंग न बनाए! भाजपा जाए तो सांस आए!

बिजली बिल राहत योजना से मिलेगी उपभोक्ताओं को बड़ी सहूलियत

ब्याज में 100 प्रतिशत माफी और मूलधन में 25 फीसद की राहत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एक दिसंबर से प्रारंभ हो रही बिजली बिल राहत योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का वह महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी कदम माना जा रहा है, जिसका सीधा लाभ आम नागरिकों और छोटे बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के घरेलू और छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को बिजली बिल के बोझ से राहत देना और उन्हें एक सरल, सम्मानजनक समाधान प्रदान करना है। इस योजना का लाभ उपभोक्ता एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक उठा सकेंगे।

इस योजना के अंतर्गत पहली बार 100 प्रतिशत ब्याज और सरचार्ज माफी और मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। 2 किलो वाट तक छोटे घरेलू उपभोक्ता तथा एक किलोवाट तक के कनेक्शन वाले व्यावसायिक ग्राहकों को विशेष लाभ मिलेगा। इससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का विजन स्पष्ट होता है कि बिजली उपभोक्ताओं के साथ सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगात्मक व्यवहार स्थापित किया जाए। यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार गोयल ने समीक्षा बैठक में कहा कि आम जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए सरकार बकाया बिलों के समाधान के लिए यह व्यापक राहत योजना लेकर आयी है। आसान किस्तों की सुविधा और बढ़े हुए बिलों को औसत खपत के आधार पर स्वचालित रूप से समायोजित करने की व्यवस्था से उपभोक्ताओं को वास्तविक आर्थिक राहत मिलेगी। विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए यह योजना बड़ी राहत का माध्यम बनेगी जो पूर्व में अनाधिकृत विद्युत उपयोग से जुड़े प्रकरणों में उलझे थे। इस योजना के अंतर्गत ऐसे प्रकरणों में चल रहे मुकदमों का निस्तारण कराया जाएगा, जिससे प्रभावित परिवारों को लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से छुटकारा मिलेगा।

इस योजना में पंजीकरण सरल प्रक्रिया से होगा, जिसे ६६६. ४स्त्रस्न्रू'.ङ्म१ॅ के माध्यम से ऑनलाइन या अपने स्थानीय बिजली खंड कार्यालय में जाकर पूरा किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को विस्तृत सूचना उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसमें नोटिस, पंपलेट, सूचना पत्र और गांव तथा शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

यह योजना गरीब परिवारों, छोटे दुकानदारों, किसान उपभोक्ताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र बिजली ग्राहकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी। ब्याज माफी और मूलधन में छूट तत्काल राहत देती है, वहीं आसान किस्तों का विकल्प मासिक आर्थिक दबाव कम करेगा।

मां की गोद से डेढ़ साल के बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ

बलरामपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के सोहलेवा वन क्षेत्र में सोते समय मां की गोद से एक तेंदुआ डेढ़ वर्षीय बच्चे को उठा ले गया और उसका क्षत-विक्षत शव गांव के बाहर जंगल के पास मिला है। वन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। क्षेत्रीय वनाधिकारी मनोज कुमार ने रविवार को बताया कि बनकटवा रेंज के नेवलगंज के रेहरा झोहना गांव में शनिवार रात धन्नावती अपने डेढ़ वर्षीय बेटे रोहित के साथ घर के बरामदे में सो रही थी। उन्होंने बताया कि रात करीब दो बजे बच्चे के रोने की आवाज सुन कर आंख खुली तो तेंदुआ बच्चे को मुंह में दबा कर जा रहा था। उन्होंने बताया कि बच्चे को ले जाता देख धन्नावती ने शोर मचाया, जब तक घर वाले आते तेंदुआ उसे को लेकर गायब हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे की तलाश शुरू की तो उसका क्षत-विक्षत शव गांव के पश्चिम में जंगल के पास मिला। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जिलाधिकारी विपिन जैन ने रविवार को बताया कि तेंदुए की तलाश के लिए ट्रैपिंग कैमरे लगवाए जा रहे है, वन विभाग की तीन टीमें बना दी गई है। वन्य जीवों के लगातार बढ़ रहे हमलों को देखते हुए ड्रोन कैमरे भी लगवाने के निर्देश दिए गए है। ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा है कि अपने घर के बाहर बल्ब आदि जलाकर रोशनी जरूर रखे तथा घरों को अंदर से बंद करके सोए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल की अंत्येष्टि

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा नदी के भैरव घाट पर रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल की अंत्येष्टि हुई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि रविवार को कानपुर की सड़कों पर अभूतपूर्व सम्मान के साथ हजारों लोग पूर्व केंद्रीय मंत्री और तीन बार सांसद रहे श्रीप्रकाश जायसवाल को अंतिम विदाई देने उमड़ पड़े। जायसवाल (81) का शुक्रवार शाम को लंबे समय से अस्वस्थ रहने के बाद हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को कनाडा में रहने वाले उनके बेटे सिद्धार्थ जायसवाल के दो दिन बाद रविवार सुबह आने तक जनता के दर्शन के लिए रखा गया था। नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि अंतिम संस्कार की यात्रा सुबह लगभग 11:50 बजे लाल बंगला के पोखरपुर स्थित उनके आवास से शुरू हुई, जहां अनुमानित 5,000-6,000 लोग एकत्रित हुए। जैसे ही शवयात्रा अपराह्न 12:25 बजे कैनाल रोड स्थित उनके पैतृक घर पहुंची, समर्थकों ने 'जब तक सूरज चांद रहेगा, श्रीप्रकाश तुम्हारा नाम रहेगा' और 'श्रीप्रकाश अमर रहे' के नारे लगाए। गुप्ता ने बताया कि कैनाल रोड से शव यात्रा अपराह्न 12:50 बजे तिलक भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंची।

संपूर्ण शिक्षा का केंद्र है महर्षि विद्या मंदिर: मौर्य

❖ वार्षिक समारोह कार्यक्रमों से होता है विचारों का मंथन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित 41वें वार्षिक समारोह ''अरुणोदय'' में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विद्यालय परिवार द्वारा भव्य एवं गरिमामय तरीके से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रतिभा, सांस्कृतिक विविधता और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों का अनुपम प्रदर्शन देखने को मिला।

समारोह में पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधन एवं विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, देशभक्ति गीतों, नृत्यों और योग-प्रदर्शन ने सभी उपस्थित लोगों को अभिभूत किया। उप मुख्यमंत्री द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्री मौर्य ने महर्षि विद्या मंदिर के प्रबंधक, प्राचार्य, शिक्षकों और समस्त विद्यालय परिवार को 41वें वार्षिक समारोह के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार राष्ट्र निर्माण के कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

मिशन शक्ति ने बदली तस्वीर, यूपी में महिला सुरक्षा बनी सुशासन की पहचान

महिलाओं की शिकायतों में 60 प्रतिशत कमी, आत्मरक्षा प्रशिक्षण से मिला आत्मविश्वास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को नई ऊंचाई और आयाम देने वाली योगी आदित्यनाथ सरकार की पहल 'मिशन शक्ति' अब सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास और साहस का प्रतीक बन चुकी है। जिस उत्तर प्रदेश में कभी महिलाओं को घर से अकेले निकलने में खतरा और संकोच महसूस होता था, अब वहां महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ी पहचान बन गई है।

मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मरक्षा में सक्षम बनाना है। इसके अंतर्गत प्रदेश भर में पांच लाख से अधिक महिलाओं को विशेष आत्मरक्षा से सबंधित प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण व्यावहारिक रूप से उन्हें इस प्रकार से सक्षम बनाता है कि वे किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में स्वयं की रक्षा कर सकें।

महिलाओं के लिए स्थापित फर्स्ट रिस्पॉन्डर नेटवर्क आपातकालीन स्थिति में सहायता का सबसे तेज माध्यम बनकर उभरा है। हर जिले में मिशन शक्ति कमांडो टीमें तैनात की गई हैं, जो त्वरित कार्रवाई कर महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करती हैं। शहरों की सड़कों पर महिला सुरक्षा को सुनिश्चित करने में पिंक बूथ और एंटी रोमियो स्क्वाड का योगदान उल्लेखनीय रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और उत्पीड़न जैसी घटनाओं में अब भारी कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो सामाजिक परिवर्तन का स्पष्ट प्रमाण है। यह पहल केवल भौतिक सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। घर से लेकर कार्यस्थल तक और स्कूल से लेकर सार्वजनिक परिवहन तक महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण का निर्माण हुआ है।

घरेलू हिंसा और यौन अपराध जैसी घटनाओं के विरुद्ध भी अब तेज कार्रवाई और सख्त दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। शिकायत दर्ज करने से लेकर सहायता प्रदान करने तक एक पारदर्शी और संवेदनशील प्रक्रिया तैयार की गई है। योगी सरकार का यह प्रयास महिलाओं को वह शक्ति और विश्वास दे रहा है कि सुरक्षा कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका अधिकार है। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा का यह मजबूत मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की महिलाएं आज आत्मविश्वास के साथ कह सकती हैं कि अब डर नहीं, अब अपनी सुरक्षा हम स्वयं सुनिश्चित कर सकते हैं। यही बदलाव मिशन शक्ति को एक सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का जनआंदोलन का स्वरूप देने में सक्षम हुआ है।

महिला सुरक्षा के लिए ठोस कदम

1663 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित, महिला बीट अधिकारी सक्रिय त्वरित शिकायत निस्तारण, पिंक बूथ और एंटी रोमियो स्क्वाड की नियमित गश्त, दिसंबर 2024 तक 1.4 करोड़ लोगों को चेतावनी और 32077 का चालान, 3972 असामाजिक तत्व गिरफ्तार, 3 लाख से अधिक लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर चेतावनी, सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन और सुरक्षा में ठोस सुधार, 1090 वीमेन पावर लाइन एसओएस रैपिड रिस्पॉन्स, 112 इमरजेंसी लाइन त्वरित पुलिस सहायता, आपात स्थिति में तत्काल संपर्क और सहायता सुनिश्चित ।

माधौगढ़, रामपुरा खरीद केंद्रों में सिस्टम की खुली लूट

पायनियर संवाददाता। माधौगढ़ (जालौन)

माधौगढ़ और रामपुरा के सरकारी खरीद केंद्र इस बार खेतों की खुशबू से ज्यादा दलाली की गंध से भरे मिले। किसानों की लाइनें लंबी थीं, पर तराजू पर चढ़ता अनाज उनका कम, दलालों का ज्यादा मानो पूरी खरीद भ्रष्टाचार के मुताबिक चल रही हो। रामपुरा में तो खेल और भी दिलचस्प निकला। दलाल मप्र से 2200 रुपये कुंतल की ज्वार लाकर, विपणन अधिकारी की मिलीभगत से उसे सरकारी रेट पर खपाता रहाकृसीधे-सीधे सरकारी खरीद को निजी गोदाम में बदल देने की नायाब कला।

ऊपर से किसानों से 500 से 1000 रुपये प्रति कुंतल की अवैध वसूली और जिसने न कहा, उसकी फसल में तुरंत कमी निकाल दी जाती। यह खेल खुलेआम एक ऐसे दलाल के सहारे चलता रहा जिसकी गाड़ी हरियाणा नंबर की है, न किसान, न आढ़तिया फिर भी खरीद उसी की मुहर से आगे बढ़ती। रामपुरा और माधौगढ़, दोनों जगहें लगभग उसके इशारे पर ही चलती रहीं। लेकिन कहानी में मोड़ तब आया, जब मामला रामपुरा के ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर के करीबी किसान से जुड़ा। खरीद केंद्र पर हड़कंप मचा, किसान से वसूली गई रकम लौटाई गई और विपणन अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया सिस्टम की दीवार में पहला दरार यहीं दिखा।

माधौगढ़ में भी वही छाया दलालों का साम्राज्य : माधौगढ़ में खरीद अब भी दलाल-केन्द्रित है। जिलाधिकारी के सख्त तेवरों के बाद कुछ दिनों से किसानों का अनाज धीमी गति से लिया जा रहा है, पर भंडार पर एक नजर डालते ही राज फिसल जाता है किसानों के अंगूठों से कहीं ज्यादा अनाज का अम्बार पड़ा है। यानी पहले फर्जी किसानों के नाम से अनाज ठेला गया, अब जिलाधिकारी को भ्रमित करने के लिए जल्दबाजी में असली अंगूठे बन्दरबांट से मिलाए जा रहे हैं। अगर इस वक्त सटीक जांच हो जाए, तो खरीद केंद्र माधौगढ़ की अनियमितताएं पूरे आकार के साथ उभर आएंगी।

शिकायत पर मचा हड़कंप, अधिकारी निलंबित : स्थिति तब बदली जब यह अवैध वसूली रामपुरा ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर के करीबी किसान से की गई। मामले ने तूल पकड़ा और जिले स्तर तक शिकायत पहुंची। इसके बाद केंद्र पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जाता है कि किसान से वसूली गई रकम तत्काल लौटाई गई और जांच के बाद विपणन अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई स्थानीय स्तर पर चल रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ पहली बड़ी चोट मानी जा रही है।

माधौगढ़ में भी भ्रष्टाचार की समान परछाई : माधौगढ़ खरीद केंद्र की स्थिति भी रामपुरा से अलग नहीं है। कुछ दिनों पूर्व जिलाधिकारी द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के बाद केंद्र की गति धीमी दिखाई दे रही है, लेकिन भंडारण में पड़ा अनाज बताता है कि यहां भी बड़ी मात्रा में खरीद फर्जी किसानों के नाम से की गई है। केंद्र पर उपलब्ध स्टॉक और किसानों के अंगूठा लगने के रिकॉर्ड में स्पष्ट विरोधाभास सामने आ रहा है। इससे संदेह और मजबूत होता है कि पहले बड़े पैमाने पर बाहरी अनाज खपाया गया और अब जिलाधिकारी को भ्रमित करने के लिए जल्दबाजी में असली किसानों के अंगूठे मिलाए जा रहे हैं।

2000 कुंतल ज्वार खपाने की तैयारी : गल्ला मंडी के विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि माधौगढ़ में वही दलाल आढ़तियों से लगभग 2000 कुंतल ज्वार खरीद चुका है और अब इसे किसी भी तरह सरकारी खरीद केंद्र में खपाने की तैयारी में है। जिलाधिकारी के वर्तमान कड़े रुख के चलते मंसूबों की रफ्तार धीमी जरूर हुई है, लेकिन कोशिशें जारी बताई जा रही हैं।

तत्काल जांच की जरूरत

किसानों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है कि दोनों खरीद केंद्रों की त्वरित और निष्पक्ष जांच कराई जाए। स्थानीय किसानों का कहना है कि यदि इस समय सही जांच हो जाए तो अनियमितताओं की पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी और इसमें शामिल अधिकारियों एवं दलालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई संभव हो सकेगी।

युवती की रकम हड़पने पर न्यायालय के आदेश पर तीन पर मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर(हमीरपुर)। लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी का केंद्र सरकार से रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद तथाकथित शाखा प्रबंधक ने दो एजेंटों के साथ मिलकर अनुसूचित जनजाति की तीन महिलाओं से एक वर्ष तक प्रतिदिन किस्त जमा कराकर एक लाख अस्सी हजार रुपये की रकम डकार ली। वापस मांगने पर तीनों ने गाली गलौज कर भगा दिया। पुलिस द्वारा कार्यवाही करने पर पीड़िता ने न्यायालय से गुहार लगाई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मुकदमा दर्ज होते ही आरोपी भूमिगत हो गए हैं। कस्बे के बस स्टैंड के समीप फरहान टावर के बगल में रहने वाली अनुसूचित जनजाति की महिला सीमा ने न्यायालय को बताया कि 11 सितंबर 2023 को बांकी गांव निवासी जाउद्दीन उर्फ जावेद नसरीन बानो सलमान खान आए और तीनों ने उक्त कंपनी का शाखा प्रबंधक एवं एजेंट बताकर दैनिक धनराशि जमा कराकर अच्छा ब्याज पाने का लालच दिया था। उसने अपने साथ अपनी बहन अंशु भाभी जानकी का भी खाता खुलवाया और अपने एवं बहन के खाते में प्रतिदिन 200 रुपये तथा भाभी के खाते में प्रतिदिन 100 रुपये जमा करना शुरू किया। यह धनराशि अक्टूबर 2024 तक जमा कराई गई। तीनों के खातों में एक लाख अस्सी हजार रुपये जमा किए गए थे। अवधि पूर्ण होने पर वह नेहा चैराहा के समीप स्थित कार्यालय में 10 नवंबर 2024 को पहुंचे।

नगर पालिका घर-घर पहुंच रहा एसआईआर फार्म

पायनियर संवाददाता। महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की शानदार पहल का असर अब पूरे जिले में साफ दिखाई देने लगा है। सही मतदाताओं का नाम न कटे और कोई भी नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न होए इसके लिए प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया है। इसी क्रम में अब घर.घर जाकर एसआईआर फार्म का वितरण शुरू हो गया है।

नगरपालिका महराजगंज के कर्मचारी दिन.रात एक कर मतदाताओं के घरों तक पहुंच रहे हैं। जिन लोगों को किसी कारणवश फार्म नहीं मिल पाया थाए उन्हें अब यह सुविधा उनके दरवाजे पर उपलब्ध कराई जा रही है। कर्मचारी न केवल फार्म दे रहे हैं बल्कि

उन्हें समय पर जमा करने के लिए भी जागरूक कर रहे हैं। नगर पालिका के वार्ड बीर अब्दुल हमीद नगरएचिऊरहाए लोहिया नगरए इंदिरा नगर में बाबू इम्तियाज खान एसआईआर फार्म वितरण करते नजर आए। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी सही मतदाता का नाम सूची से न कटे। इसके लिए लगातार निगरानी और प्रयास किए जा रहे हैं। नगरपालिका के बाबू इम्तेयाज खान ने दैनिक भास्कर को बताया कि जिलाधिकारी जिस तरह से एसआईआर को लेकर पूरे जिले में मतदाताओं की जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे हैंए उससे कर्मचारियों में भी नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल फार्म वितरण तक सीमित नहीं हैए बल्कि लोगों को जागरूक करने और उन्हें मतदान प्रक्रिया से जोड़ने का भी प्रयास है।नगरपालिका के अन्य कर्मचारियों ने भी बताया कि वे युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। कई स्थानों पर बुजुर्ग और अशिक्षित मतदाताओं को फार्म भरने में भी मदद दी जा रही है। प्रशासन का यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष डाण्पुष्पलता मंगल ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हर पात्र मतदाता तक फार्म नहीं पहुंच जाता। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की है कि वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ इस कार्य को अंजाम दें। इओ आलोक कुमार मिश्रा ने बताया कि डीएम के निर्देश पर नगरपालिका महराजगंज के सभी वार्डों में एसआईआर फार्म का वितरण किया जा रहा है। मतदाताओं को जागरूक भी किया जा रहा है एसआईआर के महत्व को भी बताया जा रहा है मुकर्रर तिथि के अंदर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए नगरपालिका के सभी कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लाइन हाजिर होने के बाद भी सुधीर सिंह कर रहे कार्य

पायनियर संवाददाता। आजमगढ़

आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार ने 03 नवम्बर को माहुल चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार सिंह को अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के मामले में लाइन हाजिर कर दिया गया था, लेकिन क्षेत्र में चर्चा का विषय है, कि सुधीर कुमार सिंह लाइन हाजिर होने के बाद भी थाना क्षेत्र में काम कर रहे हैं?, चर्चा है कि अगर सुधीर सिंह लाइन हाजिर कर दिए गए हैं तो फिर थाना क्षेत्र में काम किस तरह से कर रहे हैं, कहीं न कहीं यह गलत है, लेकिन चौकी इंचार्ज सुधीर सिंह लगातार क्षेत्र में बने हुए हैं, लाइन हाजिर होने के 27 दिन बाद भी अभी थाना क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जिससे कहीं-कहीं इस बात की भी चर्चा है कि माहुल के डॉक्टर के ऊपर बदमाशों ने हमला किया था, और डॉक्टर ने बदमाशों से असलहा भी छीन लिया था, और चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार सिंह मौके पर तमास बीन बने हुए थे, यहां तक की डॉक्टर को थाने पर भी अपने साथ ले आने में कर्तव्यों का पालन नहीं किया, क्षेत्र के लोग डॉक्टर के पक्ष में खड़े होकर चौकी इंचार्ज के इस बात के लिए निंदा भी की थी, कहीं-कहीं वह लोग भी इस बात से डरे हुए हैं, की पूर्व चौकी इंचार्ज अपने पावर का गलत इस्तेमाल न करें, लोग एक दुसरे से पूछताछ रहे हैं, कि चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर है या इनको थाने पर प्रमोट किया गया है, यह चर्चा का विषय है। वही इस संबंध में बूढ़नपुर सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया की सुधीर कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिए गया था, माहुल में दूसरे चौकी इंचार्ज हैं । थाने पर स्टाफ की कमी के कारण पूर्व चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार सिंह को अटैच किया गया है ।

नमामि गंगे की पाइप लाइन टूटने से पानी को तरसे,नही है कोई सुनने वाला

कुरारा(हमीरपुर)। विकास खंड क्षेत्र के डामर गांव में नमामि गंगे योजना से डाली गई पाइप लाइन क्षति ग्रस्त हो जाने से गांव से आवागमन के मुख्य रास्ते में पानी भर रहा है।जिससे रास्ता खराब हो रहा है। लोगो को रास्ते से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के डामर गांव में गांव के अंदर जाने वाले रास्ते में चार स्थान पर नमामि गंगे योजना की पाइप लाइन क्षति ग्रस्त हो गई है। जिससे सप्लाई के दौरान पानी बहकर रास्ते में भर रहा है। गांव निवासी वीर सिंह चंद्रभान रामकुमार होरीलाल आदि ग्रामीणों ने बताया कि नमामि गंगे की पाइप लाइन श्रीचंद रामसनेही

रामकुमार छोटे के घर के सामने क्षति ग्रस्त हो गई है।जिससे सप्लाई के दौरान हजारों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है। तथा गांव से आने जाने का मुख्य रास्ता खराब हो रहा है। तथा लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों। द्वारा कर्मचारियों से की गई है। लेकिन लापरवाही के चलते इस पाइप लाइन को एक माह से ठीक नहीं किया जा रहा है। जिससे पक्की सड़क बर्बाद हो रही है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के टॉपर छात्र हुए सम्मानित

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

बहुजन महानायक जन्मोत्सव आयोजन संयुक्त समिति के तत्वावधान में रविवार को आचार्य नरेन्द्र देव इण्टर कॉलिज, उरई में भव्य संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जितेंद्र कुमार दोहरे सूबेदार दीप प्रज्वलित किया इस गौरवपूर्ण अवसर पर हाल ही में सम्पन्न हुई डॉ. अम्बेडकर प्रबुद्ध सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

समारोह में जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गयाः जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान यश कुमार पुत्र ज्ञान सिंह, द्वितीय स्थान तेज प्रताप सिंह पुत्र देवेन्द्र प्रताप सिंह,तृतीय स्थान साक्षी अहिरवार पुत्री मनोज कुमार आदि। वहीं सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्रियांशी गौतम पुत्री मनोज कुमार,द्वितीय स्थान श्रुति , तृतीय स्थान इशिका एवं सुयश कुमार (संयुक्त रूप से) इन सभी छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। इसके अतिरिक्त, बहुजन मीडिया कर्मियों को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी जालौन, संजय कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने का आवाहन किया। एडीएम संजय कुमार ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम पढ़ते थे उस समय संसाधन कम थे, मैं अपने गांव में सबसे पहले सिविल सेवा में जाने वालों में रहा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी उरई, नेहा व्याडवाल ने अस्वस्थ होने के बावजूद संविधान के विषयों पर अपने विचार रखे। अन्य वक्ताओं में, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग प्रथम, जितेंद्र नाथ और अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग द्वितीय, महेंद्र नाथ भारती, रामाधीन बाबूजी, कुलदीप बौद्ध, शालिनी बौद्ध, श्रद्धा चैरसिया, दीपसिखा श्रीवास, एम.एल.संजय ने भी संविधान दिवस और बाबा साहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। सहायक परिवहन अधिकारी जालौन, राजेश कुमार वर्मा ने बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा दिए गए संविधान और शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने जीवन और परिवार को आगे बढ़ा सकता है।

किन्नरों के नेग मांगने का विवाद खूनी संघर्ष में बदला

पायनिया संवाददाता। सुमेरपुर (हमीरपुर)

नेग लेने का किन्नरों का विवाद रविवार को तड़के खूनी संघर्ष में बदल गया। एक गुट के मजीरा वादक एवं वाहन चालक को दूसरे गुट के साथ आए युवकों ने धारदार हथियारों एवं लाठी डंडों से पीट कर लहुलुहान कर दिया। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

किन्नरों के झगड़े की शुरूआत 27 नवंबर को हुई थी। इसके बाद 29 नवंबर को सुबह टेढ़ा गांव में भी दोनों गुटों के बीच वाद विवाद हुआ था। एक गुट ने इसकी शिकायत गांव से लौटकर पुलिस को दी थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की इससे दूसरे गुट के हौसले बुलंद हैं। कस्बे के देवगांव मार्ग में रहने वाले किन्नर अंजना ने बताया कि वह पिछले एक दशक से कस्बे के किन्नर गुरु अफसाना के पास रहकर नेग आदि लेने का कार्य करती थी। पिछले एक वर्ष से वह बाहर थी। अब वह वापस कस्बे में आ गई है और अलग रहकर नेग मांगने का कार्य करती है। गत 29 नवंबर को सुबह 6रू00 बजे वह टेढ़ा की एक गेस्ट हाउस में नेग लेने के लिए अपने साथियों के साथ गई थी। तब अफसाना गुट के किन्नर ने उसके साथ गाली गलौज करके मारपीट की थी। इसकी शिकायत उसने लौटकर थाने में की थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की है। इससे दूसरे गुट के किन्नरों के हौसले बुलंद हो गए है और रविवार को तड़के जब वह मंजीरा वादक शिवपूजनए वाहन चालक हरिपूजन के साथ कस्बे के बस स्टैंड के समीप गेस्ट हाउस में नेग लेने पहुंची। उसी समय दूसरे गुट की काजल उर्फ संजय निवासी बिलगांव बांदा अपने साथी पप्पूए अभयए फहीम एवं 20 अज्ञात युवकों के साथ हमला बोल दिया। सभी लोग चाकूए लाठी डंडे से लैस थे। सभी ने गाली गलौज करके चाकू एवं लाठी डंडों से मारकर लहूलुहान कर दिया। इस मारपीट में वाहन चालक हरीपूजनए मंजीरा वादक शिवपूजन के साथ उसे गंभीर चोटे आई है। हरिपूजन एवं शिवपूजन को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया है। जहां दोनों का उपचार चल रहा है। पीड़ित अंजना ने बताया कि उसने तत्काल 112 को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और उसके साथ घायलों के बयान दर्ज किया। इसके बाद उसमें थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने तहरीर दी है। मामले की जांच कर कार्यवाही करेंगे।

जालौन में सड़क हादसों में आई कमी

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

❖ नियमों के पालन से घटे हादसे, यातायात माह में चला सख्त प्रवर्तन व जनजागरूकता अभियान

यातायात माह नवम्बर-2025 के समापन अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में यातायात प्रभारी वीर बहादुर सिंह ने जनपद में सड़क दुर्घटनाओं के घटते आंकड़ों को सकारात्मक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं प्रशासन द्वारा चलाए गए व्यापक जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियानों से दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है, जो स्थानीय जनता में बढ़ती समझ और सहयोग का प्रतीक है।

तुलनात्मक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में जहां 45 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुई थीं, वहीं नवंबर 2025 में यह संख्या घटकर 37 रह गई। इसी प्रकार मृतकों की संख्या 25 से घटकर 17 तथा घायलों की संख्या 38 से कम होकर 29 दर्ज की गई। यातायात प्रभारी ने बताया कि यह कमी हेल्मेट व सीट बेल्ट के बढ़ते उपयोग, ओवरस्पीड और अतिक्रमण पर प्रभावी रोकथाम, तथा जनता की नियमों के प्रति संवेदनशीलता का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यातायात माह के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 6390 चालान किए गए, जिनसे 1,26,900 रुपये शमन शुल्क वसूल किया गया, वहीं विभिन्न अधिरोपण प्रावधानों के तहत 81,99,600 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया। सबसे अधिक बिना हेल्मेट वाहन चलाने पर 3292 चालान किए गए, जिनसे 42,000 रुपये वसूल हुए। दोपहिया वाहन में तीन सवारी बैठाने पर 504 चालान किए गए। इसके अलावा ओवरस्पीड, गलत दिशा में वाहन चलाने, हूटर एवं दबंगई से हॉर्न बजाने, मोबाइल पर बातचीत करते हुए वाहन चलाने, फाल्टी नंबर प्लेट एवं नो पार्किंग में वाहन खड़े करने के मामलों में भी कड़ी कार्रवाई की गई। प्रभारी ने बताया कि बिना बीमा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट का उल्लंघन, ओवरलोडिंग, काली फिल्म, प्रदूषण नियंत्रण नियमों के उल्लंघन एवं मादक पदार्थों के सेवन कर वाहन चलाने के मामलों में भी सख्ती बरती गई।

कुल 18 वाहनों को सीज किया गया। यातायात प्रभारी वीर बहादुर सिंह ने संदेश देते हुए कहा कि सुरक्षित यातायात केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। हेलमेट, सीट बेल्ट, नियंत्रित गति, मोबाइल का उपयोग न करना और मद्यपान कर वाहन न चलाना जैसे छोटे अनुशासन जीवन बचाने वाले बड़े संकल्प हैं। उन्होंने अपील की कि नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए करें। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सुरक्षित यातायात के लिए जनजागरूकता को अनिवार्य बताया। शांति संदेश के साथ यातायात माह का विधिवत समापन किया गया।

यातायात माह समापन पर सम्मान समारोह, नियम पालन की बनी सीख

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

पुलिस लाइन उरई में रविवार को यातायात माह समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा रहे। मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने में विशेष योगदान देने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं यातायात पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने स्वागत गीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्व को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। जीवन ज्योति चंद्र कमल एकेडमी, रामश्री पब्लिक स्कूल, विवेकानंद ग्लोबल स्कूल कोंच तथा फाउन्टेनहैड पब्लिक स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति सराहनीय रही। अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने कहा कि नवंबर माह में जिले के कई विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का महत्व समझना और दूसरों को समझाना सामाजिक दायित्व है। विशिष्ट अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि सड़क हादसे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि किसी की जिंदगी, किसी का परिवार और भविष्य होते हैं। नियमों का पालन करने की आदत विकसित करना जरूरी है। पुलिस उपाधीक्षक यातायात अर्चना सिंह ने कहा कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करना कानूनी और नैतिक दोनों दृष्टि से हमारा कर्तव्य है।

संक्षिप्त समाचार

राहत योजना को लेकर लगा जागरूकता कैंप

(मुबारकपुर) आजमगढ़। बिजली बिल राहत योजना 2025झ26 के तहत अवर अभियंता अनिल यादव ने अपनी टीम के साथ रविवार को नेवादा बाजार में जागरूकता कैंप लगाया। कैंप में क्षेत्रीय सभासद तनवीर अहमद एवं शम्सुज्जमा भी मौजूद रहे। कैंप के दौरान अवर अभियंता ने उपभोक्ताओं को योजना के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जिन उपभोक्ताओं का बकाया है वे इस योजना के माध्यम से भारी छूट प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ह्लजल्दी आएं, ज्यादा लाभ पाएंह्व के संदेश के साथ समय से पहले योजना में पंजीकरण कर अपना लाभ सुनिश्चित करें। जे ई अनिल यादव ने बताया कि योजना का प्रथम चरण 1 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो रहा है। इसी क्रम में क्षेत्र में 1 दिसंबर को विशेष कैंप लगाकर पंजीकरण एवं संबंधित प्रक्रियाएँ पूरी कराई जाएँगी, ताकि उपभोक्ताओं को सुविधा मिल सके। कैंप में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अहमद जेया, मनोज कुमार, परवेज अहमद, कुंदन, उस्मान गनी, राजेंद्र यादव, आदि मौजूद थे।

7 वारंटियों को किया गया गिरफ्तार

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार द्वारा संचालित वारंटियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन सिंह के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी जहानागंज अतुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में आज दिनांक 30 नवम्बर 2025 को थाना जहानागंज पुलिस टीम द्वारा कुल 07 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में सोनू उर्फ शेरू कुमार, पुत्र विरेंद्र, निवासी भोपतपुर, थाना जहानागंज, आजमगढ़, अशोक, पुत्र श्यामकुवर, निवासी जनकपुर, थाना जहानागंज, आजमगढ़, फौजदार राम, पुत्र रामदेव, निवासी कड़ासर, थाना जहानागंज, आजमगढ़, छोटू, पुत्र फौजदार, निवासी कड़ासर, थाना जहानागंज, आजमगढ़, सुरेंद्र यादव, पुत्र वीरभान यादव, निवासी बसगीत, थाना जहानागंज, आजमगढ़, हवलदार पुत्र स्व. पूजन, निवासी मिजार्पुर खास, थाना जहानागंज, आजमगढ़ व केदार, पुत्र स्व. पूजन, निवासी मिजार्पुर खास, थाना जहानागंज, आजमगढ़ शामिल है ।

स्व. कैलाश सिंह की पुण्यतिथि पर मूर्ति अनावरण और सेवा कार्यक्रम

गोरखपुर। मानव शिक्षा सेवा संस्थान, नरहरपुर खड़ेसरी बड़हलगंज में मंगलवारए 2 दिसंबर को पूर्व ब्लॉक प्रमुख बरहज स्वण श्री कैलाश सिंह जी की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उनकी मूर्ति का अनावरण किया जाएगा और गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण कर उनकी स्मृति को जीवंत किया जाएगा।कार्यक्रम का शुभारंभ साई आश्रम परिसर में होगा। मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेन्द्र सिंह उपस्थित रहेंगेए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी करेंगे। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में देवरिया विधायक डॉण शलममणि त्रिपाठीए पूर्व राज्यमंत्री यशवन्त सिंह, बरहज विधायक दीपक मिश्र ष्शाकाष्ए पूर्व सांसद सलेमपुर रविन्द्र कुशवाहाए पूर्व ब्लॉक प्रमुख गोला अरुण चन्द तथा बांसगाँव विधायक बिमलेश पासवान भी शामिल होंगे। स्वर्गीय कैलाश सिंह के पुत्र ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि निखिल सिंह राजा का कहना है कि पिताजी के अधूरे सपने को पूरा करना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगीए इसीलिए हमारा प्रयास है कि क्षेत्र के गरीबों के लिए जो कुछ बन सके उनकी आवश्यकताओं को पूरा करता रहूंगा।कार्यक्रम संयोजक आलोक गुप्ता और पुनम गुप्ता ने बताया कि स्वण कैलाश सिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए संस्थान हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर सेवा कार्य आयोजित करता है। इस बार गरीबों और जरूरतमंदों को कम्बल वितरण कर उनकी स्मृति को समाज में जीवंत रखने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वण सिंह जी ने अपने जीवनकाल में समाज सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और गरीबों की मदद को अपना ध्येय बनाया।

युवक का शव नाले में मिलने से सनसनी फैली

राठ(हमीरपुर)। इटौरा मार्ग स्थित टूंका गांव के पास दो दिन पहले घर से निकले युवक का शव नाले में पड़ा मिलने पर सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंचे सीओ व पुलिस बल ने शव को बाहर निकाला। स्वजनों ने लघुशंका करते समय नाले में गिरने से मौत होने की आशंका जताई है। कोतवाली के टूंका गांव निवासी भजनलाल प्रजापति ने बताया कि मूल रूप से मझगवां थाने के इटौरा गांव निवासी हैं। करीब दस साल पहले उनके पिता 45 वर्षीय खेमराज प्रजापति परिवार सहित टूंका गांव आकर बस गए थे। जहां मिट्टी के बर्तन बनाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। बताया कि दो दिन पहले पिता रिश्तेदारी में जाने की कहकर घर से चले गए थे। रविवार सुबह टूंका व इटौरा के बीच नाले में उनका शव मिला। आशंका जताई कि रिश्तेदारी में जाते समय पिता नाला किनारे लघुशंका करने लगे होंगे। तभी शरीर का संतुलन बिगड़ने से नाले में गिरने से उनकी मौत हो गई। कोतवाल राकेश कुमार ने कहा कि मृतक शराब का लती बताया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर(हमीरपुर)। मोबाइल फोन से जाति सूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने पर पीड़ित ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कस्बे के संत कबीर नगर निवासी ओम शरन सोनकर ने बताया कि उसके पड़ोस में ललपुरा थाना क्षेत्र के परसनी गांव का निवासी आमिर किराए का कमरा लेकर रहता है। वह आए दिन मोबाइल फोन से मुझे तथा मेरे रिश्तेदारों को जाति सूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी देता है। पुलिस ने युवक के खिलाफ दलित उत्पीड़न एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

ब्रम्हानंद के जन्मोत्सव पर लगा स्वास्थ्य शिविर

राठ(हमीरपुर)। स्वामी ब्रह्मानंद के 131वें जन्मोत्सव पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर दवाइयां वितरण की। रविवार को बीएनवी इंटर कॉलेज के मैदान में लक्ष्य परिवार की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें झांसी उरई और बांदा के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने दो सैकड़ो मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और दवाइयां दी। रक्तदान शिविर में 40 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर लोधी छात्रावास में स्वामी ब्रह्मानंद की प्रतिमा का अनावरण कॉलेज प्रबंधन डा उमाकांत राजपूत ने किया। सीएचसी राठ व नौरंगा के डॉक्टर भी मौजूद रहे। इस मौके पर लक्ष्य परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

भिडंत में दो बाइक चालकों की मौत

राठ(हमीरपुर)। जलालपुर मार्ग स्थित नंदना-बहपुर गांव के पास तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में दोनों बाइक चालकों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि महिला समेत तीन लोग घायल हो गए हैं। घायलों को एंबुलेंस कर्मियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक जरिया थाने के गुहली गांव निवासी प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि रविवार को शाम उनका 20 वर्षीय इकलौता पुत्र राजू अपने जीजा मप्र नौगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा दोहनी निवासी बलराम कुशवाहा और ताऊ ममना गांव निवासी हरपाल सिंह कुशवाहा के साथ बाइक से राठ की ओर आ रहे थे। राजू जराखर गांव स्थित महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। सोमवार को उसका पेपर था। जिससे वह राठ आ रहा था। वही विपरीत दिशा से धीरु(33) निवासी ग्राम अमूद थाना जरिया से बाइक मे बैठकर घर लौट रहा था तभी नंदना गांव के पास दोनो बाइको में टक्कर हो गयी जिसमे धीरु व राजू की मौत हो गयी।

युवती के अपहरण का मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर(हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुत्री के अपहरण का मुकदमा पड़ोसी जनपद के युवक पर दर्ज कराया है एक गांव निवासी पिता ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मेरी पुत्री को गत 27 नवंबर की रात 8रू00 बजे बांदा जनपद जसपुरा थाना क्षेत्र के काना खेड़ा गांव निवासी पवन सिंह चार पहिया वाहन से अपहरण करके दबंगी के साथ ले गया है। इस घटना को गांव के कई लोगों ने देखा है। पुलिस ने पवन सिंह के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया है।

कोहली ने 135 रन बनाए, रोहित शर्मा ने 57 और केएल राहुल ने 60 रन की शानदार पारी खेली

कोहली का 52वां शतक, भारत ने बनाए 349 रन

एजेंसी। रांची

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (135 रन) के शानदार 52वें वनडे शतक की मदद से भारत ने रविवार को यहां श्रृंखला के शुरूआती एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ विकेट पर 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कोहली ने 120 गेंद की तेज पारी के दौरान 11 चौके और सात छक्के जमाए जो भारतीय पारी की रीढ़ बनी। क्रिकेट के एकमात्र इस प्रारूप में खेलने वाले इस स्टार ने अपनी अहमियत और दबदबे को फिर साबित किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा (51 गेंद में 57 रन) के साथ 136 रन की साझेदारी करके जेएससीए स्टेडियम की सपाट पिच पर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। कोहली अब टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप का हिस्सा नहीं हैं और अगले आठ महीनों में भारत को सिर्फ छह वनडे मैच खेलने हैं इसलिए 36 साल के इस क्रिकेटर के लिए इस प्रारूप का हर मैच अब अहमियत रखता है।

उन्होंने अपनी पारी से चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को याद दिलाया कि वह इस प्रारूप में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने हुए हैं। रोहित के पास भी खुद को साबित करने का एक शानदार मंच था। उन्होंने एक रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाया और मार्को यानसन की गेंद पर पगबाधा होने से पहले अर्धशतक ही बना सके। क्रिकेट प्रेमी कोहली और रोहित की बड़ी पारी खेलने के लिए बेकरार हैं और दोनों के बीच 136 रन की भागीदारी इन दोनों खिलाड़ियों का ही आत्मविश्वास नहीं बढ़ाएगी बल्कि टीम प्रबंधन को भी भरोसा देगी कि वे अब भी बड़े मंच के स्टार हैं और भारत के लिए अभी और खेल सकते हैं। पिच सपाट थी लेकिन दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने भी सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं की। रोहित को बर्गर की गेंद पर टोनी डी जोर्जी ने कैच छोड़कर जीवनदान दे दिया और इस बल्लेबाज ने इसका फायदा उठाते हुए यानसन और बॉश के खिलाफ लगातार बाउंड्री लगा दीं। उन्होंने यानसन पर पांच गेंद के अंदर दो बाउंड्री लगाईं और बॉश की अंदर आती गेंदों को आसानी से फ्लिक किया और शॉर्ट गेंदों को पुल किया। कोहली शानदार फॉर्म में दिख रहे थे और उन्होंने बर्गर की गेंद पर मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का मारकर अपने इरादे स्पष्ट किए। इसके बाद उन्होंने एक शानदार कवर ड्राइव लगाया। दोनों ने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों की लाइन एवं लेंथ में हुई गलती का फायदा उठाते हुए तेजी से रन बनाए जिससे कार्यवाहक कप्तान एडन मारक्रम को ऑफस्पिनर प्रेनलन सुब्रयन को मैदान में उतारना पड़ा। लेकिन रन गति में कमी नहीं हुई। कोहली ने बॉश की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि रोहित ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। जिससे भारत ने जल्दी ही 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। यानसन ने आखिरकार रोहित को पगबाधा आउट किया। इससे भारत की रन गति थोड़ी देर के लिए धीमी हुई। रुतुराज गायकवाड़ (08) और पांचवें नंबर पर उतारे गए वाशिंगटन सुंदर जल्दी जल्दी आउट हो गए। लेकिन कोहली डटे रहे। उनके शतक पूरा करने के तुरंत बाद एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए अंदर आ गया, वह घुटने के बल उनके सामने बैठ गया और उनके पैर छुए जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर किया।

रोहित ने वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ा

रांची। भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक छक्के (352) लगाने के मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। रोहित के नाम इस श्रृंखला से पहले 349 छक्के थे। अफरीदी ने 1996 से 2015 के बीच एकदिवसीय क्रिकेट में 398 मैचों में 351 छक्के लगाए थे। रोहित ने पारी के 15वें ओवर में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर प्रेनेलन सुब्रयन की गेंद पर डीप मिडविकेट पर लगातार दो छक्के लगाकर अफरीदी की बराबरी की और फिर मार्को यानसन की गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर पुल करके अफरीदी के काफी कम पारियों में सर्वाधिक एकदिवसीय छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड बना लिया। रोहित ने 2007 में पदार्पण के बाद भारत के लिए 278 मैचों की 270वीं पारी में इस उपलब्धि को हासिल किया। वह वनडे करियर का 60 अर्धशतक पूरा करने के बाद यानसन की गेंद पर पगबाधा हुए। उन्होंने 50 गेंद में 57 रन की पारी के दौरान तीन छक्कों के अलावा पांच चौके जड़े। उन्होंने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 109 गेंद में 136 रन की साझेदारी के साथ भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

संक्षिप्त समाचार

सान्या ने सुनील वर्मा स्मृति स्क्वैश टूर्नामेंट जीता

मुंबई। दो बार की पूर्व जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन 15वीं वरीय सान्या वत्स ने रविवार को यहां चौथी वरीय हमवतन भारतीय निरुपमा दुबे को सीधे गेम में हराकर 11वें सुनील वर्मा स्मृति स्क्वाश टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब जीत लिया। सान्या ने निरुपमा को 11-6, 11-9, 11-4 से हराया। दिल्ली की सान्या पहली बार चैलेंजर टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही थी और अपना पहला पीएसए खिताब जीतने में सफल रहीं। पुरुषों के फाइनल में फ्रांस के दूसरे वरीय मासियो लेवी ने मिस्र के शीर्ष वरीय यासिन एल्शाफेई को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 11-4 से हराकर खिताब जीता।

एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर 4 में सेंथिलकुमार, अनाहत होंगे दावेदार

चेन्नई। शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलवन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह सोमवार से यहां शुरू हो रहे एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर 4 में खिता के दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। पंद्रह हजार डॉलर पुरस्कार राशि वाले इस पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता में अनुभवी जोशना चिनप्पा (पूर्व महिला विश्व नंबर 10 हैं) और पुरुष विश्व नंबर 51 वीर चोटरानी सहित कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। सेंथिलकुमार, अनाहत, जोशना, और एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाले अभय सिंह नौ से 14 दिसंबर के बीच इस महानगर में होने वाले आगामी एसडीटी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। अभय इस सप्ताह हांगकांग में पीएसए प्लैटिनम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे।

हरमनप्रीत ने पिंक सिटी हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई

जयपुर। विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रन फॉर जीरो हंगर अभियान के तहत यहां पिंक सिटी हाफ मैराथन के 10वें सत्र को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस मैराथन में तीन श्रेणियां शामिल थीं। पेशेवर धावकों के लिए 21 किमी हाफ मैराथन, मध्यम धावकों के लिए 10 किमी 'कूल रन' के अलावा पांच किमी का 'ड्रीम रन (परिवार के साथ दौड़ने वालों और शौकिया धावकों के लिए) इस आयोजन में रन फोर जीरो हंगर' अभियान के समर्थन में लगभग 15,000 धावकों ने भाग लिया और नंदघरों में बच्चों के लिए एक लाख पोषण पैक जुटाए। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन की अंतरराष्ट्रीय ब्रांड दूत हरमनप्रीत ने कहा,यह देखना प्रेरणादायक है कि हजारों लोग न सिर्फ फिटनेस के लिए बल्कि एक ऐसे उद्देश्य के लिए भी दौड़े जो पूरे भारत में नंदघरों में बच्चों के जीवन को प्रभावित करता है। खेल को अगर अच्छे काम के लिए एक ताकत के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है तो यह और भी ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है।

इंटर मियामी ने जीत से एमएलएस कप फाइनल का टिकट कटाया

फोर्ट लाउडरडेल। इंटर मियामी ने शनिवार रात न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस का खिताब जीतने के साथ ही एमएलएस कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की जिससे दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी का एक और ट्रॉफी के लिए खेलना लगभग पक्का हो गया। इंटर मियामी की इस जीत में हालांकि मेस्सी के हमवतन और अर्जेंटीना टीम के उनके साथी खिलाड़ी तादेओ अलेंदे का सबसे बड़ा योगदान रहा जिन्होंने गोल की हैट्रिक पूरी की। टीम के लिए जोर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक-एक गोल किये। आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता मेस्सी के लिए यह मुकाबला कोई खास नहीं रहा लेकिन उन्होंने टीम की शुरुआती दो गोल में मददगार की भूमिका निभाई। यह क्लब और राष्ट्रीय टीम को मिलाकर मेस्सी के लिए 405 वां मदद था जो गोल में बदला।

जूनियर विश्व कप: स्पेन ने बेल्जियम को 2-0 से हराकर दूसरी जीत दर्ज की

मदुरै। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज स्पेन ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी मैच में रविवार को यहां बेल्जियम को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन ने जुआन प्राडो (20वें मिनट) के मैदानी गोल और ब्रूनो अविला (32वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से किए गए गोल की बदौलत जीत दर्ज की। स्पेन ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले मैच में मिस्र को 8-0 से शिकस्त दी थी। इस जीत से स्पेन छह अंक के साथ पूल डी में शीर्ष पर है। दुनिया की सातवें नंबर की टीम बेल्जियम दो मैच में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। स्पेन अब मंगलवार को नामीबिया से भिड़ेगा जबकि बेल्जियम का मुकाबला इसी दिन मिस्र से होगा। पूल डी के एक अन्य मैच में नामीबिया ने मिस्र को 4-2 से हराया। नामीबिया के लिए लियाम ब्रूस (23वें मिनट), जेम्स डि जैगर (26वें मिनट) और जोश वान डर मर्वे (32वें मिनट) ने तीन मैदानी गोल किए जबकि जॉन पॉल ब्रिट्ज ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।मिस्र के लिए अब्देलरहमान कासेम (28वें मिनट) और मोहब हेगाब (53वें मिनट) ने गोल किए। रविवार को यहां हुए दूसरे मैचों में दुनिया की पांचवें नंबर की नीदरलैंड ने मलेशिया को 6-1 से हरा दिया जिससे वह पूल ई में दो मैच जीतकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड ने ऑस्ट्रिया को 13-0 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। नीदरलैंड के लिए सैम लेन (5वें, 7वें, 33वें, 34वें, 41वें मिनट) ने पांच गोल किए जबकि जेम्स हॉकसन ने एक गोल किया।मलेशिया के लिए एकमात्र गोल फैजल सारी ने 43वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से किया। इंग्लैंड और ऑस्ट्रिया के बीच हुए मैच में कैडेन ड्रेसी (24वें, 25वें, 29वें, 53वें) और हेनरी मार्खम (32वें, 38वें, 47वें) ने हैट्रिक बनाई जबकि जॉर्ज फ्लेचर (21वें, 27वें), माइकल रॉयडेन (36वें), ओली बेनेट (40वें), एलेक्स चिहोटा (49वें) और मैक्स एंडरसन (54वें) ने विजेता टीम के लिए एक-एक गोल किया।

एलपीएल: सीएएल ने छह टीमों का किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ (सीएएल) ने रविवार को बहुप्रतीक्षित लखनऊ प्रीमियर लीग (एलपीएल) के पहले संस्करण के लिए छह दमदार टीमों की घोषणा की है। इसमें फरवरी-मार्च 2026 में होने वाली इस लीग का उत्साह अभी से चरम पर पहुँच गया है। टीमों के नामों की घोषणा करते हुए सीएएल अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि प्रतिष्ठित कॉरपोरेट समूहों के स्वामित्व वाली ये टीमें स्थानीय क्रिकेटरों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देंगी। डॉ. सहगल ने आगे कहा कि एलपीएल लखनऊ के क्रिकेटरों को बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देगा। यह न सिर्फ उनके खेल को निखारेगा, बल्कि बोर्ड ट्रॉफियों में विभिन्न राज्य टीमों के लिए उनकी दावेदारी को भी मजबूत करेगा। इस दौरान लीग की छह टीमों-लखनऊ नवाब्स, लखनऊ लायंस, लखनऊ स्ट्राइकर्स, लखनऊ एसेस, लखनऊ पैंथर्स और लखनऊ चैलेंजर्स-का आवंटन डिजिटल स्पिन व्हील के माध्यम से किया गया। एलपीएल में छह टीमों के बीच कुल 18 मैच खेले जाएंगे। खिलाड़ियों का चयन और नीलामी दिसंबर तथा जनवरी में प्रस्तावित है। फ्रेंचाइज़ियों को एक मार्की खिलाड़ी चुनने की अनुमति भी दी गई है। विप्रज निगम (लखनऊ लायंस), जीशान अंसारी (लखनऊ एसेस), आक्षदीप नाथ (लखनऊ स्ट्राइकर्स), नमन तिवारी (लखनऊ नवाब्स), उपेंद्र यादव (लखनऊ चैलेंजर्स) और अंश यादव (लखनऊ पैंथर्स) उन प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें विभिन्न फ्रेंचाइज़ियों में ड्राफ्ट किया गया। इस समारोह में भाग लेने वाले कॉरपोरेट समूहों में आरईपीएल स्पोर्ट्स (लखनऊ चैलेंजर्स), लाला जुगल किशोर कंस्ट्रक्शंस (लखनऊ पैंथर्स), विक्टोरियस एंडेवरर्स (लखनऊ एसेस), राजवीर वेंचर्स (लखनऊ लायंस), ग्रीन सिटी हॉस्पिटल (लखनऊ नवाब्स) और राज गार्डन (लखनऊ स्ट्राइकर्स) शामिल रहे। घोषणा के दौरान एलपीएल कमिश्नर एसपी मिश्रा और एलपीएल की एंटी-करप्शन यूनिट के प्रमुख तथा पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश पांडेय भी मौजूद थे। एलपीएल का प्रबंधन क्वाड स्पोर्ट्स द्वारा किया जा रहा है। इसके सीईओ आकाश उपाध्याय ने कहा कि एलपीएल लखनऊ में क्रिकेट के विकास के एक नए अध्याय की शुरूआत करेगा और क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़े स्तर का मनोरंजन भी साबित होगा।

म्हात्रे के शतक से मुंबई की हैट्रिक जीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भातरीय अंडर-19 टीम के कप्तान बनाए गये आयुष म्हात्रे (नाबाद 104 रन, 59 गेंद, 5 चौके, 9 छक्के) ने रविवार को इकाना स्टेडियम पर लगातार दूसरा आतिशी शतक जड़कर इतिहास रच दिया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए के लीग मुकाबले में आयुष की धमाकेदार बल्लेबाज की बदौलत मुंबई ने आज आंध्र प्रदेश को नौ विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। आयुष ने इससे पहले खेले गए मैच में विदर्भ के खिलाफ 53 गेंदों में नाबाद 110 रन बनाये गये। आंध्र प्रदेश के सात विकेट पर 159 रनों के जवाब में मुंबई ने 15.2 दो ओवर में एक विकेट खोकर जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिया। आयुष और सूर्य कुमार यादव मुंबई को जीत दिलाकर पवेलियन लौटे।

मुंबई ने टॉस जीत कर आंध्र प्रदेश को

सैयद मुश्ताक अली ग्रुप ए

पहले बल्लेबाजी का मौका दिया। आंध्र ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 120 रन बनाये। टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। 30 रन के योग पर तीन विकेट गिर गये। सलामी बल्लेबाज भाराात (30 रन) आउट होने के बाद कप्तान रिकी भुई और प्रसाद ने मोर्चा संभाला। रिकी ने 40 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से 48 रन बनाये। प्रसाद ने 32 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 44 रनों की पारी खेली। मुंबई के तुषार देशपांडे ने चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट चटकाये। साईराज ने दो विकेट लिये।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने मुंबई के शतकवीर आयुष म्हात्रे और आजिंक्य रहाणे मैदान पर पहुंचे। आजिंक्य 18 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद मैदान पर पहुंचे सूर्य कुमार यादव और आयुष म्हात्रे ने मिल कर आंध्र के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। आयुष ने 33 गेंदों में 50 रन पूरे किये। इसके बाद भी वह नहीं थमे, टीम को जीत दिलाने और शतक पूरा कर ही वह वापस लौटै। सूर्य कुमार यादव ने एक चौके और दो छक्के की बदौलत नाबाद 31 रनों की पारी खेली।

संजू सैमसन की आतिशी पारी से जीता केरल : आईपीएल के स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन आज फार्म में दिखाई पड़े। उन्होंने 15 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के की बदौलत 43 रनों की आतिशी पारी खेली। इकाना स्टेडियम पर संजू की धमाकेदार बल्लेबाजी की बदौलत केरल ने छत्तीसगढ़ को आसानी से आठ विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ ने 19.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 120 रन बनाये। जवाब में केरल ने दो विकेट खोकर जीत के लिए जरूरी रन बना लिये।

टॉस जीत कर पहले केरल ने पहले छत्तीसगढ़ को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। टीम की शुरआत अच्छी नहीं रही। 6.3 ओवर में 46 रन के योग पर टीम ने तीन विकेट खो दिये। कप्तान अमनदीप खरे ने 41 और संजीत देसाई ने 35 रन बनाकर टीम को संघर्ष करने लायक स्कोर तक पहुंचाया। मैन ऑफ द मैच रहे केरल के आसिफ ने तीन ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिये। विग्नेश और अंकित शर्मा ने दो-दो विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करते उतरी केरल की सलामी जोड़ी संजू सैमसन और रोहन के बीच पहले विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। संजू ने 43 और रोहन ने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के की बदौलत 33 रन बनाये।

रेलवे ने असम को आठ विकेट से हराया : सुबह के सत्र में खेले गए मुकाबले में रेलवे ने असम को तीन विकेट से पराजित किया। इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम के ग्राउंड बी पर खेले गये मैच में असम ने 20 ने ओवर में सात विकेट खोकर 132 रन बनाये। सिबसंकर रॉय ने 30 और निहार ने 27 रन बनाये। मध्य क्रम के बल्लेबाज साहिल जैन ने 38 रन बनाये। रेलवे की ओर से अटल बिहारी राय, आर शर्मा और करन शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे ने चार विकेट खोकर दो गेंद बाकी रहते जीत के लिए जरूरी रन बना लिये। रेलवे के एआर पाण्डेय ने 36 और मो. सैफ ने 29 रन बनाये। करण शर्मा ने 16 गेंदों में दो चौके और दो छक्के की बदौलत 24 रनों की पारी खेली।

अमन की आतिशी बल्लेबाजी से जीता विदर्भ : इकाना स्टेडियम बी मैदान में दोपहर के सत्र में खेले गए मैच में विदर्भ ने ओडिशा को आठ विकेट से हरा दिया। ओडिशा ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 160 रन बनाये। जवाब में विदर्भ ने दो विकेट खोकर 14.5 ओवर में ही 163 रन बनाकर जीत दर्ज की। जीत के हीरो रहे अमन ने विस्फोटक पारी खेली, उन्होंने 40 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की बदौलत नाबाद 73 रन बनाये। मैदान पर उनके साथ मौजूद ध्रुव ने भी आतिशी बल्लेबाजी की और 39 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के की बदौलत नाबाद 69 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ओडिशा के बल्लेबाज मैदान में टिक नहीं सके। संबित ने 46 और पी कुमार सिंह ने 40 रन बनाकर टीम को संघर्ष करने लायक स्कोर तक पहुंचाया।

अभिषेक के तूफानी शतक से पंजाब 112 रन से जीता

आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक शर्मा की 52 गेंद में 148 रन की आक्रामक पारी से पंजाब ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मैच में रविवार को यहां बंगाल को 112 रन के बड़े अंतर से हराया। अभिषेक ने मोहम्मद शमी और आकाश दीप जैसे भारतीय गेंदबाजों की मौजूदगी वाली बंगाल के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करते हुए महज 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में संयुक्त रूप से तीसरा जबकि भारत की ओर से संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। अभिषेक ने अपनी पारी में 16 छक्के जड़े जिससे पंजाब ने पांच विकेट पर 310 रन बनाने के बाद बंगाल की पारी को नौ विकेट पर 198 रन पर रोक दिया। बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 66 गेंद में 130 रन का योगदान दिया । अभिषेक एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। पुनीत बिष्ट (17 छक्के) इस सूची में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने मेघालय का प्रतिनिधित्व करते हुए मिजोरम के खिलाफ एक घरेलू मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। प्रभसिमरन सिंह (35 गेंदों पर 70 रन) के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने मोहम्मद शमी, आकाश दीप, ऋतिक चटर्जी और शाहबाज़ अहमद जैसे अनुभवी गेंदबाजों पर करारा प्रहार किया।

श्रीसा-गायत्री ने लगातार दूसरा सैयद मोदी खिताब जीता

सैयद मोदी बैडमिंटन

रघुबीर शर्मा। लखनऊ

गत चैंपियन त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में अपना महिला युगल खिताब सफलतापूर्वक बचा लिया। उन्होंने रविवार को भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के तत्वावधान में यूपी बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में हुए फाइनल में जापान की काहो ओसावा और माई तानाबे को हराया। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए 17-21, 21-13, 21-15 से जीत दर्ज की। जबकि पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत को करीबी फाइनल में हार मिली। वह इंडोनेशिया के जेसन गुनावान से 21-16, 8-21, 22-20 से हार गए। इससे पहले मिश्रित युगल खिताब आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने जीता जिन्होंन सातवीं वरीय थाईलैंड के पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्पिसरी तेरत्तनाचाईन को 21-19, 21-16 से हराया। इससे पूर्व देजान फर्डिनानस्याह ने 2023 में ग्लोरिया इमैनुएल विजाजा के साथ यहां मिश्रित युगल खिताब जीता था। महिला एकल फाइनल में पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची ने चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन को 21-16, 21-14 से हराया। पुरुष युगल के विजेता छठीं वरीय मलेशिया के एरन ताय व कांग खाई शिंग रहे जिन्होंन ने तीसरी वरीय मलेशिया के ही ल्वी शेंग हाओ व चिया वेइजिए को 21-9, 21-19 से हराया।

गत चैंपियन त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मैच एक घंटे 16 मिनट तक चला। मैच की शुरूआत 49 शॉट की लंबी रैली से हुई, जिसने मुकाबले की कड़ी टक्कर का संकेत दे दिया। जापानी जोड़ी ने 6-3 की बढ़त बनाई, लेकिन त्रिसा की तेज स्मैश से भारतीयों ने 8-6 की बढ़त ले ली। इसके बाद ओसावा और तानाबे ने फिर बढ़त हासिल की और भारतीयों के दो गेम प्वाइंट बचाने के बावजूद पहला गेम जीत लिया। साइड बदलने के बाद त्रिसा और गायत्री का खेल और बेहतर हो गया। उन्होंने 9-2 की मजबूत बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-5 से आगे रहीं। त्रिसा के बैककोर्ट से दमदार शॉट और तेज इंटरसेप्शन ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय जोड़ी ने तीसरा गेम प्वाइंट लेकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचाया। फाइनल गेम में भारत ने 7-4 की बढ़त बनाई। थोड़ी देर की गलतफहमी के बाद उन्होंने फिर नियंत्रण हासिल कर लिया। नेट पर तेज खेल और गायत्री के शानदार फिनिश ने भारत को अंतराल तक छह अंकों की बढ़त दिलाई। जापानी जोड़ी 12-14 और 13-15 तक अंतर कम करने में सफल रही, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने समय पर अंक लेकर बढ़त बनाए रखी। त्रिसा के एक सटीक ड्रॉप शॉट ने भारत को छह मैच प्वाइंट दिलाए और दूसरा मौका मिलते ही उन्होंने जीत दर्ज कर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार (एसीएस, एमएसएमई.), खेल सचिव सुहास एल वाई (, सचिव खेल) समेत यूपीबीए के अध्यक्ष डा.नवनीत सहगल, बीए के उपाध्यक्ष व यूपीबीए के चेयरमैन विराज सागर दास, बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन व बीबीडी यूनिवर्सिटी की चांसलर अलका दास, यूपी बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव व आयोजन सचिव डा.सुधर्मा सिंह, एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष आनंद खरे व उपाध्यक्ष अरुण कक्कड़ ने पुरस्कार वितरित करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया।

...आखिरी सांस तक जड़े श्रीकांत लेकिन फिर बढ़ा खिताबी इंतजार

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का इंतजार एक बार फिर बढ़ गया। 2017 फ्रेंच ओपन के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने की उनकी कोशिश सैयद मोदी इंडिया 2025 के फाइनल में अधूरी रह गई। वे पुरुष एकल फाइनल में हॉन्ग कॉन्ग के जेसन गुनावान से 16-21,21-8,22-20 से हार गए। मैच का आखिरी गेम बेहद उतार-चढ़ाव से भरा रहा,जहां दोनों खिलाड़ी बराबरी की टक्कर देते रहे। निर्णायक गेम में श्रीकांत ने 11-10 की मामूली बढ़त लेकर बदलाव किया और कुछ शानदार स्मैश के दम पर 18-17 से आगे भी हुए। लेकिन अहम मौके पर उनकी कुछ गलतियां भारी पड़ीं। 19-20 पर उनका शॉट लाइन से बाहर चला गया,जिसकी पुष्टि गुनावान की सफल समीक्षा से हुई। इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने अगला अंक हासिल कर मैच जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत पूरी तरह हावी रहे और 21-7 से आसान जीत लेकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचाया। लेकिन तीसरे गेम में 17-14 की बढ़त गंवाने के बाद वह दबाव झेल नहीं पाए। अंत में कड़ी लड़ाई के बाद श्रीकांत को करीबी हार झेलनी पड़ी और उनका आठ साल बाद पहला खिताब जीतने का सपना टूट गया।

वेब साइट को ब्लॉक करने के तरीके

कम्प्यूटर पर आप कई साइट्स को ब्लॉक कर सकते है। साइट्स को ब्लॉक करने के कई तरीके होते है। आप ऑपरेटिंग सिस्टम और नेटवर्क राउटर पर साइट्स को ब्लॉक कर सकते है। अगर आपको अपने पर्सनल कम्प्यूटर पर कुछ ऐसी साइट्स है जिनको ब्लॉक करना चाहते है तो इसके लिए कुछ आसान से टिप्स बताये गए है। आप इन टिप्स का इस्तेमाल कर सकते है।

सबसे पहले आप अपने कम्प्यूटर में एडमिनिस्ट्रेटर अकाउंट से सिस्टम में लॉग इन करे। इसके बाद रन पर जाकर क्लिक करे। रन ऑप्शन आपको सर्च में जाकर मिलेगा। रन पर क्लिक करने के बाद आप सीःविंडोजसिस्टम32ड्राइवरईटीसी पर जाये। आपको होस्ट नाम की एक फाइल दिखेगी उस पर जाकर डबल क्लिक करे। जब आप होस्ट फाइल ओपन करेंगे तो आपको इस फाइल में कुछ -127.0.0.0.1 लोकलहोस्ट और -::1 लोकलहोस्ट लिखा हुआ मिलेगा।

यूजर्स को फाइल को एडिट करने के लिए सारे राइट्स देना पड़ता है। प्रापर्टिज बटन पर क्लिक करने के बाद आप सिक्यूरिटी टैब-यूजर अकाउंट-एडिट में जाकर एडिट कर सकते है। साइट्स को ब्लॉक करने के लिए आप फूल कंट्रोल पर क्लिक करे। साइट्स को ब्लॉक करने के लिए आप एड्रेस बार में उन साइट्स का नाम डाले। आपको जिस भी साईट को ब्लॉक करना है उसके साथ 127.0.0.1 भी टाइप करे। ऐसा करने पर आपके कम्प्यूटर में वह साईट ब्लॉक हो जाएगी।

जैसे आपको गूगल की साइट को ब्लॉक करना है तो आप फाइल के आखरी में 127.0.0.1 डब्लूडब्लूडब्लू डॉट गूगल डॉम कॉम को टाइप करे। आप एक बार में एक से ज्यादा साइट को ब्लॉक नही कर सकते है। सबसे आखरी में सेव बटन पर क्लिक कर दे। कम्प्यूटर को बंद करके फिर से स्टार्ट करे आपने जिन भी साइट को ब्लॉक किया है वे सभी साइट ब्लॉक हो जाती है।

स्मार्टफोन असली है या नकली, ऐसे पहचानें

अगर आपको किसी बड़े ब्रांड का मोबाइल फोन उसकी असली कीमत से काफी कम में मिल रहा है, तो उसे खरीदने से पहले उसकी कड़ी जांच जरूर कर लें, क्योंकि ऐसे प्रॉडक्ट नकली भी हो सकते हैं। पिछले दिनों ऐसी कई खबरें आईं जिनमें बड़े ब्रांड के पकड़े गए फोन असल में नकली थे। काफी कम कीमत में बड़े ब्रांड के फोन मिलने पर बहुत से लोग धोखा जा जाते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि आपको असली और नकली स्मार्टफोन में अंतर पता करने का तरीका मालूम हो। अब हम आपको बताने जा रहे हैं असली और नकली फोन को पहचानने की 10 आसान ट्रिक्स...

- **स्मार्टफोन की लुक्सः** स्मार्टफोन असली है या नकली उसके लिए सबसे पहले फोन की बॉडी की फिनिशिंग और कंपनी के लोगो को ध्यान से देखें। अगर लोगो में या फिनिशिंग में कुछ भी गड़बड़ लगती है तो फोन फेक हो सकता है क्योंकि अक्सर नकली फोन में कंपनी का लोगो ऊपर से लगा दिया जाता है। स्मार्टफोन खरीदते वक्त फोन की पैकिंग गौर से देखें।
- **कलर और डिजाइनः** जब भी कोई मॉडल खरीदने जाते हैं तो उसके बारे में इंटरनेट से जानकारी जरूर लें। जैसे कि कितने रंगों में फोन लॉन्च किया गया है। स्मार्टफोन की जानकारी सिर्फ कंपनी की ऑफिशियल से ही देखें।
- **फोन का वजनः** फोन का वजन ऑफिशियल वेबसाइट पर चेक करें। क्योंकि नकली फोन में हल्के पार्ट्स लगा दिए जाते हैं। फोन से जुड़ी जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर जरूर पढ़ लें।
- **स्पीड और फीचर्सः** ऑरिजिनल फोन की नकली फोन की तुलना में स्पीड कम होती है। नकली फोन में सॉफ्टवेयर की मदद से उसकी हार्डवेयर डीटेल बदल दी जाती है। अगर आपका फोन स्लो चल रहा है तो यह नकली हो सकता है।
- **कीमतः** फोन की असल कीमत के बारे में कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट से पता करें। अगर आपको स्मार्टफोन काफी कम कीमत में मिल रहा है तो उसे तुरंत छोड़ दें। एक बात का और जरूर ध्यान रखें कि आपके पसंदीदा मॉडल की कितनी सेल है और इसके ऑनलाइन प्राइसेज क्या है। कम कीमत के लालच में कभी न आएं।
- **गारंटी या वारंटीः** स्मार्टफोन खरीदते वक्त उसकी गारंटी या वारंटी के बारे में जरूर पता कर लें। इससे जुड़े तमाम पेपर्स को ध्यान से चेक करें। जिस भी रिटेल शोरूम या शॉप से स्मार्टफोन खरीद रहें हैं वहां से सील जरूर लगवाएं। कंपनियां वारंटी के साथ साथ प्रोडक्ट में डिफेक्ट निकलने पर रिप्लेसमेंट का भी ऑप्शन देती हैं, जबकि नकली फोन में ये सुविधा नहीं मिलती।
- **आईएमईआई नंबरः** हर मोबाइल का आईएमईआई नंबर होता है। अपने फोन के इस नंबर को पता लगाने के लिए डायल करके जान सकते है। इसे देखने के लिए अपने फोन के हैंडसेट की बैट्र निकालकर फोन के पैनल पर लगे स्टीकर से इस नंबर का पता कर सकते है। अगर फोन डुअल सिम है तो उसके दो आईएमईआई नंबर होंगे।
- **वेंडर रेटिंगः** ऑनलाइन फोन खरीदते वक्त वेंडर रेटिंग पर जरूर ध्यान दें। अच्छे वेंडर के प्रोडक्ट नकली होने की संभावना कम होती है। इसलिए हमेशा अच्छी रेटिंग वाली ई-कॉमर्स बेवसाइट्स से ही स्मार्टफोन खरीदें।
- **ऐप्स हेल्पः** गूगल प्ले स्टोर पर कई ऐसे एंड्रॉइड ऐप्स हैं जो स्मार्टफोन के हार्डवेयर से जुड़ी तमाम जानकारी आपको देते हैं जैसे कि ऐप्स प्रोसेसर, रैम, ग्राफिक्स के साथ स्मार्टफोन का मॉडल, ब्रांड, स्क्रीन के साथ अन्य हार्डवेयर फीचर्स भी बता देती हैं। इन ऐप्स में सीपीयू-जेड, माई लांचर (एमआईयूआई), सीपीयू एक्स जैसे ऐप्स शामिल भी है।
- **हार्डवेयर स्विचः** जो स्मार्टफोन फेक होते हैं उनके हार्डवेयर बटन अलग होते हैं। इनमें ज्यादा अंतर नहीं होता, लेकिन असली स्मार्टफोन के साथ इसे इस्तेमाल करके महसूस किया जा सकता है। अगर आपको स्मार्टफोन नकली लग रहा है, तो आप इसकी जानकारी कंपनी के ऑफिशियल स्टोर या डीलर को दे सकते हैं।

30 लाख नौकरियां खतरे में, अगले 10 सालों में एआई छीन सकता है काम

एआई के साइड इफेक्ट्स सामने आने शुरू हो गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यूके के वर्कफोर्स में धीरे-धीरे घुस रहा है, और एक नई स्टडी बताती है कि अगले 10 सालों में लाखों वर्कर्स पर इसका असर पड़ सकता है। नेशनल फाउंडेशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, एआई और ऑटोमेशन की मिली-जुली ताकतों की वजह से 2035 तक 3 मिलियन (30 लाख) तक कम-स्किल्ड नौकरियां खत्म हो सकती हैं। हालांकि रिपोर्ट में माना गया है कि इसी समय में पूरी इकॉनमी में लगभग 2.3 मिलियन (23 लाख) नई नौकरियां जुड़ सकती हैं, लेकिन ये फायदे बराबर नहीं बंटेंगे।

किन जॉब्स पर खतरा, किसकी बढ़ेगी डिमांडः सबसे बड़ी चिंता ट्रेड्स, मशीन ऑपरेशन्स और एडमिनिस्ट्रेटिव रोल्स में काम करने वाले लोगों के लिए है, जिन्हें मशीनों या सॉफ्टवेयर से रिप्लेस होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है।

दूसरी तरफ, इंजीनियर, साइंटिस्ट और टीचर जैसे बहुत स्किल्ड प्रोफेशनल की डिमांड बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि टेक्नोलॉजी प्रोडक्टिविटी बढ़ाती है और कम से कम शॉर्ट से मीडियम टर्म में वर्कलोड बढ़ाती है। ऑटोमेशन के लिए सबसे ज्यादा कमजोर कामों में एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट, फैक्ट्री और मशीन ऑपरेटर, वेयरहाउस वर्कर, कैशियर और प्लंबिंग, रूफिंग और इलेक्ट्रिकल काम जैसे कुछ काम शामिल हैं।

सुरक्षित ऑनलाइन शॉपिंग के लिए फॉलो करें ये टिप्स

इन दिनों लगभग हर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ब्लैक फ्राइडे सेल चल रही है। इस दौरान सामान काफी सस्ता हो जाता है और लोग खूब शॉपिंग करते हैं। इसे देखते हुए स्कैमर्स भी एक्टिव हो जाते हैं और वो फर्जी वेबसाइट या दूसरे तरीकों से लोगों को चूना लगाने की कोशिश में रहते हैं। हाल ही में 2,000 से ज्यादा असली लगने वाली फर्जी वेबसाइट्स का पता लगा है, जहां लोगों से सेल का लालच देकर पैसा लूटा जा रहा था। ऐसे में ऑनलाइन शॉपिंग करते समय सतर्क रहने की जरूरत है। आज हम आपको ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान सुरक्षित रहने की टिप्स बताने जा रहे हैं।

केवल भरोसेमंद वेबसाइट से करें शॉपिंगः ऑनलाइन शॉपिंग के लिए हमेशा भरोसेमंद वेबसाइट पर ही जाएं। मैसेज में आए लिंक या सोशल मीडिया पर दिखे लुभावने ऑफर के लालच में किसी नई या संदिग्ध लगने वाली वेबसाइट पर शॉपिंग करने से बचें।

यूआरएल में लॉक आइकन को देखेंः अगर आपको किसी वेबसाइट पर डाउट है तो हमेशा उसके यूआरएल को ध्यान से देखें। असली वेबसाइट के यूआरएल में कोई स्पेलिंग मिस्टेक नहीं होगी और इसमें लॉक आइकन भी नजर आएगा। लॉक आइकन का मतलब है कि साइट पर सिक्योर सॉकेट लेयर एनक्रिप्शन लगा है, जिससे आपका डेटा अनएनक्रिप्टेड साइट से ज्यादा सुरक्षित है।

डेबिट कार्ड से न करें शॉपिंगः ऑनलाइन शॉपिंग के लिए मोबाइल पेमेंट ऐप या क्रेडिट कार्ड का ही यूज करें। कभी भी डेबिट कार्ड से शॉपिंग न करें। अगर डेबिट कार्ड कॉम्प्रोमाइज हो जाता है तो साइबर क्रिमिनल्स को आपके बैंक अकाउंट की सारी डिटेल मिल जाएगी, जिससे आपको भारी नुकसान उठाना पड़ जाएगा।

पब्लिक वाई-फाई पर शॉपिंग न करेंः अगर आप कैफे, रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट पर हैं और पब्लिक वाई-फाई का यूज कर रहे हैं तो ऑनलाइन शॉपिंग करने से बचें। इसकी वजह यह है कि पब्लिक वाई-फाई में सेफ्टी कम होती है और इसके जरिए होने वाली ट्रांजैक्शंस को हैक किया जा सकता है।

क्या व्हाट्सऐप मैसेज डिलीट हो गए हैं, ऐसे वापस पाएं

कई बार व्हाट्सऐप मैसेज डिलीट होने पर हमें काफी अजीब-सा लगता है कि करीबी दोस्तों के साथ किया चैट हमेशा के लिए खत्म हो गया। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो एक खुशखबरी है। आप व्हाट्सऐप पर डिलीट हो चुके मैसेज को वापस पा सकते हैं। व्हाट्सऐप का इस्तेमाल कर रहे ज्यादातर यूजर्स शायद यह बात नहीं जानते होंगे कि हर सुबह 4 बजे व्हाट्सऐप आपके मोबाइल फोन के सारे मैसेज को रिस्टोर करता है। ऐसे में अगर आपसे कोई मैसेज धोखे से डिलीट हो गया है, तो आप इसको आसानी से वापस पा सकते हैं।

ये है प्रोसेस....

1. व्हाट्सऐप को अपने मोबाइल में से अनइंसटॉल कर दें।
2. इसके बाद स्टोर से व्हाट्सऐप को दोबारा अपने मोबाइल में इंसटॉल करें।
3. इंस्टॉलेशन के प्रोसेस के समय यह एप्लीकेशन आपसे पुराने मैसेज रिस्टोर करने को पूछेगा।
4. अगर आप यस पर क्लिक करते हैं तो पिछले रिस्टोर तक आपके सारे मैसेज वापस आ जाएंगे।

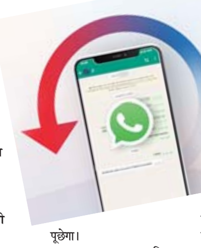

आप अपने व्हाट्सऐप को कंप्यूटर या मोबाइल में इस्तेमाल कर सकते हैं...

इसके लिए आपको गूगल क्रोम में व्हाट्सऐप वेब टाइप करना होगा। इसके बाद आप अपने मोबाइल में आ रहे अनुदेश को फॉलो करके व्हाट्सऐप को कम्प्यूटर या लैपटॉप से जोड़ सकते हैं। इसके बाद सभी मैसेज नोटिफिकेशन आपको आपके कम्प्यूटर या लैपटॉप पर मिलने लगेंगे। ध्यान रहे आपको फोन उस वक्त इंटरनेट से कनेक्ट होना चाहिए। यह सुविधा अभी आईफोन यूजर्स के लिए नहीं है।

एन्ड्रॉयड और विडोज फोन के यूजर्स अपनी व्हाट्सऐप चैट, फोटो और वीडियो को पासवर्ड से प्रोटेक्ट कर सकते हैं। प्ले स्टोर से व्हाट्सऐप लॉकर एप इंस्टॉल करके आप पिन डालकर अपने व्हाट्सऐप अकाउंट को लॉक कर सकते हैं। आईफोन यूजर्स इस सुविधा को जेलब्रेकिंग के माध्यम से इस्तेमाल कर सकते हैं।

फेसबुक प्रोफाइल से अनचाहे लोगों को कैसे रखें दूर

क्या आपको पता है कि फेसबुक पर हमारी गतिविधियों के बारे में कोई भी बेहद आसानी से जान सकता है? हमारी निजी जानकारियां इंटरनेट पर जासूसी करने वालों से सुरक्षित नहीं है। खासतौर से फेसबुक पर (थ्बमइववा) हम जो जानकारियां सबमिट करते हैं, उन्हें चोरी-छिपे बेहद आसानी से देखा जा सकता है। यदि आपको फेसबुक की कुछ ट्रिक्स मालूम हों, तो आप इस खतरे को टाल भी सकते हैं।

फेसबुक प्रोफाइल बनाते वक्त हम सबमिट करते हैं अपनी बहुत-सी जानकारियांः-

आमतौर पर लोग फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट का इस्तेमाल फोटो शेयरिंग, लाइक, कॉमेंट, वीडियो अपलोड करने के लिए करते है। आप अन्य लोगों द्वारा शेयर की गई फोटो, वीडियो पर लाईक या कमेंट भी करते हैं। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को ज्वाइन करने से पहले आप प्रोफाइल बनाते हैं और इस प्रक्रिया के दौरान ही आप अपनी तमाम जानकारियां भी उपलब्ध कराते हैं। हालांकि हमें यह मालूम नहीं होता कि हमारी इन्हीं जानकारियों को कोई अनजान व्यक्ति चुरा भी सकता है।

कैसे होती है फेसबुक प्रोफाइल की जासूसी

आपकी दी गई जानकारी के मुताबिक कंपनियां आपको ऐड भेजती हैं और अगर आपने मोबाइल नंबर शेयर किया हुआ है तो आपको फोन भी करती हैं। इसी तरह कई कंपनियां आपकी जानकारी हासिल कर आपको अपने प्रोडक्ट के लिए ऐड भेजती है। यदि आप जागरूक हों, तो ऐसी ऐड ट्रैकिंग से बाहर निकलना बेहद आसान है। आगे हम आपको ऐसे 8 स्टेप्स बताएंगे, जिनके जरिए आप अपनी फेसबुक प्रोफाइल की जासूसी करने वाले लोगों और कंपनियों को ब्लॉक कर सकते हैं....

1. अपने फेसबुक प्रोफाइल पेज के बाईं ओर ऊपर की तरफ डाउन ऐरो पर क्लिक कर सेटिंग्स पर क्लिक करें।
2. सेटिंग्स में दाईं ओर लिस्ट में एडस पर क्लिक करें
3. इसके बाद इसमें देखें कि आप किस-किस के साथ अपनी इंफॉर्मेशन शेयर कर रहें हैं।
4. यहां पर नो वन पर क्लिक करके सेव चेंजेज पर क्लिक कर दें।
5. अब अपने होम पेज पर वापस आएं और दाईं ओर ऊपर की तरफ लॉक मेनू पर जाएं।
6. यहां पर बाईं ओर एप्स पर क्लिक करें।
7. यहां दिख रहे एप्स आपको फॉलो कर रहे हैं।
8. एक-एक पर जाकर आप उसे एडिट या डीलीट कर सकते हैं।

पेनड्राइव से डिलीट डाटा ऐसे पाएं वापस

डाटा स्टोरेज के लिए हम बहुत सी ड्राइव्स का प्रयोग करते हैं, इनमें से एक है पेन ड्राइव यह साइज और वजन में हल्की होती है, इसलिए आप आसानी से कैरी कर सकते हैं। आपके डाटा को सेव रखने के लिए यह एक अन्य बेहतर स्टोरेज है, लेकिन क्या हो अगर गलती से आपका डाटा पेनड्राइव से डिलीट हो जाएं? फिक्र करने की जरूरत नहीं! अगर ऐसा हो जाता है तो भी आप अपने डिलीटेड डाटा को आसानी से रिकवर कर सकते हैं। बस इसके लिए ये तरीके फॉलो करने होंगे।

- सबसे पहले आप गूगल प्ले स्टोर से फ्री में उपलब्ध पैनडोरा रिकवरी सॉफ्टवेयर डाउनलोड करें।
- अब पैनडोरा रिकवरी सॉफ्टवेयर को ओपन करें।
- ओपन सॉफ्टवेयर पर नीचे की ओर नेक्स्ट विकल्प दिखेगा, इस पर क्लिक करें, जैसे ही आप क्लिक करते हैं तो अगला विकल्प टर्म एंड कंडीशन उपलब्ध हो जाएगा, फिर इस ऑप्शन के नीचे भी आपको नेक्स्ट का विकल्प मिलेगा, उस पर क्लिक करें।
- इसके बाद अपने कंप्यूटर या लैपटॉप के जिस फोल्डर में पैनडोरा एप को इंस्टॉल करना चाहते हैं, उस फोल्डर को सेलेक्ट करें।
- जैसे ही जब सॉफ्टवेयर इंस्टॉल हो जाए तो उसे ओपन करें, इस दौरान ध्यान रखें कि आपके कंप्यूटर या लैपटॉप में बैकअप लेने वाली या रिकवर करने वाली पेन ड्राइव जरूर लगी हो। इसके बाद सिस्टम में दिख रहे पैनडोरा रिकवरीसॉफ्टवेयर के आइकन पर क्लिक करें। अब जैसे ही आपको पेनड्राइव का ऑप्शन दिखाई दें, तो उस पर क्लिक करें। क्लिक करने के बाद आपको पेनड्राइव से डिलीट हुई फाइल्स दिखने लगेंगी।
- उपलब्ध डिलीट फाइल्स पर राइट क्लिक करें। अब ऑप्शन्स में से रिकवरी विकल्प का चयन करें। इन फाइल्स को जिस फोल्डर या जगह में सेव करना चाहते हैं, उनका चयन करें।
- बस अब आप चंद सेकंड में देखेंगे कि डिलीट डाटा सेव हो गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।